CMYK

अधिकतम : 24°C
न्यूनतम : 12°C

ख़बरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, बुधवार 25 फरवरी 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 199 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com फाल्गुन शुक्ल पक्ष 7 विक्रमी सम्वत् 2082 7 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं : खड़गे पेज 2

आईसीसी रैंकिंग में भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिलाओं को फायदा खेल टाइम्स

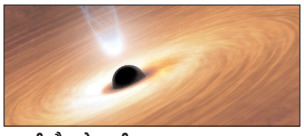

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा सम्पादकीय

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद पेज 12

अब 8वीं के बच्चे पढ़ेंगे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या है

नई दिल्ली। नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) ने 8वीं क्लास की नई सोशल साइंस टेक्स्टबुक में ज्यूडीशियरी में करप्शन पर एक सेक्शन शुरू किया है। यह पहली बार है जब 8वीं के बच्चे ज्यूडीशियरी में करप्शन क्या होता है, इसके बारे में पढ़ेंगे।

इस चैप्टर में सुप्रीम कोर्ट के 81 हजार, हाईकोर्ट्स के 62 लाख 40 हजार, डिस्ट्रिक्ट और सबऑर्डिनेट कोर्ट के 4 करोड़ 70 लाख पेंडिंग केस की संख्या भी बताई गई है। यह पिछले एडिशन के मुकाबले एक बड़ा बदलाव है। पिछले चैप्टर में ज्यादा दातर कोर्ट के स्ट्रक्चर और रोल पर फोकस किया गया था। बदले हुए चैप्टर का नाम 'हमारे समाज में ज्यूडीशियरी की भूमिका' है। इसमें कोर्ट की हायरार्की और न्याय तक पहुंच को समझाने से ज्यादा ज्यूडीशियल सिस्टम के सामने आने वाली चुनौतियों जैसे करप्शन और केस बैकलॉग को बताया गया है। करप्शन वाले सेक्शन में बताया गया है कि जज एक कोड ऑफ कंडक्ट से बंधे होते हैं, जो न केवल कोर्ट में बल्कि कोर्ट के बाहर भी उनके व्यवहार को कंट्रोल करता है। ज्यूडीशियरी के अंदरूनी अकाउंटेबिलिटी सिस्टम को भी समझाया गया है। सेंट्रलाइज्ड पब्लिक ग्रीवांस रिड्रेस एंड मॉनिटरिंग सिस्टम (सीपी ग्रेम्स) के जरिये शिकायतें लेने के तय तरीके भी बताए गए हैं। किताब के मुताबिक सीपी ग्रेम्स सिस्टम के जरिये 2017 और 2021 के बीच 1,600 ज्यादा शिकायतें मिली थीं। किताब में गंभीर मामलों में जजों को हटाने के संवैधानिक नियम के बारे में भी बताया गया है कि पार्लियामेंट इंपीचमेंट मोशन पास करके जज को हटा सकती है। बच्चे पढ़ेंगे कि ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है। इस दौरान जज को मामले में अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाता है। चैप्टर में लिखा है कि लोग ज्यूडीशियरी के अलग-अलग लेवल पर करप्शन का सामना करते हैं। गरीबों और जरूरतमंदों की न्याय तक पहुंच की समस्या और बिगड़ सकती है। यह भी बताया है कि राज्य और केंद्र ट्रांसपेरेंसी और पब्लिक ट्रस्ट को मजबूत करने की कोशिशें कर रहे हैं। इसमें टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल और करप्शन के मामलों के खिलाफ फास्ट एक्शन लेना शामिल है।

- एनसीईआरटी ने सोशल साइंस में जोड़ा नया सेक्शन
- पेंडिंग केस, पूर्व सीजेआई का भी हवाला दिया गया
- बच्चे पढ़ेंगे ऐसे मोशन पर सही जांच के बाद ही विचार किया जाता है

युवा कांग्रेस अध्यक्ष चिब भी भारत मंडपम प्रदर्शन मामले में गिरफ्तार

नई दिल्ली। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में प्रदर्शन करने के आरोप में पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। युवा कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार श्री चिब को सोमवार को पुलिस ने पूछताछ के लिए बुलाया और उसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया। सूत्रों के अनुसार पुलिस ने श्री चिब को रातभर तिलक मार्ग थाने में हिरासत में रखा और उन्हें गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली पुलिस ने श्री चिब के अलावा युवा कांग्रेस के प्रदर्शनकारी सात अन्य युवाओं को पहले ही हिरासत में लेकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। राहुल गांधी ने एआई शिखर सम्मेलन के दौरान यहां भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को तानाशाही करार दिया।

सातवां रोज़ा

अल्लाह तक पहुंचने का रास्ता दिखाता है सातवां रोज़ा

रमजान माह का पहला अशरा रहमत का माना जाता है। यानी शुरुआती दस रोजे किसी दरिया के मानिन्द हैं, जिसमें अल्लाह की रहमत का पानी बहता रहता है। रोज़ादार तक्वा को अपनाते हुए जब रोज़ा रखता है, तो वह बेशुमार नेकियों का हकदार हो जाता है। ये नेकियां सदाकत और सदाअत का सैलाब बनकर उसके लिए बख्शीश की दुआ अल्लाह से करती हैं। कुरआने पाक में जिक्र है, ऐ इंसान तू अपने परवरदिगार की तरफ खूब कोशिश करता है, सौ उससे जा मिलेगा। इस जिक्र को रोज़े की रोशनी में देखें, तो उसकी तशरीह इस तरह होगी कि रोज़ा रहमत का दरिया तो है ही, नेकी के सैलाब के साथ अल्लाह तक पहुंचने का जरिया भी है। इसको यूं भी कहा जा सकता है कि जब रास्ता लंबा हो, दुश्वारियां हों, भटकने के आसार हों, कांटों-कंकरों की चुभन से पांवों के लहूलुहान होने का डर हो तो ईमानदारी के साथ रखा गया रोजा राह को हमवार और दुश्वारियों को दरकिनार कर देता है।

प. बंगाल मतदाता सूची संशोधन पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

ओडिशा-झारखंड के सिविल जज करेंगे वेरिफिकेशन कार्य में मदद

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम आदेश दिया है। अदालत ने कहा है कि चुनाव प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखना सबसे जरूरी है। समय कम है और काम बहुत बड़ा है। ऐसे में न्यायिक अधिकारियों की संख्या बढ़ाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को अतिरिक्त सिविल जज तैनात करने की अनुमति दे दी है। ,सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलकत्ता हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, एसआईआर प्रक्रिया में लगा सकते हैं। यदि इसके बाद भी मानव संसाधन की कमी हो तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद ली जा सकती है। अदालत ने दोनों राज्यों के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा है। सुनवाई के दौरान बताया गया कि अब तक 294 जिला और अतिरिक्त जिला जज एसआईआर के अंतिम चरण में तैनात किए गए हैं। इसके बावजूद यह संख्या पर्याप्त नहीं मानी गई। हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने बताया कि यदि एक जज रोज 250 मामलों की सुनवाई करे तो भी पूरी प्रक्रिया को पूरा करने में लगभग 80 दिन लग सकते हैं। जबकि अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होनी है। इसलिए समय की भारी कमी है। मुख्य न्यायाधीश अतिरिक्त सिविल जज (सीनियर और जूनियर डिवीजन) तैनात कर सकते हैं, जिनके पास कम से कम तीन साल का अनुभव हो। पहले से तैनात जिला और अतिरिक्त जिला जजों के अलावा जरूरत के अनुसार और न्यायिक अधिकारी लगाए जा सकते हैं। यदि राज्य में उपलब्ध जज पर्याप्त न हों तो झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट से सेवारत या सेवानिवृत्त न्यायिक अधिकारियों की मदद मांगी जा सकती है। झारखंड और उड़ीसा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों से ऐसे अनुरोध पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने को कहा गया है। तैनात न्यायिक अधिकारी एसआईआर प्रक्रिया में आए दावों और आपत्तियों की निगरानी और सत्यापन में मदद करेंगे। पूरी प्रक्रिया समयबद्ध और निष्पक्ष तरीके से पूरी की जाए, यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

तीन साल से अधिक अनुभव वाले सिविल जज, चाहे वे सीनियर डिवीजन के हों या जूनियर डिवीजन के, SIR प्रक्रिया में लगा सकते हैं

इनका खर्च चुनाव आयोग उठाए, 80 लाख दावों का निपटारा बाकी, अंतिम मतदाता सूची 28 फरवरी को प्रकाशित होगी

अब केरलम के नाम से जाना जाएगा केरल, कैबिनेट की मंजूरी

पीएम के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में हुई पहली मीटिंग

शाह टाइम्स ब्यूरो

- रेल-मेट्रो और एयरपोर्ट प्रोजेक्ट्स के लिए 12,236 करोड़ रुपये मंजूर

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नए ऑफिस सेवा तीर्थ में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक हुई। इसमें कुल 12,236 करोड़ के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में तीन रेल प्रोजेक्ट समेत कुल 8 फैसले लिए हैं। बैठक में पावर सेक्टर में सुधारों पर पॉलिसी से जुड़े फैसले हुए और केरल सरकार के राज्य का नाम बदलकर केरलम करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

केरल में अप्रैल-मई में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं। कैबिनेट ने तीन नए रेल प्रोजेक्ट के तहत गोंदिया-जबलपुर रेल लाइन के डबलिंग, गम्हरिया-चांडिल और पुनारख-किऊल के बीच तीसरी-चौथी रेल लाइन को मंजूरी दी है। साथ ही श्रीनगर में एक नया एयरपोर्ट टर्मिनल बनेगा और अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2बी का एक्सटेंशन होगा। कैबिनेट से मंजूरी के बाद अब राष्ट्रपति 'केरल (नाम में बदलाव) बिल, 2026' को संविधान के अनुच्छेद 3 के तहत केरल विधानसभा की राय के लिए भेजेंगे। विधानसभा की राय मिलने के बाद, सरकार संसद में बिल पेश करेगी। संसद से पास होने पर राज्य का नाम आधिकारिक रूप से केरलम हो जाएगा। केरल विधानसभा से 24 जून 2024 को प्रस्ताव पास हुआ था। इस प्रस्ताव के मुताबिक केरल का असल में मलयाली भाषा में नाम केरलम है।

कच्चे जूट की एमएसपी में 275 रुपये का इजाफा, नया दाम 5,925 रुपये प्रति क्विंटल

नई दिल्ली। सरकार ने विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को 275 रुपये क्विंटल बढ़ाते हुए 5,925 प्रति क्विंटल तय कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में 'सेवा तीर्थ' में मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई पहली बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को यह जानकारी दी। विपणन सीजन 2026-27 के लिए कच्चे जूट का घोषित यह समर्थन मूल्य, साल 2018-19 के बजट में घोषित लागत के कम से कम 1.5 गुना के स्तर पर एमएसपी तय करने के सिद्धांत के अनुरूप है।

संक्षिप्त समाचार

अविमुक्तेश्वरानंद ने दाखिल की अग्रिम जमानत याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के खिलाफ दर्ज यौन उत्पीड़न के मामले में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने अधिवक्ता राजिर्ष गुप्ता, सुधांशु कुमार और श्री प्रकाश के माध्यम से उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत की अर्जी दाखिल की है। याचिका पर शीघ्र सुनवाई होने की संभावना है।

लेह जा रही स्पाइसजेट की उड़ान रास्ते से दिल्ली लौटी

नई दिल्ली। दिल्ली से लेह जा रही स्पाइसजेट की एक उड़ान इंजन में खराबी के कारण मंगलवार सुबह आधे रास्ते से दिल्ली वापस लौट आई, जहां उसकी आपात स्थिति में सुरक्षित लैंडिंग हुई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी।

योगी के दौरे का दूसरा दिन: एक ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था के लिए निवेश आमंत्रण

सिंगापुर/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आधिकारिक दौरे के दूसरे दिन मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री एवं व्यापार और उद्योग मंत्री तथा राष्ट्रीय सुरक्षा के समन्वय मंत्री और गृह मंत्री से मुलाकात की।

उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति में हुई इन बैठकों का मुख्य उद्देश्य उप्र को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में सिंगापुर की विशेषज्ञता और निवेश को आकर्षित करना रहा। चर्चा का केंद्र शहरी नियोजन, आंतरिक सुरक्षा ढांचे और डिजिटल गवर्नेंस में सहयोग बढ़ाने पर रहा। डिप्टी पीएम गान किम योंग के साथ हुई बातचीत में सीएम ने उप्र के 'प्रो-बिजनेस' वातावरण, व्यापक लैंड बैंक और जल्द शुरू होने जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की रणनीतिक कनेक्टिविटी का उल्लेख किया।

- सीएम ने सिंगापुर के डिप्टी पीएम सहित कई नेताओं से भेंट की

हल्द्वानी अतिक्रमण विवाद: जमीन रेलवे की है, अतिक्रमणकारी शर्तें तय नहीं कर सकते

शाह टाइम्स ब्यूरो

- सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को शिविर लगाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली/हल्द्वानी। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तराखंड विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह एक शिविर लगाए, ताकि रेलवे परियोजना के लिए आवश्यक सरकारी जमीन पर रह रहे और बेदखली का सामना कर रहे परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पुनर्वास के लिए आवेदन कर सकें।

याचिकाकर्ताओं के आग्रह पर कोर्ट ने कहा कि यह शिविर 15 मार्च के बाद लगाया जाए, क्योंकि उन्होंने इसे रमजान के महीने के बाद आयोजित करने की मांग की थी। शीर्ष कोर्ट ने नैनीताल के जिला कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारियों को आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया। यह पूरी प्रक्रिया 31 मार्च से पहले पूरी की जानी है। शीर्ष कोर्ट ने यह भी कहा कि जिला कलेक्टर हर परिवार की योजना के तहत पात्रता तय करें और अपनी रिपोर्ट कोर्ट में पेश करें। सीजेआई सूर्यकांत और जायमाल्या बागची की बेंच दिसम्बर 2022 में उत्तराखंड हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें हल्द्वानी में सार्वजनिक जमीन पर कथित रूप से कब्जा करने वाले करीब 50 हजार लोगों को हटाने का निर्देश दिया गया था।

पवन हंस का हेलीकॉप्टर समुद्र में गिरा, सभी 7 लोग सुरक्षित

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। विमानन क्षेत्र की सरकारी कंपनी पवन हंस का एक हेलीकॉप्टर मंगलवार सुबह मायाबंदर के पास समुद्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। राहत की बात यह रही कि हेलीकॉप्टर में सवार सभी सात लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग 9:30 बजे हुआ। हेलीकॉप्टर ने श्री विजया पुरम से सुबह करीब 8:45 बजे उड़ान भरी थी और लगभग 45 मिनट बाद समुद्र में गिर गया। प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई है। एक वरिष्ठ नागरिक उड्डयन अधिकारी ने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी के बाद पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए पानी पर क्रैश लैंडिंग की। सभी यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को समुद्र से सुरक्षित निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों का इलाज डा. राजेंद्र प्रसाद अस्पताल में चल रहा है। नागरिक उड्डयन निदेशक नितेश रावत ने बताया कि पायलट सहित कुल सात लोग सवार थे और सभी सुरक्षित हैं। पायलट का बयान अभी दर्ज किया जाना बाकी है। प्रशासन घायलों को श्री विजया पुरम स्थानांतरित करने की कोशिश कर रहा है। घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

- प्रारंभिक जांच में तकनीकी खराबी की आशंका जताई गई

लोकसभा अध्यक्ष ने 64 पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स बनाए

नई दिल्ली। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने मंगलवार को 64 देशों के साथ पार्लियामेंट्री फ्रेंडशिप ग्रुप्स (पीएफजी) का गठन किया है। इन ग्रुप्स का मकसद दूसरे देशों के साथ संसदीय कूटनीति को मजबूत करना और वैश्विक मंच पर भारत की संसद की एकजुट लोकतांत्रिक आवाज पेश करना है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद पीएम मोदी ने भारत और अन्य देशों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए पीएफजी बनाने का प्रस्ताव दिया था। अब लोकसभा अध्यक्ष ने इसका गठन किया है। 64 ग्रुप्स में लोकसभा और राज्यसभा के कुल 704 सांसद हैं। हर ग्रुप में एक लीडर और 10 सदस्य हैं। इनमें भाजपा के सबसे ज्यादा 30 ग्रुप लीडर हैं। कांग्रेस के 10, समाजवादी पार्टी, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 3-3 सांसद ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। भाजपा की तरफ से ग्रुप लीडर्स में हेमा मालिनी, मनोज तिवारी, निशिकांत दूबे जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कांग्रेस से शशि थरूर, टीएमसी से अभिषेक बनर्जी और एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी भी ग्रुप लीडर बनाए गए हैं। हालांकि, पीएफजी के सदस्य कैसे काम करेंगे, अभी इसकी औपचारिक जानकारी नहीं दी गई है। केंद्र सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद दुनियाभर में भारत का पक्ष रखने के लिए 17 मई 2025 को 59 सदस्यों वाले डेलिगेशन की घोषणा की थी। इसमें 51 नेता और 8 राजदूत थे। एनडीए के 31 और 20 दूसरे दलों के नेता थे, जिसमें 3 कांग्रेस नेता भी थे। ये डेलिगेशन दुनिया के 33 देशों, खासकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) के सदस्य देशों में गया और वहां ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखा। इस डेलिगेशन को 7 ग्रुप में बांटा गया था। हर ग्रुप में एक सांसद को लीडर बनाया गया। प्रत्येक ग्रुप 8 से 9 सदस्य थे। इनमें 6-7 सांसद, सीनियर लीडर (पूर्व मंत्री) और राजदूत शामिल थे।

- हर ग्रुप में एक लीडर समेत 11 सांसद
- फ्रांस में थरूर, जापान में अखिलेश यादव नेतृत्व करेंगे

तुरन्त आवश्यकता

इंडस्ट्रियल एरिया, बिजनौर स्थित फैक्ट्री के लिये

- अलमीरा कारीगर-10
- पार्टिकल बोर्ड के लिये कारपेंटर-4
- सुपरवाइजर मशीन चलाने हेतु- 2

सम्पर्क करें- मो. 7017517607,9389076177

संक्षिप्त समाचार

शंकराचार्य मामले में कांग्रेस आज यूपी में प्रदर्शन करेगी

वाराणसी। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने शंकराचार्य मामले में पीएम मोदी से हस्तक्षेप की मांग की है, साथ ही कहा कि कल(आज)कांग्रेसी पूरे प्रदेश में प्रदर्शन कर जिलाधीशों के जरिए पीएम को ज्ञापन सौंपेंगे। प्रयागराज में दर्ज हुए मुकदमे में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गिरफ्तारी कब होगी इसे लेकर संशय बना हुआ है। सोमवार को पूरे दिन चली हलचल के बीच शंकराचार्य की गिरफ्तारी नहीं हुई और देर रात तक इस पर लोगों की निगाह बनी रहीं। आज भी इस मामले में अब तक गिरफ्तारी की अफवाह चल रही है, लेकिन पुलिस टीम कहां है यह नहीं पता।

राष्ट्र विरोधी ताकतों की भाषा बोल रहे राहुल: अनुराग

धर्मशाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री और हमीरपुर से लोकसभा सांसद अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए उनके नाम की नई फुल फॉर्म बता दी है। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में अनुराग ठाकुर ने कहा कि आज राहुल का मतलब है रा से रार, हुश से हुड़दंग और ल से लफंगई। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी की राजनीति अब केवल टकराव, विरोध और भ्रम फैलाने तक सीमित रह गई है। ठाकुर ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को जिम्मेदारी और गंभीरता के साथ अपनी भूमिका निभानी चाहिए। अनुराग ठाकुर ने कहा कि राहुल गांधी अब राष्ट्र विरोधी ताकतों की भाषा बोल रहे हैं। ऐसा लगता है मानो राहुल अब राष्ट्र विरोधी ताकतों के प्रवक्ता बन गए हैं। जब भारत वैश्विक मंचों पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, तब देश को कमजोर दिखाने की कोशिश करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

सरकार ने पावर ग्रिड के पूंजी निवेश के अधिकार को बढ़ाया: वैष्णव

नई दिल्ली, वार्ता

केंद्रीय मंत्रिमडल ने महारत्न का दर्जा प्राप्त केंद्रीय उपक्रम पावरग्रिड के लिए अनुषंगी कंपनियों में शेयर पूंजी निवेश की सीमा बढ़ाने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दी। इससे वह अपनी किसी भी अनुषंगी में 7500 करोड़ रुपये तक का निवेश कर सकेगी, जबकि अभी तक यह सीमा 5000 करोड़ रुपये थी।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति की बैठक के बाद सूचना प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कैबिनेट कमेटी ने महारत्न केंद्रीय लोक उपक्रमों पर वर्तमान में लागू लोक उपक्रम विभाग के 4 फरवरी, 2010 के दिशानिर्देशों के तहत पावरग्रिड को ज्यादा अधिक. ार देने को मंजूरी दे दी है। इससे पावरग्रिड की प्रति अनुषंगी शेयर-पूंजी निवेश सीमा 5,000 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 7,500 करोड़ रुपये प्रति सब्सिडियरी कर दी गई है। यह छूट कंपनी की नेट वर्थ के 15 प्रतिशत की मौजूदा सीमा के अंदर ही होगी। वैष्णव ने बिजली क्षेत्र के लिए ग्रिड की सुविधा के महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि विद्युत पारेषण ग्रिड में जिस तरह से पिछले दशक में निवेश हुआ है, उसके कारण भारत का ग्रिड आज दुनिया के सबसे मजबूत ग्रिड में गिना जाता है। इस तरह के ग्रिड की सहायता से आज देश में कुल विद्युत उत्पादन क्षमता में स्वच्छ बिजली उत्पादन, नवीकरणीय बिजली उत्पादन की क्षमता 50 प्रतिशत से अधिक हो गई। श्री वैष्णव ने कहा कि यह लक्ष्य दुनिया के बहुत से समृद्ध देश भी प्राप्त कर सके हैं, हमने 2030 के लक्ष्य को 2025 में ही प्राप्त कर लिया। नवीकरणीय ऊर्जा के लिए ग्रिड को बहुत सशक्त होना पड़ता है, उसके लिए ग्रिड में लगातार और निवेश की जरूरत पड़ती है।

श्रीनगर हवाई अड्डे पर बनेगा नया एकीकृत टर्मिनल

नई दिल्ली, वार्ता

जम्मू-कश्मीर की राजधानी श्रीनगर में 1,677 करोड़ रुपये की लागत से नया एकीकृत हवाई अड्डा टर्मिनल बनेगा, जिसकी सालाना क्षमता एक करोड़ यात्रियों की होगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने 73.18 एकड़ में हवाई अड्डे के नए सिविल एन्क्लेव की परियोजना को स्वीकृति प्रदान की। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए संवाददाताओं को बताया कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद वहां परिस्थितियां बदली हैं और लोग वहां जाना चाहते हैं। हवाई यात्रा, रेल और सड़क मार्ग से यात्रा की मांग बढ़ी है। इसी के मद्देनजर टर्मिनल की क्षमता बढ़ाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। परियोजना चार साल में पूरी होगी और इसका पूरा खर्च एएआई उठाएगा। परियोजना में सुरक्षा कर्मियों के लिए

■ मंत्रिमंडल की बैठक में 1,677 करोड़ की परियोजना को दी मंजूरी

बैरकों का निर्माण भी शामिल है। भारतीय वायु सेना के बडगाम एयरबेस परिसर में स्थित इस हवाई अड्डे का संचालन भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) करता है जबकि 3,658 किमी के रनवे का संचालन वायु सेना द्वारा किया जाता है।

साल 2005 में इसे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा घोषित किया गया था। यह श्रीनगर शहर से लगभग 12 किलोमीटर दूर है। श्री वैष्णव ने बताया कि नया टर्मिलन भवन 71,500 वर्ग मीटर में फैला होगा जो मौजूदा ढांचे (20,659 वर्ग मीटर) से काफी बड़ा है। इसे व्यस्ततम समय में प्रति घंटे 2,900 यात्रियों (वर्तमान में 950 यात्री) को सेवा देने के लिए डिजाइन किया गया है। इसकी सालाना क्षमता बढ़कर एक करोड़ यात्रियों की हो जाएगी। नए टर्मिनल में स्थानीय संस्कृति की झलक भी दिखेगी।

नए सिविल एन्कलेव में सीआईएसएफ के 1,344 कर्मचारियों और एएआई के कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा होगी। टर्मिनल भवन के अलावा हवाई अड्डे के एप्रन का भी विस्तार किया जाएगा, जिसमें 15 विमानों के लिए पार्किंग-बे (एक वाइडबॉडी/कोड ई सहित) उपलब्ध होंगे। वर्तमान में वहां नौ पार्किंग-बे हैं, जबकि छह नए पार्किंग-बे का निर्माण किया जाएगा। एक हजार कारों की क्षमता वाला बहु-स्तरीय कार पार्किंग परिसर भी बनेगा। आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि नए टर्मिनल भवन में पारंपरिक नक्काशीदार लकड़ी के काम और स्थानीय शिल्पकला से प्रेरित तत्वों को शामिल किया जाएगा। इसके साथ ही विशाल लाउंज तथा उन्नत सुरक्षा और चेक-इन सुविधाओं के माध्यम से परिचालन में दक्षता सुनिश्चित की जाएगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने युकांइयों की गिरफ्तारी की निंदा की

मोदी डरपोक हैं, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता नहीं: खड़गे

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भारत मंडपम में विरोध प्रदर्शन करने के आरोप में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर सीधा हमला किया और कहा कि कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं, बल्कि मोदी खुद डरपोक हैं, जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के सामने घुटने टेकने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है। श्री

■ पीएम मोदी ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आगे घुटने टेके, यूएस से डील करके भारतीय किसानों का नुकसान किया

खड़गे ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा ष्युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल इतना खराब हो चुका है, जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है।

ट्रम्प के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए। नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बातचीत की गई। इससे यह भी साफ हो गया है कि लोग समझते थे कि मोदी जी देश के हित में ट्रम्प से बात कर रहे हैं, लेकिन हकीकत में ट्रम्प हमें गुलाम बना रहा है और हमें बंधुआ मजदूर बनाने की दिशा में धकेला जा रहा है। यह काम मोदी जी कर रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा- कांग्रेस डरने वाली नहीं है और न ही डरपोक है। मोदी साहब खुद डरपोक हैं। डर के कारण वे संसद में आकर अपनी नीतियों का बचाव भी नहीं कर पाते। इसलिए वे हमें डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवाओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं, हमारे युवा नेताओं को डराने की कोशिश कर रहे हैं। यह नहीं चलेगा। मैं इसकी निंदा करता हूं। हमारे देश में लो. कतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए जो भी त्याग करना पड़ेगा, हम करेंगे। हम लड़ते रहेंगे और देश को गिरवी रखने वाले लोगों के खिलाफ संघर्ष जारी रखेंगे।

गिरफ्तारी परेशान करने की राजनीति और लोकतंत्र की हत्या: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को लोकतंत्र की हत्या करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की और कहा कि यह सब असली मुद्दों से ध्यान भटकाने तथा परेशान करने वाली राजनीति का हिस्सा है। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने मंगलवार को यहां जारी बयान में युवा कांग्रेस कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी को अवैध बताया और कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं की गिरफ्तारी लोकतंत्र की हत्या है।

उन्होंने इसे डराने की राजनीति बताया और कहा कि कांग्रेस इससे डरने वाली नहीं है। रमेश ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब और उनके साथी कार्यकर्ताओं की खुलेआम अवैध गिरफ्तारी की कांग्रेस कड़े शब्दों में निंदा करती है। साफ तौर पर यह एक शांतिपूर्ण और वैध विरोध प्रदर्शन था। प्रधानमंत्री स्पष्ट रूप से एप्सटीन फाइल्स में हुए खुलासों से विचलित हैं। साथ ही उन्हें किसानों के बढ़ते आक्रोश का भी सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि उन्होंने उनके साथ विश्वासघात किया है और व्यापार समझौते के मुद्दे पर राष्ट्रपति ट्रम्प के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उन्होंने आगे कहा कि यह सब परेशान करने की राजनीति के अलावा कुछ नहीं है।

ईरान में फंसे छात्रों से घर लौटने का किया आग्रह

श्रीनगर, वार्ता

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने ईरान पर अमेरिका के संभावित हमले की आशंकाओं को देखते हुए वहां से जम्मू-कश्मीर के छात्रों और निवासियों से तुरंत घर लौटने का आग्रह किया है।

भारत द्वारा अपने नागरिकों को उपलब्ध साधनों का उपयोग कर ईरान छोड़ने के लिए जारी की गई नई सलाह पर प्रतिक्रिया देते हुए अब्दुल्ला ने मंगलवार को चेतावनी दी कि हवाई क्षेत्र बंद होने या संघर्ष के कारण यात्रा बाधित होने की स्थिति में देरी से परिवारों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अब्दुल्ला ने श्रीनगर में पत्रकारों से कहा कि मैं जम्मू-कश्मीर के छात्रों से कहना चाहता हूं कि वे तुरंत निकल जाएं। अन्यथा, कल जब हवाई क्षेत्र बंद हो जाएगा, तो उनके माता-पिता और परिवार वाले चिंता और घबराहट फैलाएंगे। पूर्व मुख्यमंत्री ने उन्हें

सलाह दी कि हालात बिगड़ने से पहले ही लौट जाएं, क्योंकि बाद में निकासी मुश्किल हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि उस स्थिति के उत्पन्न होने से पहले ही निकल जाना बेहतर है, क्योंकि बाद में उन्हें निकालने वाला कोई नहीं होगा। उन्हें अपना सामान पैक करके घर लौट आना चाहिए। भारतीय दूतावास ने सोमवार को जारी अपनी नवीनतम सलाह में अपने नागरिकों से उपलब्ध परिवहन साधनों, जिनमें वाणिज्यिक उड़ानें भी शामिल हैं, के ईरान छोड़ने का आग्रह किया है।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 82225.92

निफ्टी 25424.65

सोना 160394

प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 263917

प्रति किलो

शेयर बाजारों में गिरावट, प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई, वार्ता

अमेरिकी आयात शुल्क को लेकर नए सिरे से बनी अनिश्चितता के कारण घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को गिरावट देखी गई और प्रमुख सूचकांक तीन सप्ताह से अींक के निचले स्तर पर बंद हुए।

बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,068.74 अंक (1.28 प्रतिशत) लुढ़ककर 82,225.92 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी.50 सूचकांक भी 228.35 अंक यानी 1.12 प्रतिशत की गिरावट में 25,424.65 अंक पर रहा। यह दोनों सूचकांकों का 02 फरवरी के बाद का निचला स्तर है। अमेरिका में आयात शुल्क को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण वैश्विक स्तर पर शेयर बाजारों में गिरावट रही जिंसका असर घरेलू बाजारों पर भी देखने को मिला। मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांकों में अपेक्षाकृत कम गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचक. ांक 0.32 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचक.

ांक 0.55 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। एनएसई में जिन 3,270 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, उनमें से 2,101 के शेयर गिरावट में और 1,068 के बढ़त में रहे। अन्य 101 कंपनियों के शेयर दिन भर के उतार-चढ़ाव के बाद अतत: अपरिवर्तित रहे। अमेरिका में बीते दिन आईटी कंपनियों पर खासा दबाव रहा था। इससे निफ्टी आईटी सूचकांक 4.74 प्रतिशत टूट गया। रियलटी, रसायन और मीडिया सेक्टरों में भी ज्यादा गिरावट रही। ऑटो और निजी बैंकों के सूचकांक भी लाल निशान में रहे। एफएमसीजी, फार्मा, सार्वजनिक बैंकों, तेल एवं गैस और स्वास्थ्य सेक्टरों में तेजी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा का शेयर 6. 60 प्रतिशत टूट गया।

सोना और चांदी के धड़ाम से गिरे दाम

नई दिल्ली। मंगलवार की सुबह सोने और चांदी दोनों की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज(एमसीएक्स) पर 2 अप्रैल 2026 की एक्सपायरी वाला सोना आज सुबह 1,204 (0.75 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 160,394 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है, वहीं चांदी की कीमतों में भी आज कटौती देखी गई है। 5 मार्च 2026 की एक्सपायरी वाली चांदी आज 1,416 (0.53 प्रतिशत) फिसलकर 263,917 प्रति किलो पर आ गई है। ग्लोबल मार्केट के दबाव और निवेशकों की मुनाफावसूली के चलते आज सर्राफा बाजार में दाम नीचे आए हैं, जिससे खरीदारों को थोड़ी राहत मिली है। आज दिल्ली में 24 कैरेट सोना 16,193 प्रति ग्राम, 22 कैरेट सोना14,845 प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 12,149 प्रति ग्राम बिका। कॉमेक्स पर अप्रैल डिलीवरी वाले सोने का वायदा भाव 1.1 प्रतिशत गिरकर 5,170.70 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि स्पॉट गोल्ड 1.5 प्रतिशत गिरकर 5,150.38 डॉलर प्रति औंस पर रहा। दिन में इससे पहले सोना तीन सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंचा था। स्पॉट सिल्वर 3.1 प्रतिशत गिरकर 85.50 डॉलर प्रति औंस पर आ गई, जो पिछले सत्र में दो सप्ताह के उच्च स्तर पर थी। एक एक्सपर्ट के अनुसार सोने को 1,60,600 रुपए और 1,58,800 रुपए पर सपोर्ट मिल सकता है।

चावल, गेहूं और चीनी मजबूत दालों, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। गेहूं और चीनी की कीमतों में भी तेजी रही। दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 13 रुपये बढ़कर 3,859 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं का भाव दो रुपये बढ़ा और यह 2,849 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। तुअर दाल की औसत कीमत 37 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। उड़द दाल में 31 रुपये और मूंग दाल में 15 रुपये की तेजी रही। चना दाल 14 रुपये महंगी हुई। मसूर दाल की कीमत तीन रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का मई वायदा 29 रिंगिट टूटकर 4,054 रिंगिट प्रति क्विंटल पर रहा। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.12 प्रतिशत की गिरावट में 59.81 सेंट प्रति

पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में सूरजमुखी तेल की औसत कीमत 26 रुपये और वनस्पति की 22 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ी। पाम ऑयल नौ रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 39 रुपये और सरसों तेल की 17 रुपये प्रति क्विंटल घट गई। सोया तेल 14 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव 26 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गए। चीनी भी सात रुपये महंगी हुई। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के दिन के औसत थोक भाव इस प्रकार रहे: दाल-दलहन: दाल चना 7784.19 रुपये, मसूर काली 8086.69 रुपये, मूंग दाल 10140.11 रुपये, उड़द दाल 10717.51 रुपये, तुअर दाल 11163.10 रुपये प्रति क्विंटल रहे।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

अखिलेश यादव पर बीजेपी का हमला

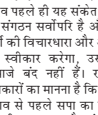

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ अपने दम पर सरकार बनाने की बात क्यों नहीं कर रहे सपा सुप्रीमो: पंकज

लखनऊ। यूपी बीजेपी अध्यक्ष पंकज चौधरी ने सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा जाति की राजनीति करती है। जनता उन्हें समझ चुकी हैं और जवाब जरूर देगी। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव का ये बयान उनकी हताशा और निराशा का परिचायक है। वो अपने दम पर सरकार बनाने की बात नहीं कर रहे हैं।

पंकज चौधरी ने कहा कि भाजपा सर्व समाज की पार्टी है और बगैर किसी भेदभाव के काम करती है। बीजेपी की सरकार ने यूपी में जंगल राज को तिलांजलि देने का काम किया है। सपा जिस तरह से जाति और धर्म के आधार पर राजनीति कर रही उसे जनता समझ चुकी है और इसका जवाब जरूर देगी। सपा अध्यक्ष द्वारा एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर पंकज चौधरी ने कहा कि वो इसके विरोध में कभी सड़क, तो कभी संसद में हल्ला करते हैं। उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 88 लाख वोट कटा है, तो उसमें सभी विधानसभा में 70 से 75 हजार वोट भाजपा के भी कटे हैं। एसआईआर चुनाव आयोग का काम है और कहीं न कहीं यह निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। शंकराचार्य विवाद को लेकर अखिलेश यादव द्वारा किए जा रहे हमलों पर पंकज चौधरी ने कहा कि उनके संगठन में सभी को साथ लेकर चलने की परंपरा है। साधु-संतों का वे लोग सम्मान करते हैं, उन्हें नहीं लगता है कि संगठन में कोई कार्यकर्ता ऐसा है,जो उनका विरोधी है। वे सबको साथ लेकर चलने की विचारधारा रखते हैं, प्रदेश में भी वह सब को साथ लेकर चलेंगे। भाजपा के कार्यकर्ता 365 दिन काम करते हैं, जनता की सेवा करते हैं। उन्होंने कहा कि सालभर के अंदर चुनाव आने वाला है और चुनाव के दृष्टिकोण से हमारे कार्यकर्ता सदैव तैयार रहते हैं। जहां तक रणनीति की बात है, तो अभी समय है। सरकार और संगठन में कोई मतभेद नहीं है, दोनों मिलकर के कार्य कर रहे हैं। जहां सरकार का कार्य होता है, वहां सरकार कार्य करती है, संगठन का कार्य है योजनाओं को जनता के बीच ले जाकर उसे जमीनी धरातल पर लोगों के बीच पहुंचाना है।

वहीं कैबिनेट मंत्री संजय निषाद भदोही में निषाद पार्टी के कार्यकर्ता सम्मेलन में पहुंचे थे, जहां उन्होंने मीडिया से बात करते हुए शंकराचार्य विवाद पर खुलकर अपनी बात रखी और अखिलेश यादव पर भी जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सपा नेतृत्व ने जो बयान दिया है, उससे ही साफ है कि उनके पास खुद सरकार बनाने की ताकत नहीं है। संजय निषाद ने कहा कि इससे स्पष्ट है कि सपा नेतृत्व खुद को कमजोर मान रहा है और दूसरों के सहारे सत्ता में आने का सपना देख रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अखिलेश यादव मुंगेरी लाल के हसीन सपने देख रहे हैं। एक बात तो साफ है कि पीडीए संकट में ही है और यदि यही स्थिति रही, तो 2027 के चुनाव में उनका सूपड़ा साफ हो जाएगा।

भाजपा से असंतुष्ट सपा के बागियों की होगी घर वापसी

समाजवादी पार्टी ने अपने बागी विधायकों की वापसी को लेकर मुलायम रुख अपनाया

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ सत्ताधारी दल से अपेक्षित महत्व न मिलने पर कुछ विधायक असहज: भाजपा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर अब सभी राजनीतिक दल अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं। इसी कड़ी में समाजवादी पार्टी ने अपने बागी विधायकों की वापसी को लेकर सॉफ्ट स्टैंड अपनाया है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, जो विधायक जिस परिस्थिति में पार्टी से अलग हुए थे, वे उसी रास्ते से वापसी कर सकते हैं। हालांकि इसके लिए उन्हें पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण साबित करना होगा।

भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी के भीतर यह चर्चा तेज है कि सत्ताधारी दल में अपेक्षित महत्व न मिलने से कुछ बागी विधायक असहज हैं और उन्होंने दोबारा संपर्क साधना शुरू किया है। सूत्रों का कहना है कि सपा नेतृत्व ने स्पष्ट कर दिया है कि वापसी की राह बंद नहीं है, लेकिन इसके लिए व्यवहारिक प्रमाण देना होगा। आगामी राज्यसभा चुनाव को बागी विधायकों की वापसी की कसौटी माना जा रहा है।

उत्तर प्रदेश से राज्यसभा की 10 सीटों पर 25 नवम्बर को मतदान प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि यदि बागी विधायक सपा प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करते हैं, तो उनके लिए पार्टी में पुन: एंट्री का रास्ता आसान हो सकता है। सूत्रों के अनुसार समा. जवादी पार्टी की ओर से किसी लिखित माफीनामे की शर्त नहीं रखी गई है, बल्कि राजनीतिक आचरण को ही निष्ठा की असली परीक्षा माना जाएगा। 2024 के राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिग कर भारतीय जनता पार्टी को समर्थन देने वाले समाजवादी पार्टी के सात विधायकों को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि ये विधायक दोबारा सपा में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। हालांकि, कुछ विधायकों ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए कड़ा रुख अपनाया है। अभय सिंह ने सोशल मीडिया के माध्यम से स्पष्ट किया कि वे सपा में वापस नहीं जा रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उन्हें प्रभु श्री राम मिल गए हैं और अब माया की जरूरत नहीं है। वहीं राकेश प्रताप सिंह ने इन खबरों को भ्रामक और उनकी छवि धूमिल करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि उनका रोम-रोम राम भक्ति में है और सपा में वापसी की अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ वे विधिक कार्रवाई करेंगे। गौरतलब है कि 2024 के राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वालों में मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, राकेश पांडेय, पूजा पाल, विनोद चतुर्वेदी और आशुतोष मौर्य शामिल थे। इस घटनाक्रम के बाद सपा ने मनोज पांडेय, अभय सिंह, राकेश प्रताप सिंह और पूजा पाल को पार्टी से निष्कासित कर दिया था। अब बदलते राजनीतिक समीकरणों के बीच सपा नेतृत्व रणनीतिक रूप से संगठन को मजबूत करने और असंतुष्ट नेताओं को साधने की दिशा में कदम बढ़ाता दिख रहा है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही यह संकेत दे चुके हैं कि संगठन सर्वोपरि है और जो भी पार्टी की विचारधारा और अनुशासन को स्वीकार करेगा, उसके लिए दरवाजे बंद नहीं हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राज्यसभा चुनाव से पहले सपा का यह कदम विपक्षी एकजुटता और संगठनात्मक मजबूती की दृष्टि से अहम साबित हो सकता है।

तिहरे हत्याकांड के दोषी को सुनाई फांसी की सजा

■ 10 हजार रुपये अर्थदण्ड, उच्च न्यायालय के आदेश पर पुन: सुनवाई के बाद पारित किया अदालत ने निर्णय

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। अपर सत्र न्यायाधीश टिहरी गढ़वाल नसीम अहमद की अदालत ने गजा तहसील के ग्राम गुमालगांव में हुए बहुचर्चित और हृदयविदारक तिहरे हत्याकांड में अहम फैसला सुनाते हुए हत्यारे संजय सिंह की फांसी की सजा को बरकरार रखा है। पूर्व में इसी अदालत ने चौबीस अगस्त दो हजार इक्कीस को इस जघन्य अपराध के लिए हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई थी जिसके बाद मृत्युदंड को पुष्ट करने के लिए पत्रावली नैनीताल हाईकोर्ट भेजी गई थी।

हाईकोर्ट ने 10 मई 2022 को मामले में सुनवाई करते हुए निचली अदालत के फैसले को अपास्त कर पत्रावली को पुन: विचारण के लिए वापस भेज दिया था। अदालत के आदेश पर हत्यारे का गहन मानसिक परीक्षण कराया गया जिसमें चिकित्सकों की रिपोर्ट के आधार पर उसे ट्रायल के लिए पूरी तरह से फिट पाया गया। इसके बाद मेडिकल फिटनेस और अन्य सभी मजबूत साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने एक बार फिर हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई है।

सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी बेणीमाधव शाह व स्वराज्य पंवार ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि तेरह दिसंबर दो हजार चौदह को हत्यारे संजय सिंह ने अपने ही परिवार को खौफनाक मौत दी थी। घटना वाले दिन उसने सबसे पहले जंगल में जाकर अपनी गर्भवती भाभी कांता देवी की निर्मम हत्या की और उसके बाद गांव में आकर अपनी मां मीना देवी तथा सगे भाई सुरेंद्र सिंह को भी तलवार से बेरहमी से काट डाला। हत्यारा अपने पिता राम सिंह पंवार की भी हत्या करने की फिराक में था लेकिन सौभाग्यवश वह उस समय बाजार गए हुए थे जिससे उनकी जान बच गई। हालांकि घटना के करीब दो महीने बाद ही इस गहरे सदमे को बर्दाश्त न कर पाने के कारण पिता राम सिंह की भी मौत हो गई थी। इस भीषण तिहरे हत्याकांड से में दहशत का माहौल बन गया था और गांव वाले भी सहमे हुए थे। हत्या की इस खौफनाक वारदात को अंजाम देने के बाद हत्यारा अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक और खून से सनी तलवार लेकर घर के एक कमरे में छिप गया और खुद को अंदर से बंद कर लिया। सूचना मिलने पर जब पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो हत्यारे ने बाहर आने से साफ इंकार कर दिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पुलिस को भारी मशक्कत करनी पड़ी और कमरे के अंदर आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े जिसके बाद ही हत्यारा पुलिस की गिरफ्त में आ सका। पुलिस ने घटना की गहन जांच कर आईपीसी की विभिन्न धाराओं में आरोप पत्र कोर्ट में पेश किया था। पुन: विचारण के दौरान हत्यारे ने सभी आरोपों से इंकार किया लेकिन अभियोजन पक्ष ने 04 मई 2023 को जो ठोस साक्ष्य अदालत के पटल पर रखे वह उसे फांसी के फंदे तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त थे। अभियोजन और बचाव पक्ष की लंबी दलीलें सुनने के बाद अदालत ने बीती बीस फरवरी को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था और मंगलवार को अंतिम निर्णय पारित करते हुए हत्यारे को मृत्युदंड तथा 10,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को किया गिरफ्तार

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने दुष्कर्म के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के खिलाफ श्रीनगर कोतवाली में विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया है। पुलिस उपाधीक्षक अनुज कुमार ने बताया कि बीते 15 फरवरी को पीडिता के भाई ने कोतवाली पहुंचकर अपनी बहन के साथ दुष्कर्म किए जाने की तहरीर दी थी। बताया कि तहरीर में बताया गया कि उसकी बहन जो कि मानसिक रुप से कमजोर है को युवक बहला फुसलाकर काली कमली धर्मशाला श्रीनगर में ले गया। जहां उसका दुष्कर्म करने का प्रयत्न किया गया।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए युवक के खिलाफ मुक. दमा दर्ज किया। बताया कि युवक कि पहचान मनीष चन्द्र (35) पुत्र स्व. कुशलानन्द मनोरी निवासी ग्राम मनोड़ा पोओ नारायणबगढ़ थाना थराली जनपद चमोली के रूप में हुई है। बताया कि काली कमली धर्मशाला से भागने के प्रयास में कूदने पर युवक के दोनों पैर फ्रैक्चर हो जाने के कारण उपचार के चलते बेस अस्पताल श्रीकोट में भर्ती किया गया।

लोककला के संवर्धन के लिए सरकार प्रतिबद्ध: सीएम

■ चंपावत में खड़ी होली महोत्सव का भव्य शुभारम्भ, मुख्यमंत्री धामी ने संस्कृति संरक्षण का दोहराया संकल्प
■ कुमाऊँ की लोकपरंपराओं को सहेजने का संदेश, खड़ी-बैठकी होली को बताया सामाजिक समरसता की पहचान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चंपावत में कलश संगीत कला समिति द्वारा आयोजित खड़ी होली महोत्सव का वर्चुअल माध्यम से विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कुमाऊँ की समृद्ध लोकसंस्कृति, परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कुमाऊँ अंचल की खड़ी होली एवं बैठकी होली केवल एक पर्व या सांस्कृतिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि यह हमारी समृद्ध लोकसंस्कृति, पारंपरिक लोक. संगीत और सामाजिक समरसता की सजीव अभिव्यक्ति हैं। उन्होंने कहा कि पीढ़ी दर पीढ़ी चली आ रही यह परंपरा हमारी लोक आस्था, सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक एकता को सशक्त बनाती आई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य करते हैं। होली के पारंपरिक गीतों, वाद्ययंत्रों और सामूहिक सहभागिता से परिपूर्ण यह उत्सव लोगों को बचपन की मधुर स्मृतियों से जोड़ता है और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से परिचित कराने का माध्यम बनता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार लोककला, लोकभाषा और लोक संस्कृति के संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रदेश में विभिन्न सांस्कृतिक आयोजनों, मेलों एवं महोत्सवों को प्रोत्साहन देकर स्थानीय कलाकारों को मंच प्रदान किया जा रहा है। इससे न केवल सांस्कृतिक विरासत सशक्त हो रही है, बल्कि स्थानीय कलाकारों को भी नई पहचान और अवसर प्राप्त हो रहे हैं। सीएम ने विश्वास व्यक्त किया कि इस प्रकार के आयोजन प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे तथा सामाजिक सौहार्द और सामूहिकता की भावना को और अधिक सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि कलश संगीत कला समिति द्वारा इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र की सांस्कृतिक समृद्धि को संरक्षित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, जनप्रतिनिधि, कलाकार एवं सांस्कृतिक प्रेमी उपस्थित रहे।

एसडीएमपी व डीडीएमपी जल्द जारी होंगी

■ सचिव आपदा प्रबंधन विनोद सुमन ने की प्रगति की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्य में आपदा जोखिम न्यूनीकरण को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा राज्य आपदा प्रबंधन योजना एवं जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं को अद्यतन किए जाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इस संबंध में मंगलवार को सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजनाओं के अद्यतन कार्य की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

बैठक में अवगत कराया गया कि राज्य तथा जनपद आपदा प्रबंधन योजनाओं का कार्य लगभग अंतिम चरण में हैं और शीघ्र ही इन्हें प्रकाशित किया जाएगा। सचिव आपदा प्रबंधन ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों, बदलते जलवायु परिदृश्य, नई तकनीकों के समावेशन तथा पूर्व में घटित आपदाओं से प्राप्त अनुभवों को ध्यान में रखते हुए एसडीएमपी एवं डीडीएमपी को समय-समय पर अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि अद्यतन योजनाओं में जोखिम मूल्यांकन, संसाधन मैपिंग, त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र, प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली, सामुदायिक सहभागिता तथा विभागीय समन्वय को और अधिक प्रभावी बनाया जा रहा है, जिससे आपदा के समय त्वरित एवं समन्वित कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके। साथ ही, योजनाओं को फील्ड स्तर पर अधिक व्यावहारिक एवं क्रियान्वयन योग्य बनाने पर विशेष बल दिया जा रहा है। बैठक में अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी क्रियान्वयन डीआईजी राजकुमार नेगी, वित्त नियंत्रक अभिषेक कुमार आनंद, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो. ओबैदुल्लाह अंसारी आदि मौजूद रहे।

किसान अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ व पर्यावरण के संरक्षक

■ कृषि मंत्री जोशी ने किया देवभूमि उत्तराखंड विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित कृषि कुम्भ में प्रगतिशील किसानों को सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को देवभूमि उत्तराखण्ड विश्वविद्यालय प्रेमनगर द्वारा आयोजित 'कृषि कुम्भ-2026' के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने मेले में लगाए गए विभिन्न कृषि, बाग. वानी एवं नवाचार आधारित स्टालों का अवलोकन किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। साथ ही मंत्री जोशी ने कृषि वानिकी पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया।

अपने संबोधन में कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और गाँवों की आत्मा हमारे किसान हैं। किसान केवल अन्नदाता ही नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था के सशक्त स्तंभ, पर्यावरण के संरक्षक और संस्कृति के संवाहक भी हैं। उन्होंने कहा कि जब विश्व खाद्य सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन और सतत विकास जैसी चुनौतियों का सामना कर रहा है, तब भारतीय किसान अपनी मेहनत, नवाचार और संकल्प से समाधान प्रस्तुत कर रहा है।

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश के किसानों ने जैविक खेती, बागवानी, औषधीय पौधों, श्री अन्न (मिलेट्स), मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन एवं पशुपालन के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि "किसान मेला" केवल प्रदर्शनी नहीं, बल्कि ज्ञान, अनुभव और नवाचार का संगम है, जहाँ किसान, वैज्ञानिक, छात्र और उद्यमी एक मंच पर संवाद कर कृषि के भविष्य की दिशा तय करते हैं। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि शिक्षा और खेत के बीच की दूरी जितनी कम होगी, कृषि उतनी ही प्रगति करेगी। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक, सटीक खेती, मिट्टी परीक्षण, स्मार्ट सिंचाई, जैव उर्वरक एवं डिजिटल मार्केटिंग आधुनिक कृषि के महत्वपूर्ण आयाम हैं। कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे राज्य में जैविक उत्पादों की ब्रांडिंग, मंडुवा और झंगोरा जैसे मोटे अनाज का प्रसंस्करण, हर्बल उत्पाद, फल प्रसंस्करण, शहद एवं मशरूम उद्योग में अपार संभावनाएँ हैं। राज्य सरकार स्टार्टअप, मुद्रा योजना, आत्मनिर्भर भारत अभियान और कृषि आधारित उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए वित्तीय एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रही है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से आह्वान किया कि वे केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार सृजित करने वाले बनें और कृषि को उद्यम के रूप में अपनाकर राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. अजय कुमार, रितिका मेहरा, अमन बंसल, पूर्व पार्षद मंजीत रावत सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं, कृषक व शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री के नेतृत्व में एक्सपोजर विजिट पर जाएंगे विधायक-अधिकारी

■ दिल्ली व आंध्र प्रदेश में शिक्षा से जुड़ी सफल योजनाओं का करेंगे अध्ययन

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। सूबे के उच्च शिक्षा एवं विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत की अध्यक्षता में विधायकों व संबंधित विभागीय अधिकारियों का एक प्रतिनिधिमंडल विभिन्न राज्यों में एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। अध्ययन भ्रमण के तहत दिल्ली में विद्यालयी शिक्षा जबकि आंध्र प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में संचालित विभिन्न सफल योजनाओं एवं नवाचारों का अध्ययन किया जायेगा, ताकि भविष्य में प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में बेहतर योजनाओं को लागू किया जा सके।

कैबिनेट मंत्री डॉ. रावत ने मीडिया को जारी एक बयान में बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के समग्र विकास को लेकर निरंतर प्रयासरत है और समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति को केन्द्र में रखकर योजनाएं बनाई जा रही है ताकि प्रत्येक व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि अन्य राज्यों में लागू सफल शिक्षा मॉडल का अध्ययन के लिये सरकार द्वारा विधायकों व अधिकारियों को एक्सपोजर विजिट पर भेजने का निर्णय लिया गया है, ताकि ऐसी योजनाओं को प्रदेश में लागू कर सरकारी विद्यालयों व उच्च शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता एवं दक्षता में सुधार किया जा सके।

इसी कड़ी में विद्यायली शिक्षा के अंतर्गत डा. रावत की अध्यक्षता में पांच सदस्यीय विधायक व अधिकारियों का दल दिल्ली के एक्सपोजर विजिट पर जायेगा। जिसके लिये सरकार द्वारा धर्मपुर विधायक विनोद चमोली, हरिद्वार ग्रामीण विधायक अनुपमा रावत, खानपुर विधायक उमेश कुमार सहित विद्यालयी शिक्षा सचिव रविनाथ रमन व महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा दीप्ती सिंह को नामित किया गया है। यह दल दिल्ली सरकार द्वार शिक्षा के क्षेत्र में संचालित सफल योजनाओं, सरक. ारी स्कूलों में गुणवत्ता एवं दक्षता सुधार तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं का अध्ययन करेगा।

इसी प्रकार उच्च शिक्षा के अंतर्गत विभागीय मंत्री डा. रावत की अध्यक्षता में विधायकों व विभागीय अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल आंध्र प्रदेश जायेगा। यह दल वहां उच्च शिक्षा के क्षेत्र में किये गये नवाचारों, आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रमों एवं विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों का अध्ययन करेगा। भ्रमण के दौरान दल आंध्र प्रदेश राज्य कौशल विकास निगम (एपीएसएसडीसी) का दौरा करेगा, जहां पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, क्लाउड तथा अन्य आधुनिक तकनीकों में 4 लाख छात्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा रतन टाटा इनोवेशन हब अमरावती, एनवीडिया आंध्र प्रदेश यूनिवर्सिटी तथा क्वांटम वैली का भी अध्ययन भ्रमण किया जायेगा। इस दल के लिये टिहरी विधायक किशोर उपाध्याय, चकराता विधायक प्रीतम सिंह तथा यमुनोत्री विधायक संजय डोभाल सहित उच्च शिक्षा सचिव डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा तथा निदेशक आईटीडीए आलोक पाण्डेय को नामित किया गया है। डॉ. रावत ने बताया कि एक्सपोजर विजिट की तिथि शीघ्र निर्धारित की जायेगी।

वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन

कालसी। क्रिसिल फाउंडेशन द्वारा संचालित मनी वाइज सीएफएल प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्राम कोठा तरली, विकासखंड कालसी में एक वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान बचत एवं निवेश के महत्व, डिजिटल लेन-देन की सुरक्षित प्रक्रिया, साइबर धोखाधड़ी से बचाव के उपाय तथा के वाई सी से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की गई। उपस्थित ग्रामीणों को वित्तीय सेवाओं का सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के एलडीओ रजनीश सैनी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ ग्राम प्रधान, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, एएम आशुतोष, सीबीओ अंकित मिश्रा, सीएम शूरवीर, एफसी आनन्द आदि मौजूद रहे।

दो किलो चरस और डोडा पोस्त के साथ तस्कर गिरफ्तार

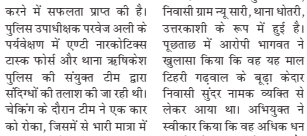

■ ऋषिकेश में एसटीएफ और स्थानीय पुलिस की संयुक्त कार्रवाई
■ उत्तरकाशी का आरोपी चढ़ा हत्थे

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के 'ड्रग्स फ्री देवभूमि' अभियान को सफल बनाने के लिए एसटीएफ ने कमर कस ली है। इसी कड़ी में एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह के निर्देशन में एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने सप्ताह के भीतर नशे के सौदागरों पर दूसरा बड़ा प्रहार किया है।

टीम ने ऋषिकेश क्षेत्र में एक संयुक्त अभियान के दौरान भारी मात्रा में नशीले पदार्थों के साथ एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस उपाधीक्षक परवेज अली के पर्यवेक्षण में एण्टी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और थाना ऋषिकेश पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा संदिग्धों की तलाश की जा रही थी। चेकिंग के दौरान टीम ने एक कार को रोका, जिसमें से भारी मात्रा में नशीला पदार्थ बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से 2 किलो 180 ग्राम अवैध चरसऔर 5 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामद किया।पकड़े गए अभियुक्त की पहचान भागवत पुत्र नारायण, निवासी ग्राम न्यू सारी, थाना धोतरी, उत्तरकाशी के रूप में हुई है। पूछताछ में आरोपी भागवत ने खुलासा किया कि वह यह माल टिहरी गढ़वाल के बूढ़ा केदार निवासी सुंदर नामक व्यक्ति से लेकर आया था। अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वह अधिक धन कमाने के लालच में दून और ऋषिकेश के शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय क्षेत्रों में इसे ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में था।

चुनावी आहट से पहले राजस्व ग्राम की हितैषी बन रही कांग्रेस का प्रदर्शन राजनैतिक: चौहान

■ कहा, बिंदुखत्ता सहित अन्य क्षेत्रों पर जल्दी होगा फैसला

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा ने गोठ, खत्तों को लेकर कांग्रेस के समर्थन और प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित बताते हुए कहा कि चुनाव की आहट से पूर्व कांग्रेस की सक्रियता उनका दिखावे का समर्थन है और उसकी मंशा नही दुष्प्रचार का वातावरण निर्मित करना है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान ने कहा कि बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने के लिए कसरत अंतिम चरण में है। जल्दी ही कैबिनेट मे इस पर निर्णय लिया जायेगा।

उन्होंने कहा कि इन राजस्व ग्रामों को लेकर पूर्व मे कांग्रेस की डबल इंजन सरकार वहाँ के निवा. सियों को छलती रही है, लेकिन जमीन पर उनकी सुविधाओं के लिए कोई कार्य नही किया गया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी, 2014 के बाद अब तक लगभग 3 करोड़ गरीब परिवारों के लिए आवास बनवा चुके है, इसलिए विपक्ष की चिंता पूरी तरह राजनैतिक है। उन्होंने पूर्व सीएम हरीश रावत के नेतृत्व में होने वाले इस धरना प्रदर्शन को कांग्रेस की गुटीय प्रतिस्पर्धा बताया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि सामान मुद्दों पर कांग्रेस पार्टी के अलग-अलग धडे, अपने अपने आंदोलन कर जनमानस की दिनचर्या को बाधित करने में लगे हैं।

कांग्रेस पार्टी आज इतनी कमजोर हो गई है कि उन्हें प्रदर्शन करने के लिए राज्य आंदोलन द्रोहियों की मदद लेनी पड़ रही है। 2014 के बाद से लोकसभा विधानसभा निकाय पंचायत सभी चुनाव में बार-बार करारी शिकस्त के बाद वे कदर हताश हो गई है कि निराशा में किसी का भी साथ लेने को तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में ग्राम समाज व सरकारी भूमि पर बसे लोगों की चिंता हम सबको है।

677.75 करोड़ की वार्षिक कार्ययोजना को मिली मंजूरी

■ ग्रामीण वेग वृद्धि परियोजना की उच्चाधिकार एवं मार्गदर्शन समिति की बैठक

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में ग्रामीण वेग वृद्धि परियोजना की उच्चाधिकार एवं मार्गदर्शन समिति की बैठक आयोजित हुई।

बैठक में सचिव डी.एस. गर्ब्याल द्वारा वर्ष 2025-26 की वार्षिक कार्ययोजना के सापेक्ष प्रगति एवं अनुपालन रिपोर्ट तथा वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रस्तावित वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट का प्रस्तुतीकरण किया गया।

समिति ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 677.75 करोड़ रुपये की वार्षिक कार्ययोजना एवं बजट को अनुमोदित किया। प्रस्तावित कार्ययोजना में स्वरोजगार, आजीविका संवर्धन, आय सृजन गतिविधियों, स्थानीय संसाधन विकास, कृषि एवं सहायक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने संबंधी कार्यक्रमों को वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई।इस दौरान बैठक में अपर सचिव गिरधारी सिंह रावत, नवनीत पांडेय, झरना कमठान व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

समान प्रकृति के स्वयं सहायता समूहों की पहचान, महिला किसान वर्ष 2026 पर विशेष रणनीति: मुख्य सचिव ने समान कार्य प्रकृति वाले महिला स्वयं सहायता समूहों की पहचान कर उन्हें आजीविका एवं स्वरोजगार की दृष्टि से बेहतर सहयोग देने की रणनीति तैयार करने को कहा। वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष के रूप में देखते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि 'लखपति दीदी' योजना के अंतर्गत महिलाओं को विशेष वित्तीय, तकनीकी, पूंजीगत एवं संस्थागत प्रोत्साहन उपलब्ध कराने की विस्तृत कार्ययोजना बनाई जाए। सभी जनपदों में स्वयं सहायता समूहों एवं हितधारकों के साथ समन्वय बैठकें आयोजित कर उनके मुद्दों को समझते हुए समाधान आधारित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

अनउपयोगी ग्रोथ सेंटर होंगे सक्रिय, पलायन रोकथाम पर फोकस: मुख्य सचिव ने ग्रामीण क्षेत्रों में ऐसे ग्रोथ सेंटर की पहचान करने के निर्देश दिए, जिनका समुि. चत उपयोग नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इन अनउपयोगित ग्रोथ सेंटरों को 'हाउस ऑफ हिमालय' के माध्यम से प्रभावी रूप से उपयोग में लाने हेतु ठोस योजना तैयार की जाए। वर्ष 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष घोषित किए जाने के परिप्रेक्ष्य में इस वित्तीय वर्ष महिला सशक्तिकरण पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

2.5 लाख 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य

मुख्य सचिव ने वर्ष 2026-27 के लिए 2.5 लाख महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया। उन्होंने निर्देश दिए कि रिप परियोजना से लाभान्वित महिलाओं को अन्य विभागीय एवं केंद्र/राज्य योजनाओं से भी जोड़ा जाए तथा सभी योजनाओं का समेकित विवरण संकलित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लाभार्थियों के आर्थिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण हेतु विभिन्न योजनाओं के साथ प्रभावी कन्वर्जेंस सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण परिवारों को सतत रूप से ऊपर उठाने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करने और गहन होमवर्क करने के निर्देश भी दिए गए।

सादगी:बस में सवार होकर जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने किया बदरीनाथ हाईवे का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली।चारधाम यात्रा 2026 की तैयारियों को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने बस में सवार होकर कमेड़ा से बदरीनाथ धाम तक हाईवे का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बदरीनाथ हाईवे के साथ ही यात्रा मार्गों पर पेयजल, शौचालय, पंजीकरण, स्वास्थ्य, पार्किंग, स्ट्रीट लाइट आदि व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को यात्रा से पूर्व सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंध करने के निर्देश दिए।

चमोली जनपद में स्थित श्री बदरीनाथ धाम की यात्रा इस वर्ष 23 अप्रैल 2026 से शुरु होगी। जिसे लेकर चमोली जिला प्रशासन की ओर से तीर्थयात्री सुविधाओं को जुटाने का कार्य युद्ध स्तर पर शुरु कर दिया गया है। जिसके तहत

मंगलवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार और पुलिस अधीक्षक सुरजीत सिंह पंवार ने जनपद में पड़ने वाले बदरीनाथ हाईवे के 160 किलोमीटर हिस्से का कमेड़ा से बदरीनाथ धाम तक स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने एनएचआईडीसीएल के अधिकारियों को यात्रा मार्ग के खतरनाक स्थानों पर फ्लड लाइट लगवानेष् भूस्खलन क्षेत्रों से पूर्व साइन बोर्ड स्थापित करने और हाईवे पर सुरक्षा को लेकर सभी इंतजाम पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्थलीय निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने हाईवे संचालित निर्माण कार्यों का जायजा लेते हुए अधिग्रहित भूमि पर अतिक्रमण की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को हाईवे पर पड़े मलवे का भी शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने हाईवे के संवेदनशील क्षेत्रों का चिन्हीकरण कर शीघ्र सुधारीकरण और सुरक्षा कार्य करवाने के भी आदेश दिए।

जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर पेयजल व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए जल संस्थान और पेयजल निगम के अधिकारियों को हैंडपंप के साथ ही यात्रा मार्ग पर स्थापित वाटर एटीएम की सफाई करते हुए यात्रा से पूर्व सभी संचालन शुरु करने के आदेश दिए। जिलाधिकारी ने यात्रा पड़ावों के साथ ही हाईवे पर बने शौचालयों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने नगर पालिका, नगर पंचायत, जिला पंचायत और सुलभ इंटरनेशनल के अधिकारियों को कार्य में तेजी लाते हुए सभी शौचालयों में पानी व अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया। स्वास्थ्य विभाग को यात्रा मार्ग पर जांच केंद्र स्थापित करने के साथ ही सभी चिकित्सालयों की व्यवस्थाओं को दुरुस्त करते हुए दवाइयों का भंडार यात्रा शुरू होने से पूर्व करने और सभी चिकित्सालयों और स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सक व अन्य मेडिकल स्टाफ की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी को दिए।

इस मौके पर उप जिलाधिकारी कर्णप्रयाग सोहन सिंह रांगड, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. अभिषेक गुप्ता, परियोजना प्रबंधक एनएचआईडीसीएल अंकित राणा, जिला पर्यटन अधिकारी अरविंद गौड़, आपदा प्रबंधन अधिकारी एनके जोशी, जिला पूर्ति अधिकारी अंकित पांडेय एनएचआई,बीआरओ के अधिकारी, सहित सभी विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

वैज्ञानिक प्रो. आरसी रमोला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। परमाणु ऊर्जा अनुसंधान केंद्र मुंबई के तत्वावधान में आयोजित एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन में उत्तराखंड और विशेषकर टिहरी जिले का नाम एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है।

नेशनल कांफ्रेंस आन एनवायरनमेंटल रेडान एंड इट्स एप्लिकेशंस नामक इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर बादशाहीथौल के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आरसी रमोला को उनके अद्वितीय और सुदीर्घ योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में दशकों तक समर्पित रहने वाले प्रो आरसी रमोला को लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड फार एक्सीलेंस इन रेडान रिसर्च के सर्वोच्च सम्मान से नवाजा गया है। यह पुरस्कार उनके द्वारा किए गए निरंतर और उत्कृष्ट शोध कार्यों का एक बड़ा और राष्ट्रीय प्रमाण है।बीती इक्कीस फरवरी को मुंबई में आयोजित इस भव्य वैज्ञानिक समागम में प्रो आरसी रमोला ने रेडान और थोरान अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी गहरी विशेषज्ञता का शानदार प्रदर्शन किया।

सम्मेलन के दौरान उन्हें एक विशेष और आमंत्रित वक्ता के रूप में अपना शोध पत्र और विचार प्रस्तुत करने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्होंने भारत में रेडान और थोरान मानिटरिंग का राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विषय पर एक अत्यंत सारगर्भित और ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया जिसमें देशभर से आए शीर्ष वैज्ञानिकों ने गहरी रुचि दिखाई। अपने इस महत्वपूर्ण संबोधन में उन्होंने पर्यावरण की निरंतर बदलती स्थिति की बारीकी से निगरानी करने तकनीकी क्षेत्र में आने वाली विभिन्न जटिल चुनौतियों और इन सभी का आम जनमानस के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले सीधे प्रभावों के अहम पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके साथ ही उन्होंने सम्मेलन के दौरान एक प्रमुख तकनीकी सत्र की सफलतापूर्वक अध्यक्षता भी की जो उनके व्यापक वैज्ञानिक अनुभव को दर्शाता है।

वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रो आरसी रमोला का संपूर्ण शोध कार्य मुख्य रूप से हिमालयी क्षेत्रों की कठिन और विशिष्ट भौगोलिक परिस्थितियों में रेडान गैस की सटीक माप और उससे जुड़े स्वास्थ्य जोखिमों के वैज्ञानिक आंकलन पर केंद्रित रहा है। उनके द्वारा किए गए इन गहन अध्ययनों से न केवल पर्यावरण विज्ञान को नई दिशा मिली है बल्कि पर्वतीय और दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के सुरक्षित भविष्य के लिए भी महत्वपूर्ण वैज्ञानिक आंकड़े जुटाए गए हैं। लंबे समय से गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय के बादशाहीथौल टिहरी परिसर में अपनी सेवाएं दे रहे प्रो आरसी रमोला की इस असाधारण और ऐतिहासिक उपलब्धि से पूरे उत्तराखंड राज्य में खुशी की लहर है।

खाद्य सुरक्षा विभाग ने किया होटलों का औचक निरीक्षण

25 नमूने किए एकत्र, दो दुकानदारों को नोटिस जारी किया

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। रंगों के पर्व होली को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मिलावट खोरी पर अंकुश लगाने के लिए मंगलवार को श्रीनगर में विशेष अभियान चलाया। त्योहार के मद्देनजर शहर के विभिन्न मिठाई की दुकानों, होटलों पर निरीक्षण कर जांच के लिए सैंपल एकत्र किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी के सिविल जज नाजिश कलीम के देखरेख में खाद्य सुरक्षा विभाग एवं औषीधय विभाग की टीम ने बाजार क्षेत्र में पहुंचकर मिठाई, खोया, गुजिया, चिप्स आदि की गुणवत्ता के नमने लेकर उन्हें प्रयोगशाला परीक्षण के लिए भेजा गया। साथ ही उन्होने औषधीय विभाग की टीम ने भी मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी संदीप मिश्रा ने बताया कि होली के पर्व को देखते हुए श्रीनगर में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि विभाग की टीम ने छापेमारी की। बताया कि निरीक्षण के दौरान एक दर्जन से अधिक दुकानों से रबड़ी, मावा, नमकीन, कुरकुरा मसाला, गुजिया, चिप्स, मिलक केक के 25 सैंपल लिए गये। बताया कि सभी सैंपलों को प्रयोगशाला में भेजा जायेगा। बताया कि दुकानों और होटलों पर गंदगी मिलने पर दो को सुधार सूचाना नोटिस जारी किया गया है। इस मौके पर सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारी पीसी जोशी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रचना, उपेंद्र कुमार, ड्रग इंस्पेक्टर सीमा बिष्ट, उप जिला संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. विमल गुसांई, विजय कैंतुरा सहित आदि मौजूद थे।

राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण को लेकर डीएम की बैठक

तीन नए नामों को मिली संस्तुति एसडीएम और पुलिस रिपोर्ट के आधार पर समिति ने दी मंजूरी, कई अन्य प्रकरणों पर भी बनी सहमति

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद में उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया को तेज कर दिया गया है। इसी क्रम में बीते सोमवार को जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में चिन्हीकरण समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में राज्य आंदोलनकारियों के लंबित आवेदनों पर गहनता से विचार-विमर्श किया गया और प्रशासन व पुलिस की रिपोर्ट के

आधार पर कई पात्र लोगों के नामों पर मुहर लगाई गई।

बैठक के दौरान समिति के समक्ष प्रस्तुत कुल आवेदनों में से तीन नए आवेदनों पर उपजिलाधिकारी (एसडीएम) और पुलिस विभाग की स्पष्ट संस्तुति के क्रम में चयन हेतु संस्तुति प्रदान की गई। इन तीनों नामों पर जिलाधिकारी एवं समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया गया। इसके अतिरिक्त, जिन प्रकरणों में समिति द्वारा पूर्व में पुलिस सत्यापन की संस्तुति की गई थी, उन पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) देहरादून से जांच के उपरांत प्राप्त आवेदनों पर भी जिलाधिकारी और समिति के सदस्यों द्वारा सहमति जताते हुए अपनी संस्तुति प्रदान कर दी गई।बैठक में प्राप्त अन्य आवेदनों पर भी विस्तार से चर्चा और विचार-विमर्श किया गया। समिति द्वारा तहसील नैनबाग के ग्राम कसोन, पट्टी छैज्यूला निवासी सुरेंद्र सिंह के प्रकरण में यह निर्णय लिया गया कि अगली बैठक में संबंधित व्यक्ति द्वारा विधिवत शपथ पत्र (एफिडेविट) प्रस्तुत करने के उपरांत ही उनके नाम पर अंतिम संस्तुति प्रदान की जाएगी।

इस अहम बैठक में मतेंद्र दत्त बहुगुणा, संजय सजवान, हरिकृष्ण कांसवाल, मुकुल देव, नीतीश कुड़ियाल, शाकम्बरी देवी, कांति कपरान, विजय लक्ष्मी, मनोरमा उनियाल, पूर्णिमा पंवार, नत्थी लाल नौटियाल, सावित्री नौटियाल और सुखदेव बडोनी आदि के प्रकरणों पर भी विचार किया गया जिस पर समिति के सभी सदस्यों ने अपनी सहमति प्रदान की। इस अवसर पर समिति के सदस्य देवी सिंह पंवार, लोकेंद्र दत्त जोशी, मुरारी लाल, सतेंद्र भट्ट, पुरुषोत्तम बिष्ट, कुंवर सिंह चौहान, धीरज सिंह राणा सहित स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग के प्रतिनिधि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

एक नजर .....

पारंपरिक बैठकी होली में खूब जमाए रंग

श्रीनगर। शहर में पारंपरिक बैठकी होली की धूम के साथ रंगोत्सव का शुभारंभ हो गया। संगीत और सुरों की मधुर संगत के बीच होल्यारों ने शास्त्रीय रागों पर आधारित होली गीत प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय और रंगमय बना दिया। नगर निगम क्षेत्र के घसियामहादेव स्थित टीचर्स कालॉनी में हुए होली मिलन कार्यक्रम में पूर्व राज्य मंत्री दर्जाधारी व नगर पालिका श्रीनगर के पूर्व अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी ने पारम्परिक होली गीतों का गायन कर बैठकी होली को जीवंत कर दिया। वरिष्ठ रंगकर्मी विमल प्रसाद बहुगुणा ने होली गायन प्रस्तुत कर दर्शको को मंत्रमुग्ध किया। गढ़वाल विवि के लोक कला निष्पादन केंद्र के उपनिदेशक डॉ. सुभाष पाण्डेय और लता पाण्डेय ने श्रेष्ठतम होली गीतो का गायन कर होली के उत्साह को चरमोत्कर्ष पर पहुंचा दिया। मौके पर गीतकार वीरेन्द्र रतूड़ी, मदन लाल डंगवाल, जय कृष्ण पैन्यूली, अजय प्रकाश चौधरी आदि ने एक से बढ़कर एक गायन प्रस्तुत कर महफिल को रंगीन बना दिया। इस अवसर पर आयोजक कवि नीरज नैथानी, डॉ. आरपी थपलियाल, कटकेश्वर महादेव के महंत महेश गिरि, आरपी कपरुवाण, हीरामणि काला, मीनाक्षी चमोली, हेम चन्द्र ममगाईं, माधुरी नैथानी, अनीता नौडियाल, कौशल्या नैथानी, पूनम थपलियाल, देवेन्द्र उनियाल सहित आदि मौजूद थे।

सर्वाजनिक स्थानों पर गंदगी फैलने पर की चालानी कार्रवाई

श्रीनगर। नगर निगम श्रीनगर क्षेत्रांर्गत खुले में कूडे फेंकने और होटल के गंदा पानी को सार्वजनिक रास्तों पर छोडे जाने पर निगम प्रशासन ने दो होटल संचालकों के खिलाफ कार्यवाही की है। सर्वाजनिक स्थानों पर कूडा फेंकने पर नगर निगम प्रशासन सख्त रूख अपना रहा है। बताते चले कि नगर निगम श्रीनगर शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाये जाने को लेकर प्रयास कर रहा है। साथ ही लगातार कूडे को कूडे वाहन में डालने की अपील कर रहा है, लेकिन अधिकांश जगहों पर लोग सर्वाजनिक स्थानो पर कूड़ा डालते हुए दिख रहें है। नगर निगम के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि कूडे को राष्ट्रीय राजमार्ग पर सर्वजनिक स्थानों पर फेंके जाने पर एक होटल संचालक के खिलाफ एंटी लिटरिंग एक्ट के तहत चालानी कार्यवाही कर दस हजार रूपये का अर्थदंड वसूला गया है। जबकि एक हटोल संचालक द्वारा होटल का गंदा पानी सार्वजनिक रास्तों पर छोडे जाने कि शिकायत मिल रही थी। जिसका संज्ञान लेते हुए निगम प्रशासन ने होटल संचालक के खिलाफ फिकल स्लज मैनेजमेंट एक्ट के तहत कार्यवाही कर दस हजार रूपये का अर्थदंड वसूला गया है।

अकरी-बारजुला पट्टी में सीएचसी खुलवाने की मांग

श्रीनगर। डागर पट्टी संघर्ष समिति ने राजकीय इंटर कॉलेज पिपलीधार डागर सहित अन्य राजकीय इंटर कॉलेजों में गणित एवं वाणिज्य विषय पर शिक्षकों को नियुक्त किए जाने की मांग की है। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मिले डागर पट्टी संघर्ष समिति के संयोजक गौरव राणा ने राइंका पिपलीधार सहित अन्य विद्यालयों में गणित एवं वाणिज्य विषय पर शिक्षकों के पद खाली पडे हुए है। शिक्षक न होने के चलते छात्र-छात्राओं को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होन जल्द से विद्यालयों में गणित एवं वाणिज्य विषय में शिक्षकों की भर्ती किए जाने की मांग की है। साथ ही विकासखंड कीर्तिनगर के डागर पट्टी एवं अकरी-बारजुला पट्टियों में एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुलवाने की मांग भी की। गौरव राणा ने बताया कि कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत मामले में ने मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी टिहरी को प्रस्ताव भेजने के लिए निर्देश दिए है।

एसएसपी ने किया पुलिस कार्यालय की महत्वपूर्ण शाखाओं का सघन वार्षिक निरीक्षण

एलआईयू आरटीआई और महिला हेल्पलाइन के अभिलेखों की गहन जांच कर दिए नियमित अपडेट के निर्देश,महिला शिकायतों के त्वरित निस्तारण और अदालती आदेशों के सख्ती से पालन पर एसएसपी का विशेष जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने पुलिस कार्यालय की कई महत्वपूर्ण शाखाओं का सघन वार्षिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मुख्य रूप से स्थानीय अभिसूचना इकाई एलआइयू सूचना का अधिकार आरटीआइ रिट सेल और महिला हेल्पलाइन शाखा के कामकाज का बारीकी से जायजा लिया। एसएसपी ने इन सभी

शाखाओं में मौजूद रजिस्टरों और महत्वपूर्ण सरकारी अभिलेखों का गहनता के साथ परीक्षण करते हुए कर्मचारियों को विभागीय दस्तावेजों को नियमित रूप से अद्यतन रखने के सख्त निर्देश दिए ताकि पुलिस कार्यप्रणाली में पूरी तरह से पारदर्शिता और तेजी बनी रहे।

कार्यालय के सुचारू संचालन को लेकर एसएसपी ने पुलिस मुख्यालय और संबंधित आयोगों द्वारा समय-समय पर जारी होने वाले आदेशों के संकलन हेतु अलग से रजिस्टर तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उच्च स्तर से प्राप्त निर्देशों का विभागीय स्तर पर अक्षरशः पालन हर हाल में सुनिश्चित होना चाहिए। इसके साथ ही आरटीआइ और रिट सेल की जांच करते हुए उन्होंने न्यायिक प्रक्रियाओं की अहमियत पर विशेष जोर दिया। संबंधित अधिकारियों को कड़े शब्दों में निर्देशित किया गया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय की ओर से जारी सभी प्रकार के आदेशों व विधिक दिशा-निर्देशों का पूरी गंभीरता के साथ अनुपालन किया जाए।

निरीक्षण के महत्वपूर्ण चरण में एसएसपी ने महिला हेल्पलाइन शाखा के कामकाज की अत्यंत गंभीरता से समीक्षा की। उन्होंने महिला अपराध रजिस्टर अपराध पीड़ित प्रतिकार रजिस्टर राष्ट्रीय व राज्य महिला आयोग रजिस्टर सहित महिला शिकायत काउंसलिंग रजिस्टर का विस्तार से अवलोकन किया।

समाज में महिला सुरक्षा को पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पीड़िताओं की शिकायतों का बिना किसी विलंब के त्वरित निस्तारण किया जाए।

साथ ही पुलिस कर्मियों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी प्रकार के उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के प्रति हमेशा संवेदनशील व्यवहार अपनाया जाए और उन्हें उचित न्याय दिलाने के लिए प्रभावी काउंसलिंग की व्यवस्था हो। अंत में सभी शाखाओं के कर्मचारियों को अभिलेखों के सुव्यवस्थित संधारण और सूचनाओं के समयबद्ध संकलन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सौरभ फाउंडेशन ने आयोजित किया प्रथम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: सौरभ फाउंडेशन द्वारा स्वर्गीय सौरभ भट्ट की पुण्य स्मृति में आयोजित प्रथम मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के आठवें दिवस पर दो रोमांचक मुकाबले खेले गए।पहला मुकाबला ज्ञानशू 11 बनाम चिड़वीर सालंग 11 के मध्य खेला गया, जिसमें ज्ञानसू 11 ने निर्धारित 15 ओवरों में 102 रनों का लक्ष्य दिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए चिड़वीर सालंग की टीम 15 ओवरों में मात्र 85 रन ही बना सकी, परिणामस्वरूप ज्ञानशू 11 ने 17 रनों से शानदार जीत दर्ज की। इस मैच के मैन ऑफ द मैच प्रिंस कुमार रहे।दिन का दूसरा मुकाबला हरि महाराज बाड़ागड्डी 11 बनाम नर्सिंग 11 पाव सिंगोट के मध्य खेला गया। इसमें नर्सिंग 11 पाव सिंगोट ने 108 रनों का लक्ष्य दिया, जिसका पीछा करते हुए हरि महाराज बाड़ागड्डी 11 ने 111 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस मैच के मैन ऑफ द मैच कैलाश रमोला रहे।इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बड़े भाई, पूर्व प्रधान रैथल मनोज राणा क्षेत्र पंचायत सदस्य बगसारी धनारी पृथ्वीपाल मटूडा, क्षेत्र पंचायत सदस्य बोंगा सुमित गुसाईं ने खिलाड़ियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा पीढ़ी को नशे से दूर रहकर खेलों के प्रति आकर्षित होना चाहिए, क्योंकि खेल ही स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।कार्यक्रम में सौरभ फाउंडेशन के संरक्षक जसपाल चौहान, सूरज रावत, जयवीर नेगी, अध्यक्ष आक. श भट्ट, सदस्य रोहित, श्रीश्म बलूनी, सुबोध, हरीश पयाल, दीपक भट्ट, मनीष बिष्ट, विश्व. विद्यालय प्रतिनिधि आयुष बिष्ट, छात्रसंघ अध्यक्ष विनय मोहन चौहान, महासचिव शुभम चमोली सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति एवं खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक मालचंद ने विपक्ष के भी कराए हजारों विकास कार्य

पुरोला में आज सिर्फ रिबन काटने और श्रेय लेने की होड़: माल चंद, जनप्रतिनिधियों को शादी-विवाह में अपमानित होना शर्मनाक

दीपेन्द्र सिंह कलूडा

पुरोला (उत्तरकाशी)।उत्तराखंड राज्य की पहली विधानसभा पुरोला से दो बार विधायक रह चुके वरिष्ठ नेता मालचंद ने अपने कार्यकाल में कराए गए विकास कार्यों को जनता के सामने रखते हुए वर्तमान राजनी. तिक हालात पर भी तीखा तंज कसा।

पूर्व विधायक मालचंद ने कहा कि वर्ष 2002 में जब उत्तराखंड राज्य का पहला विधानसभा चुनाव हुआ था, उस दौर की परिस्थितियां आज से बिल्कुल अलग थी। उस समय न तो सड़क, संचार व्यवस्था, और मीडिया और सोशल मीडिया की आज के जैसे पहुंच नहीं थी । उन्होंने कहा कि आज तो लोग छोटी-सी बात भी एक मोबाइल के माध्यम से तुरंत साझा कर लेते हैं, लेकिन उस समय कई क्षेत्रों में बिजली तक की व्यवस्था नहीं थी।

उन्होंने बताया कि वे उस समय विपक्ष के विधायक थे और राज्य नया-नया बना था, इसलिए चुनौतियां भी बेहद जटील थीं। उस समय प्रदेश के मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी थे और एक विधायक को मात्र 25 लाख रुपये की विधायक निधि मिलती थी।

पुरोला क्षेत्र के पूर्व मालचंद ने कहा कि उस समय की पुरोला विधानसभा क्षेत्रफल की दृष्टि से अत्यंत विशाल थी। विधानसभा का विस्तार मौंडा-बलावट (आराकोट क्षेत्र) से लेकर सरनौल (ठकराल पट्टी, वर्तमान यमुनोत्री विधानसभा क्षेत्र) तथा ध्याड़ी-सीतवाड़ी (डामटा क्षेत्र) तक फैला हुआ था। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि एक-एक गांव को मात्र पांच हजार रुपये भी विधायक निधि से दिए जाते, तो पूरे पांच वर्षों की निधि में भी सभी गांवों तक पहुंच संभव नहीं थी।इसके बावजूद, उन्होंने अपने कार्यकाल में शिक्षा, सड़क और आधारभूत ढांचे को प्राथमिकता देने का भरपूर प्रयास किया। उन्होंने कहा कि मेरे प्रयासों से अनेक विद्यालयों का उच्चीकरण किया गया, नए विद्यालय भवनों का निर्माण हुआ, सैकड़ों गांवों को सड़क मार्ग से जोड़ा गया तथा दर्जनों स्थानों पर पुलों का निर्माण कराया गया।उन्होंने बताया कि जल संस्थान का कार्यालय पुरोला मेने लाया नहीं तो प्रताप नगर जा रहा था। दोबारा डिवीजन शुरू करवाया गया है।वहीं कीमी-रस्ताड़ी रोड, भाटिया रोड, दुणी स्कूल, संकरी स्कूल, कंडारी स्कूल, कपनोल, गंगटाटी , स्कूल सैकड़ों कालेजों को उच्चीकृत किया है।

- बणाल की लाइफ लाइन पौंती पुल के लिए 7 दिन तक अनशन करके स्वीकृति कराई गई। बड़कोट पौंटी पुल के लिए आंदोलन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि पुरोला विधायक के नहरे, बाढ़ सुरक्षा कार्य समेत तमाम कार्य मेरे कार्यकाल में हुए है।उन्होंने कहा कि यदि आज का कोई भी युवा या नागरिक उस समय हुए विकास कार्यों की जानकारी लेना चाहता है, तो यह उसका अधिकार है। लोग चाहें तो सूचना का अधिकार (आरटीआई) के माध्यम से भी पूरे तथ्यों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।इसी दौरान मालचंद ने मौजूदा विधायक पर चुटकी लेते हुए कहा कि आज पुरोला विधानसभा में सरकार का विधायक है, लेकिन वे अपने प्रयासों से हुए कार्यों की बजाय केंद्र सरकार और टिहरी गढ़वाल सांसद के प्रयासों से स्वीकृत एवं संचालित सड़कों के कार्यों का श्रेय लेने में लगे हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे कार्यों में केवल रिबन काटने तक सीमित रहना, वास्तविक विकास की राजनीति नहीं कही जा सकती।पूर्व विधायक ने व्यंग्यात्मक लहजे में यह भी कहा कि वर्तमान जनप्रतिनिधि शादी-विवाह जैसे निजी कार्यक्रमों में अपमानजनक परिस्थितियों का सामना कर रहे हैं, जो पूरी पुरोला विधानसभा के लिए शर्मनाक है।उन्होंने कहा कि राजनी. ति का उद्देश्य केवल प्रचार और फोटो खिंचवाना नहीं, बल्कि जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना होना चाहिए। जनता अब जागरूक है और वह यह भली-भांति समझती है कि वास्तविक विकास किसने किया और कौन केवल श्रेय लेने की होड़ में लगा हुआ है। वहीं भाजपा कार्यकर्ता सोबेंद्र सिंह पंवार निवासी चंदेली का कहना है की, पूर्व विधायक मालचंद के कार्यकाल में चंदेली नेत्री सड़क का कटिंग एवं डामरीकरण खलाड़ी नेत्री सड़क कटिंग एवं डामरीकरण ,लिफ्ट चंद. ली, स्वील में लगी है। उन्होंने बताया कि पूर्व विधायक एक मिलन सार और जनता के सुख दुख का साथी है।

केदारनाथ यात्रा: घोड़ा-खच्चरों का बीमा, फिटनेस व पंजीकरण 6 फरवरी से

शाह टाइम्स संवाददाता

रूद्रप्रयाग। विश्व प्रसिद्ध केदारनाथ धाम की आगामी यात्रा को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। प्रशासनिक व्यवस्थाओं के साथ-साथ पशुपालन विभाग ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। यात्रा में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों के बीमा, फिटनेस परीक्षण और पंजीकरण की प्रक्रिया 26 फरवरी से शुरू की जाएगी।

पशुपालन विभाग के अनुसार, विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी यात्रा प्रारंभ होने से लगभग डेढ़ माह पूर्व यह प्रक्रिया प्रारंभ की जा रही है, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो। होली तक तीन से चार विशेष कैंप आयोजित किए जाएंगे। होली अवकाश के बाद पुनः शिविर लगाए जाएंगे, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक समय पर अपने घोड़े-खच्चरों का पंजीकरण करा सकें।

पशुपालकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतिदिन दो कैंप लगाए जाएंगे। इन शिविरों में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण (फिटनेस), बीमा और पंजीकरण की समस्त औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि यात्रा में संचालित होने वाले सभी घोड़े-खच्चरों का बीमा अनिवार्य रहेगा।

बिना बीमा और फिटनेस प्रमाणपत्र के किसी भी पशु को यात्रा मार्ग पर संचालन की अनुमति नहीं दी जाएगी। पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजीव गोयल ने बताया कि केदारनाथ यात्रा में घोड़े-खच्चरों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। हजारों श्रद्धालु गौरीकुंड से केदारनाथ तक की कठिन पैदल यात्रा इन्हीं पशुओं के माध्यम से पूरी करते हैं। ऐसे में उनका स्वस्थ, सुरक्षित और पंजीकृत होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने पशुपालकों से वे निर्धारित तिथियों पर कैंप में पहुंचकर समय से सभी औपचारिकताएं पूर्ण करने की अपील की, जिससे यात्रा संचालन सुचारु रूप से संपन्न हो सके।

नगर निगम देहरादून का धुआंधार एक्शन जारी

गंदगी फैलाने वाले 87 के चालान काटे

■ नगर निगम के स्वास्थ्य अनुभाग एवं भूमि अनुभाग के अधिकारियों ने 37,200 की धनराशि वसूली

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। नगर आयुक्त के निर्देशों के क्रम में अपर नगर आयुक्त प्रवीण कुमार के नेतृत्व में नगर निगम देहरादून के स्वास्थ्य अनुभाग एवं भूमि अनुभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा वार्ड संख्या 29 एवं 48 के अंतर्गत बलबीर रोड, नई बस्ती, बद्रीश कॉलोनी एवं राजीव नगर क्षेत्र में रिस्पना नदी से सटी मलिन बस्तियों में डोर-टू-डोर निरीक्षण, यूजर चार्ज कलेक्शन एवं अतिक्रमण के विरुद्ध संयुक्त प्रवर्तन अभियान संचालित किया गया।

अभियान के दौरान यह पाया गया कि रिस्पना नदी के किनारे स्थित मलिन बस्तियों के कुछ निवा. सियों द्वारा नगर निगम को नियमित रूप से कूड़ा उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है तथा घरेलू अपशिष्ट सीधे नदी में डाला जा रहा है। इस पर संबंधित परिवारों को चिन्हित करते हुए उन्हें सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपना समस्त कूड़ा केवल नगर निगम की डोर-टू-डोर संग्रहण गाड़ियों में ही दें तथा यूजर चार्ज का भुगतान प्रतिमाह स्वयं सहायता समूह को ही करें। निरीक्षण के दौरान यह भी संज्ञान में आया कि उक्त मलिन बस्तियों में अवैध रूप से डेयरी संचालन किया जा रहा है, जिनसे उत्पन्न अपशिष्ट एवं गोबर को सीधे रिस्पना नदी में प्रवाहित किया जा रहा था। इस संबंध में अपर नगर आयुक्त नमामि बंसल द्वारा विश्वनाथ एवं सुधीर (निवासी: बलबीर रोड) सहित अन्य अवैध डेयरी संचालकों के विरुद्ध ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियमावली, 2016 के अंतर्गत 1500 का चालान किया गया।साथ ही नगर निगम के पशु अनुभाग को निर्देशित किया गया कि अवैध डेयरी संचालन के विरुद्ध नियमानुसार कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा संबंधित संचालकों के पंजीकरण निरस्त किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए।इसके अतिरिक्त, अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग के सीएसआई / एसआई द्वारा गंदगी फैलाने वालों के विरुद्ध कुल 87 चालान किए गए, जिनसे 37,200 की धनराशि वसूली गई। वहीं अतिक्रमण टीम द्वारा अवैध कब्जों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 48 चालान किए गए।

नगर निगम ने की नागरिकों से अपील

नगर निगम देहरादून नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि निर्माण संबंधी मलबा केवल निर्धारित स्थलों पर ही डालें, सार्वजनिक स्थलों पर गंदगी न फैलाएं तथा अतिक्रमण से बचें। स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित शहर निर्माण में जनसहभागिता अत्यंत आवश्यक है। नगर निगम देहरादून नागरिकों से अपील करता है कि निर्माण संबंधी मलबा केवल निर्धारित स्थलों पर ही डालें तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

उत्तराखंड पुलिस का राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड के लिए चयन

■ चारधाम यात्रा 2025 के अभिनव ट्रैफिक कंट्रोल मॉडल के लिए पुलिस अधिकारी लोकजीत सिंह को मिला राष्ट्रीय सम्मान

■ एसपी (ट्रैफिक) लोकजीत सिंह के नेतृत्व में देहरादून ट्रैफिक पुलिस की पहल बनी सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस के लिए अत्यंत गर्व का विषय है कि चारधाम यात्रा 2025 के सफल संचालन हेतु विकसित अभिनव ट्रैफिक एवं कंट्रोल रूम प्रबंधन प्रणाली को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित स्कॉच अवार्ड के लिए चयनित किया गया है।

पुलिस अधीक्षक (यातायात) देहरादून लोकजीत सिंह के नेतृत्व में "चारधाम यात्रा 2025 : निर्बाध तीर्थ प्रबंधन के लिए अभिनव कंट्रोल रूम समाधान" नामांकन को 106वें स्कॉच समिट में सम्मानित किया जाएगा।

यह सम्मान शासन एवं विकास के क्षेत्र में विशिष्ट और परिणाम-आधारित नवाचारों के लिए प्रदान किया जाता है।चारधाम यात्रा के दौरान उत्तराखंड में प्रतिवर्ष लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं।

वर्ष 2025 में यातायात प्रबंधन को सुचारु, सुरक्षित एवं तकनीक-आधारित बनाने के लिए ट्रैफिक पुलिस द्वारा उन्नत कंट्रोल रूम सिस्टम, रियल-टाइम मॉनिटरिंग, डिजिटल समन्वय, इंटेलिजेंट रूट डायवर्जन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को सुदृढ़ किया गया। इस नवाचार के परिणामस्वरूप यातायात जाम में कमी, तीर्थयात्रियों की सुरक्षित आवाजाही तथा आपात स्थितियों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई।

यह सम्मान उत्तराखंड पुलिस व युवा पुलिस अधिकारी एसपी (ट्रैफिक) लोकजीत सिंह की तकनीकी दक्षता, पारदर्शी कार्यशैली और जनसेवा के प्रति समर्पण का प्रमाण है। चारधाम यात्रा जैसे विशाल धार्मिक आयोजन में प्रभावी यातायात प्रबंधन राज्य की प्रशासनिक क्षमता और समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है।

पुलिस की घेराबंदी में 30 मिनट में दबोचा गया मोबाइल स्नैचर

■ आईफोन और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल के निर्देशों पर शहर में चलाई जा रही सघन चेकिंग अभियान का बड़ा परिणाम देखने को मिला है।

डालनवाला पुलिस ने एक महिला से मोबाइल छीनकर भाग रहे शातिर युवक को घटना के मात्र आधे घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के पास से लूटा गया आईफोन 13 प्रो और वारदात में इस्तेमाल की गई स्कूटी बरामद कर ली है।

23 फरवरी की रात चंद्रलोक कॉलोनी निवासी प्रिया सिंह का मोबाइल एक अज्ञात स्कूटी सवार छीनकर फरार हो गया था। कंट्रोल रूम से सूचना मिलते ही डालनवाला पुलिस अलर्ट मोड पर आ गई। एसएसपी के निर्देशानुसार पूरे क्षेत्र की नाकेबंदी की गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए नयागांव रोड पर घेराबंदी कर आरोपी अमन गोस्वामी को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि वह नशे का आदी है और अपनी लत को पूरा करने के लिए उसने स्नेचिंग की वारदात को अंजाम दिया था। डालनवाला कोतवाली के वरिष्ठ उपनिरीक्षक कुलेन्द्र सिंह रावत और हाथीबड़कला चौकी प्रभारी सतबीर सिंह के नेतृत्व में इस त्वरित कार्रवाई को अंजाम दिया गया।

घेरबाड़ योजना के लिए 90 करोड़ अवमुक्त करने का अनुरोध

■ केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा में वर्चुअल माध्यम से शामिल हुए प्रदेश के कृषि मंत्री जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आयोजित केंद्रीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने वर्चुअल माध्यम से प्रतिभाग किया। बैठक में केंद्र पोषित कृषि योजनाओं में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन तथा नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग और कृषि उन्नति योजना की उत्तराखंड में प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में संचालित योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली व समयबद्ध एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

प्रदेश के कृषि मंत्री जोशी ने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत प्रथम किस्त 178 करोड़ रुपये के सापेक्ष 75 प्रतिशत से अधिक धनराशि व्यय किए जाने के फलस्वरूप भारत सरकार द्वारा द्वितीय किस्त जारी कर दी गई है। उन्होंने बताया कि शेष धनराशि 31 मार्च तक पूर्ण रूप से व्यय कर ली जाएगी। इसी प्रकार कृषि उन्नति योजना के तहत 58 करोड़ रुपये की प्रथम किस्त के सापेक्ष 75 प्रतिशत से अधिक व्यय किया जा चुका है तथा द्वितीय किस्त की मांग भेज दी गई है। दूसरी किस्त प्राप्त होने पर मार्च 2026 तक संपूर्ण धनराशि व्यय कर ली जाएगी। कृषि मंत्री ने बताया कि डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन तथा नेशनल मिशन ऑन नेचुरल फार्मिंग के अंतर्गत प्राप्त धनराशि का भी मार्च 2026 तक शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक के दौरान कृषि मंत्री ने प्रदेश में घेरबाड़ योजना के लिए केंद्र सरकार द्वारा 90 करोड़ रुपये की धनराशि शीघ्र अवमुक्त किए जाने का अनुरोध किया। इस पर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज चौहान ने आश्वस्त किया कि 90 करोड़ रुपये में से आंशिक धनराशि शीघ्र उपलब्ध करा दी जाएगी। मंत्री जोशी ने केंद्रीय मंत्री का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि केंद्र पोषित योजनाओं के बजट का शत-प्रतिशत उपयोग पारदर्शिता एवं समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जायेगा। इस अवसर पर कृषि सचिव डा एसएन पांडेय, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, कुलपति भरसार विश्वविद्यालय डॉ. परविंदर कौशल सहित अन्य मौजूद रहे।

एक नजर ....

जोशी ने जगतगुरु शंकराचार्य राजराजेश्वराश्रम महाराज का लिया आशीर्वाद

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी से मंगलवार को उनके शासकीय आवास पर जगतगुरु शारदा पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज ने भेंट की। इस अवसर पर शंकराचार्य जी ने कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी और उनके परिवार को आशीर्वाद प्रदान किया। भेंट के दौरान आध्यात्मिक एवं धार्मिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने जगतगुरु शंकराचार्य स्वामी राजराजेश्वराश्रम महाराज को होली की अग्रिम शुभकामनाएं भी दीं

लाइफ इंश्योरेंस की पहुंच बढ़ाने के लिए स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा

देहरादून। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ने आज कोटक महिंद्रा लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ("कोटक लाइफ") के साथ एक स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की, जो बैंक की प्रोडक्ट बढ़ाने की स्ट्रेटेजी में एक अहम मील का पत्थर है। यह सहयोग उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के लाइफ इंश्योरेंस वर्टिकल को काफी मजबूत करता है, जो 27 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले बैंक के 1105 बैंकिंग आउटलेट्स में कोटक लाइफ के प्रोडक्ट्स के बड़े सेट को इंटीग्रेट करता है। पार्टनरशिप पर बात करते हुए, उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्री गोविंद सिंह ने कहा: "यह साझेदारी हमारे ग्राहकों को समग्र वित्तीय समाधान प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती है। कोटक लाइफ इंश्योरेंस के साथ मिलकर हम एक मजबूत मंच तैयार कर रहे हैं, जो प्रमुख बीमा कंपनियों के जीवन बीमा उत्पादों की व्यापक श्रृंखला तक पहुँच उपलब्ध कराएगा।

अवैध मांस की दुकान पर छापा, 2.5 क्विंटल मांस बरामद, दो गिरफ्तार

■ क्षेत्राधिकारी विवेक सिंह के निर्देश पर हुई कार्रवाई, पशु क्रूरता अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। पछवादून क्षेत्र में अवैध रूप से बिना लाइसेंस के मांस बेचने वालों के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्राधिकारी विकासनगर विवेक सिंह कुटियाल के कड़े निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए विकासनगर कोतवाली पुलिस ने कुल्हाल क्षेत्र में छापेमारी कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से भारी मात्रा में अवैध पशु मांस बरामद हुआ है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को पुलिस को कुल्हाल क्षेत्र में अवैध रूप से पशु मांस बेचे जाने की सूचना मिली थी। क्षेत्राधिकारी विवेक सिंह कुटियाल ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई के आदेश दिए। कुल्हाल चौकी प्रभारी विवेक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कुंजा ग्रांट निवासी आजाद पुत्र वहीद और आमिर पुत्र इकबाल की मीट की दुकानों पर छापा मारा।दुकानों की तलाशी लेने पर करीब 2.5 क्विंटल पशु मांस बरामद हुआ। जब पुलिस ने दुकानदारों से मांस की बिक्री का लाइसेंस या खरीद-फरोख्त के बिल मांगे, तो वे कोई भी वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके। मौके पर पशु चिकित्साधिकारी को बुलाकर मांस के सैंपल लिए गए, जिन्हें परीक्षण के लिए लैब भेजा गया है। शेष मांस को पुलिस ने विधिवत तरीके से नष्ट कर दिया है। सीओ विवेक सिंह कुटियाल बोले की क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अवैध कटान या बिना लाइसेंस के मांस की बिक्री को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्तों से पूछताछ की जा रही है कि वे मांस कहाँ से लाए थे। परिवहन में शामिल वाहनों और अन्य संदिग्धों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।पशु क्रूरता अधिनियम में मुकदमा पुलिस ने दोनों अभियुक्तों, आजाद (28 वर्ष) और आमिर (28 वर्ष), को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की तहत मुकदमा दर्ज किया है।

सहसपुर व विकासनगर में अवैध कटान का बढ़ता जाल

विकासनगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में अवैध पशु कटान की शिकायतें लंबे समय से मिल रही हैं। सूत्रों की मानें तो कई इलाकों में बिना किसी मानकों के पशुओं को काटकर उनका मांस खुलेआम बेचा जा रहा है। पुलिस अब उन मुख्य सप्लायरों और वाहनों को चिन्हित कर रही है जो रात के अंधेरे में अवैध मांस की सप्लाई करते हैं। क्षेत्राधिकारी के सख्त रुख के बाद अब क्षेत्र के अवैध मीट कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

पुलिसकर्मी ने रोजा तोड़कर किया रक्तदान

■ बचाई महिला की जान

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दून पुलिस ने एक बार फिर वर्दी के भीतर छिपी मानवता का परिचय दिया है।

पुलिस लाइन देहरादून में तैनात हेड कांस्टेबल इमरान अली ने सां. प्रदायिक सौहार्द और इंसानियत की मिसाल पेश करते हुए अपना रोजा तोड़कर एक गंभीर महिला की जान बचाई।

व्हाट्सएप ग्रुप के जरिए सूचना मिली कि उत्तरकाशी निवासी एक महिला जॉली ग्रांट अस्पताल में गंभीर स्थिति में भर्ती है और उन्हें तत्काल रक्त की आवश्यकता है। सूचना मिलते ही हेड कांस्टेबल इमरान अली बिना समय गंवाए अस्पताल पहुंचे। पवित्र रमजान माह के कारण इमरान रोजे से थे, लेकिन महिला की गंभीर हालत को देखते हुए उन्होंने तत्काल अपना रोजा तोड़ा और रक्तदान किया।समय पर मिली इस मदद से महिला की जान बच सकी। महिला के परिजनों ने उत्तराखंड पुलिस की कार्यशैली की सराहना करते हुए इमरान अली का हृदय से आभार व्यक्त किया।

कांग्रेस ने लगाया ऊर्जा विभाग में 'सुनियोजित भ्रष्टाचार' का आरोप

■ जवाबदेही से नहीं बच सकती सरकार: यशपाल आर्य

■ तृतीय श्रेणी कर्मचारी को एमडी बनाने पर नेता प्रतिपक्ष का हमला

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने ऊर्जा विभाग में कथित अनियमित पदोन्नति को लेकर सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि जुगाड़, हेराफेरी और सुनियोजित षड्यंत्र के तहत एक तृतीय श्रेणी कर्मचारी को प्रबंध निदेशक (एमडी) के पद तक पहुंचाया गया, जो शासन-प्रशासन की साख पर करारा तमाचा है।

उन्होंने कहा कि यह मामला केवल एक अनियमित पदोन्नति का नहीं, बल्कि पूरे तंत्र में व्याप्त राजनीतिक संरक्षण और सांठगांठ का संकेत देता है। यदि नियमों को दरकिनार कर शीर्ष पदों पर नियुक्तियां होंगी तो परियोजनाएं लटकेंगी, लागत बढ़ेगी और वित्तीय अनुशासन ध्वस्त होगा, जिसका सीधा असर जनता पर पड़ेगा।

आर्य ने कहा कि प्रदेश को "ऊर्जा प्रदेश" बनाने के बड़े-बड़े दावे किए गए, लेकिन हकीकत में ऊर्जा विभाग को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या बिना उच्च अधिकारियों और राजनीतिक संरक्षण के कोई तृतीय श्रेणी कर्मचारी सीधे एमडी की कुर्सी तक पहुंच सकता है?

नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि ऊर्जा क्षेत्र की परियोजनाओं में निविदा प्रक्रियाओं की पारदर्शिता पर पहले भी सवाल उठते रहे हैं। लागत में असामान्य वृद्धि, मनमाने वित्तीय निर्णय और संदिग्ध ठेकों के आवंटन जैसे गंभीर आरोप सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी मामलों की कड़ियां आपस में जुड़ी हो सकती हैं, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है।

नेता प्रतिपक्ष ने मामले में चार प्रमुख मांगें रखीं, संबंधित कर्मचारी की नियुक्ति से लेकर एमडी पद तक की पूरी सेवा यात्रा की न्यायिक या उच्च स्तरीय स्वतंत्र जांच। पदोन्नति प्रक्रिया में शामिल अधिकारियों और कार्मिक विभाग की भूमिका की विस्तृत पड़ताल। इस अवधि में लिए गए सभी बड़े वित्तीय और नीतिगत निर्णयों का विशेष ऑडिट। दोषी अधिकारियों और संरक्षण देने वाले प्रभावशाली व्यक्तियों पर कठोर दंडात्मक कार्रवाई। आर्य ने कहा कि यदि सरकार पारदर्शिता और सुशासन में विश्वास रखती है तो उसे समयबद्ध जांच की घोषणा कर दोषियों को बेनकाब करना चाहिए। अन्यथा यह माना जाएगा कि पूरा तंत्र भ्रष्टाचार को संरक्षण दे रहा है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा विभाग प्रदेश की आर्थिक रीढ़ है। यहां का भ्रष्टाचार केवल सरकारी खजाने को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि निवेशकों का विश्वास भी तोड़ता है और विकास की गति को प्रभावित करता है।

27 से शुरू होगा वसंतोत्सव, पुलिस ने जारी किया ट्रैफिक प्लान

■ एसपी सिटी और एसपी ट्रैफिक ने निरीक्षण किया

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। लोकभवन में 27 फरवरी से एक मार्च के बीच वसंतोत्सव का आयोजन होना है, जिसको देखते हुए देहरादून पुलिस ने रूट प्लान जारी किया है. वसंतोत्सव कार्यक्रम में सुरक्षा और यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए मंगलवार को एसपी सिटी और एसपी ट्रैफिक ने निरीक्षण किया।

राजपुर रोड की ओर से आने वाले आगन्तुकों के वाहनों को दिलाराम चौक से दाहिने भेजते हुए न्यू कैंट रोड होते हुए एनेक्सी तिराहा पर ड्रॉप कर वाहनों को ग्राउंड पार्किंग में पार्क किया जायेगा। इसी रायपुर, ईसी रोड और सुभाष रोड से आने वाले आगन्तुकों के वाहनों को दिलाराम चौक से लेफ्ट भेजते हुए न्यू कैंट रोड से एनेक्सी तिराहा पर ड्रॉप कर वाहनों को ग्राउंड पार्किंग में पार्क किया जायेगा, जहां से आगुन्तकों को शटल सेवा के माध्यम एनेक्सी तिराहा तक भेजा जायेगा और ग्राउंड के फुल होने पर वाहन आरटी ग्राउंड में पार्क किए जायेगें. दुपहिया वाहनों की पार्किंग आरटी ग्राउंड में कराई जायगी।

जन प्रहार ने एमडी पिटकुल को हटाने की उठाई मांग

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी पिटकुल एमडी पद पर क्यों?, जन प्रहार ने मुख्य सचिव से मिलकर बर्खास्तगी व कैग जांच की मांग उठाई

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। जन प्रहार के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्य सचिव से मुलाकात कर पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ऑफ उत्तराखंड लिमिटेड (पिटकुल) के प्रबंध निदेशक प्रकाश चंद्र ध्यानी को तत्काल पद से हटाने और उनके कार्यकाल की कैग से जांच कराने की मांग की। इस संबंध में संस्था ने ज्ञापन भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 18 फरवरी 2026 को दिए अपने आदेश में पिटकुल के एमडी प्रकाश चंद्र ध्यानी की नियुक्ति को अवैध ठहराते हुए निरस्त कर दिया है। इसके बावजूद यदि संबंधित अधिकारी पद पर बने हुए हैं तो यह न्यायालय की भावना के विपरीत है।

संस्था की संयोजक सुजाता पॉल ने कहा कि न्यायालय की ओर से नियुक्ति रद्द किए जाने के बाद भी यदि अधिकारी पद पर कार्यरत रहते हैं तो इससे प्रशासनिक जवाबदेही पर प्रश्नचिह्न खड़े होते हैं। उन्होंने सरकार से तत्काल प्रभाव से कार्रवाई करने की मांग की।

सह संयोजक पंकज सिंह क्षेत्री (एडवोकेट) ने कहा कि यह मामला केवल नियुक्ति का नहीं, बल्कि शासन की पारदर्शिता, नियमों के पालन और सार्वजनिक धन की सुरक्षा से भी जुड़ा है। उनके अनुसार, एमडी के कार्यकाल में लिए गए सभी वित्तीय एवं प्रशासनिक निर्णयों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए।

संस्था ने मांग कि के प्रकाश चंद्र ध्यानी को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए। उनके कार्यकाल के दौरान लिए गए सभी निर्णयों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। जांच भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक से कराई जाए। जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक किया जाए।

गैरसैंण में सदन चलने को लेकर महाराज ने कांग्रेस पर साधा निशाना

■ कांग्रेस ने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सदन को 30 दिन चलने की बात क्यों नहीं रखी?

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता सतपाल महाराज ने कहा है कि कांग्रेस और उनके नेताओं का काम हमेशा से ही देश एवं प्रदेश की जनता को बर्गलाने का रहा है। भराड़ीसैंण (गैरसैंण) विधानसभा सत्र की समयावधि को लेकर भी उसके नेता ऊलजुल की बयान बाजी कर प्रदेश की जनता को गुम. राह कर रही है।

प्रदेश के कैबिनेट मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता सतपाल महाराज ने कहा कि विधानसभा सत्र की समयावधि को लेकर विधानसभा की कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में नेता प्रतिपक्ष सहित विभिन्न दलों के वरिष्ठ विधायक शामिल होते हैं और यह समिति ही सत्र के कामकाज एवं समय का निर्धारण करती है। कार्य मंत्रणा में यह सब तय करते समय कांग्रेस भी शामिल थी तो फिर उस समय उसने सदन की अवधि बढ़ाने मंशा जाहिर क्यों नहीं की। सत्र की अवधि को बढ़ाने को लेकर अब कांग्रेसी नेता जनता के बीच जाकर सदन को तीस दिनों तक चलाने का झूठा प्रलाप कर दोमूंही बात क्यों कर रहे हैं। यदि वास्तव में कांग्रेस के नेता इतने ईमानदार हैं तो उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में सदन को 30 दिन चलने की बात क्यों नहीं रखी?

महाराज ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जो कांग्रेसी नेता विधानसभा सत्र को पूरे एक महीने चलाने का ढोंग कर रहे हैं उनकी सरकारों के दौरान विधानसभा सत्रों की अवधि की यदि हम बात करें तो 2014 में तीन दिन, 2015 में दो दिन और 2016 में भी मात्र दो दिन ही भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा सत्र आहूत किया गया था। अब कांग्रेसी नेता बतायें कि यदि उन्हें गैरसैंण या पहाड़ की इतनी ही चिंता थी तो उनकी ऐसी क्या मजबूरी थी कि उस दौरान कांग्रेस ने बहुत कम-कम समय तक भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में विधानसभा सत्र आहूत किया। महाराज ने कहा कि कांग्रेस की इस बात को भी सिरे से खारिज किया जिसमें कहा गया कि सत्र की अवधि कम होने के कारण विधायक अपने प्रश्न सदन में नहीं रख पाते। उन्होंने कहा कि सदन में प्रश्न काल केवल 45 मिनट या 1 घंटे का होता है। जहां तक प्रश्नों का सवाल है वह तो जब आप सदन में हैं तो पूछे ही जाते हैं। ऐसा नहीं है कि जब विधानसभा चलेगी तभी प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रश्न पूछना और समस्या का निराकरण करना वह तो सतत प्रक्रिया है। भराड़ीसैंण (गैरसैंण) विधानसभा को लेकर अपने निजी राय व्यक्त करते हुए श्री महाराज ने कहा कि उनकी राय है कि भराड़ीसैंण (गैरसैंण) में मिनी सचिवालय होना चाहिए।

मसूरी विधानसभा में मतदाताओं की बढ़ती संख्या पर उठे सवाल, 'षड्यंत्र' का आरोप

■ उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा ने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को घेरा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा महानगर देहरादून ने मसूरी विधानसभा क्षेत्र में पिछले दो दशकों से मतदाताओं की संख्या में हो रही अप्रत्याशित वृद्धि पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। महानगर अध्यक्ष रामकुमार शंखधर ने आरोप लगाया कि यह वृद्धि प्रशासनिक मिलीभगत और चुनावी लाभ लेने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा है।

महानगर अध्यक्ष रामकुमार शंखधर ने बताया कि पिछले एक माह से मसूरी विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क के दौरान उन्होंने पाया कि प्री-एस.आई.आर प्रक्रिया होने के बावजूद मतदाता सूची में बड़े स्तर पर विसंगतियां मौजूद हैं। सूची में न केवल फर्जी मतदाता शामिल हैं, बल्कि मृत व्यक्तियों और उन महिलाओं के नाम भी अभी तक नहीं हटाए गए हैं जिनकी शादियां होकर वे अन्यत्र जा चुकी हैं। शंखधर ने जिला चुनाव आयोग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर आयोग अप्रैल में एस.आई.आर प्रक्रिया की बात कर रहा है, वहीं दूसरी ओर प्री-एस. आई.आर मैपिंग के जरिए फर्जी मतदाताओं को सूची में बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है।

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय 'उज्जवल' महारानी बाग, जी0एम0एस0 रोड, देहरादून-248006
दूरभाष संख्याः 0135-2763808, फैक्स नं0 0135-2763507
CIN No. U4101UR2001SGC025866 Website: www.ujvnl.com

पत्रांकः 160 **निविदा सूचना** दिनांक 24.02.2026

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (वि0/यॉ0)(एसएचपी), यूजेवीएन लि0, ऋषिकेश इच्छुक निविदादाताओं से मुहरबन्द निविदा आमन्त्रित करता है। निविदा का संक्षिप्त विवरण निम्नवत हैः-

निविदा सं0-22/अ0अ0(वि0/या0)/एसएचपी/ऋषिकेश/2025-26 जिला-पौड़ी गढ़वाल स्थित राम प्रसाद नौटियाल ल0ज0वि0 (2x750 कि0वॉ) में मोटराइज्ड आइसोलेटर का डिजाइन आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं PT, CT एवं LA का आपूर्ति, स्थापना एवं परीक्षण का कार्य।

अनुमानित मूल्य : रु0 7,98,000/- (कर अतिरिक्त)
वेबसाइट पर निविदा प्रपत्र की उपलब्धता की तिथि : 24.02.2026 16:00 बजे से
निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि : 17.03.2026 17:00 बजे तक
अन्य जानकारी हेतु कृपया हमारी वेबसाइट देखें। निविदा प्रपत्र निगम की वेबसाइट https://ujvnl.uk.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

अधिशासी अभियन्ता (वि0/या0)(एसएचपी), ऋषिकेश
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

कुम्भ मेले के स्थायी कार्यों को 31 अक्टूबर तक पूर्ण करें : दयानंद सरस्वती

अपर मेलाधिकारी ने विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर दिए निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। आगामी कुम्भ मेला 2027 के सफल एवं सुव्यवस्थित आयोजन को लेकर मेला प्रशासन ने स्थायी विकास कार्यों को समयबद्ध रूप से पूरा कराने हेतु विशेष अभियान शुरू किया है। श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, आवागमन एवं स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत परियोजनाओं के लिए स्पष्ट टाइमलाइन तय की गई है। सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत कार्य 31 अक्टूबर 2026 तक हर हाल में पूर्ण किए जाएं। मेलाधिकारी सोनिका के निर्देशन में निर्माण कार्यों की नियमित समीक्षा की जा रही है तथा गुणवत्ता नियंत्रण के लिए नामित अधिकारी लगातार स्थलों का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या विलंब को गंभीरता से लिया

जाएगा। मंगलवार को अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती ने विभागीय अधिकारियों के साथ विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर प्रगति की समीक्षा की और कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण सामग्री की नियमित जांच कराने तथा सभी तकनीकी एवं गुणवत्ता मानकों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रत्येक कार्य की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से मेला कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा। निरीक्षण के दौरान धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी-पुरानी गंग नहर पर स्वीकृत पुल निर्माण का जायजा लिया गया। उन्होंने नींव व पाइलिंग तैयारियों की समीक्षा करते हुए तकनीकी मानकों के अनुरूप समयबद्ध कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही बहादराबाद विकासखण्ड में ध नौरी-सिडकुल मोटर मार्ग के लगभग 8.4 किमी डामरीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य का निरीक्षण कर क्षतिग्रस्त हिस्सों के सुधार और समुचित ड्रेनेज व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। अपर मेलाधिकारी ने रोशनाबाद स्थित निर्माणाधीन औषधि भंडारण कक्ष का भी निरीक्षण किया और सामग्री की सैंपलिंग व थर्ड पार्टी गुणवत्ता परीक्षण के निर्देश दिए। 251.98 लाख लागत की इस योजना के अंतर्गत आधुनिक वेयरहाउस व कोल्ड-चेन सुविधा विकसित की जा रही है, जिससे मेला अवधि एवं उसके बाद भी स्वास्थ्य सेवाओं को लाभ मिलेगा। निरीक्षण के दौरान तकनीकी सेल के अधिशासी अभियंता प्रवीन कुमार सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम के निर्देश पर प्रतिबंधित पॉलीथिन पर एसडीएम जितेंद्र कुमार की बड़ी कार्रवाई

6 कुंतल पॉलीथिन जब्त, एक लाख का चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पर्यावरण संरक्षण को लेकर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए ज्वालापुर क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देश पर उप जिलाधिकारी जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में राजस्व टीम एवं पुलिस बल ने ज्वालापुर के कटहरा बाजार स्थित एवरग्रीन पॉलिपैक पर छापेमारी की। निरीक्षण के दौरान दुकान में लगभग 06 कुंतल प्रतिबंधित एवं अनाधिकृत पॉलीथिन बैग बरामद किए गए। प्रशासन ने मौके पर ही समस्त पॉलीथिन को जब्त कर लिया। अनधिकृत पॉलीथिन के भंडारण एवं विक्रय के आरोप में संबंधित दुकानदार पर एक लाख रुपये का चालान किया गया। उप जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जनपद में प्रतिबंधित प्लास्टिक के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान तहसीलदार सचिन कुमार सहित राजस्व एवं पुलिस विभाग के अन्य अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

नशे के अवैध कारोबार का विरोध करने पर हंगामा

पुलिस ने शांति भंग के आरोप में 14 को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त महिला विरोध करने पर जगजीतपुर में जमकर हंगामा हुआ। मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला सहित 14 लोगों को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। बीती रात थाना कनखल पुलिस को सूचना मिली मोहल्ला सगवाला जगजीतपुर में मोहल्ला वासियों द्वारा नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त एक महिला को रोके जाने पर उसने अपने नशेड़ी साथियों को बुला लिया। जिन्होंने स्थानीय लोगों के साथ धक्का-मुक्की कर हंगामा किया। सूचना पर जगजीतपुर चौकी प्रभारी सुधांशु कौशिक व अपर उपनिरीक्षक ललित मोहन पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। काफी समझाने के बावजूद नहीं मानने पर पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने पर महिला सहित मौहम्मद मुन्ना पुत्र शहीद, निवासी अहबाबनगर ज्वालापुर, शंकर तोमर पुत्र मंगल सिंह निवासी लाल मंदिर कॉलोनी ज्वालापुर, दीपक कोरी पुत्र जगदीश निवासी ब्रह्मपुरी हरिद्वार, मोहम्मद छोटा पुत्र इस्माइल निवासी मोहल्ला घोसियान ज्वालापुर, दीपक राजपूत पुत्र सुखबीर सिं, निवासी हनुमानगढ़ी कनखल, सौरभ पुत्र नत्थू निवासी ब्रह्मपुरी हरिद्वार, सूरज आर्या पुत्र रामसेवक निवासी गणपतिधाम फेस-3 राजागार्डन कनखल, विजय चौहान पुत्र स्व.गोपाल, निवासी ब्रह्मपुरी हरिद्वार, विकास कुमार पुत्र राकेश कुमार निवासी सतीकुंड सर्वप्रिय विहार

कनखल, सुमित पुत्र दारा सिंह निवासी कृष्णानगर कनखल, अमन सैनी पुत्र स्व.राजेश सैनी निवासी डिवाइन लाइट स्कूल के पास कनखल, आशीष पुत्र हंसराज निवासी छतरीवाला कुआं जगजीतपुर, गोपी चौहान पुत्र स्व0कल्लू सिंह निवासी जगजीतपुर, को गिरफ्तार कर लिया।

दुकान में गैस सिलेंडर फटने से मची अफरा-तफरी

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली नगर क्षेत्र के विष्णु घाट चौराहे पर मंगलवार देर रात भीषण अग्निकांड से अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन मायापुर की दो फायर यूनिट मौके पर पहुंचीं और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते कार्रवाई होने से बड़ा हादसा टल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात करीब 1:15 बजे चौराहे पर स्थित तीन खाने-पीने की दुकानों में अचानक आग लग गई। आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप ले लिया और एक गैस सिलेंडर में विस्फोट हो गया। सिलेंडर फटने से आग सामने स्थित होटलों की दूसरी मंजिल तक पहुंच गई।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए फायर कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए होटलों में ठहरे यात्रियों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाला। दुकानों में रखे चार गैस सिलेंडरों को भी सकुशल बाहर निकाल लिया गया, जिससे बड़ी दुर्घटना टल गई। फायर अधिकारी व कर्मियों ने दो मोटर फायर इंजन (एमएफई)के माध्यम से लगातार पॅपिंग कर आग पर पूर्णत: काबू पाया और उसे आसपास की दुकानों व होटलों तक फैलने से रोक दिया। फायर टीम में प्रकाश मनौड़ी, राहुल शर्मा, प्रवीण राणा, मातबर सिंह, प्रीति रौथाण, प्रिया, चंद्र प्रकाश, कश्मीर सिंह, सुरेश कुमार, यशपाल शामिल रहे।

शिवांगी बनी भैरव सेना संगठन की मातृ वाहिनी की प्रदेश संयोजक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भैरव सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मोहित चौहान ने शिवांगी शर्मा को संगठन की मातृ शक्ति वाहिनी की प्रदेश संयोजक व शिवानी मिश्रा को प्रदेश सह-संयोजक नियुक्त किया है। टिहरी विस्थापित कालोनी में संगठन की बैठक के दौरान

मोहित चौहान ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए संगठन को मजबूत करने और महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने का आह्वान करते हुए संगठन द्वारा समाज हित में किए जा रहे कार्यों, नशे के खिलाफ अभियान, अवैध निर्माण एवं अन्य जनसमस्याओं को लेकर चलाए जा रहे आंदोलनों की जानकारी दी। बैठक में सामाजिक समरसता, नारी सशक्तिकरण एवं संगठन के जनहित कार्यों पर विस्तार से चर्चा करते हुए सभी पदाधिकारियों ने एकजुट होकर समाज सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में निधि शर्मा, मुकेश मिश्रा सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एटीएम में चोरी के आरोपी को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। एटीएम में चोरी का प्रयास करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पूर्व में कई मुकदमें दर्ज हैं और पहले भी जेल जा चुका है। कोतवाली रानीपुर प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि 21 फरवरी की रात में एक संदिग्ध ने शिवलोक कालोनी स्थित एटीएम में घुसकर एटीएम का लॉक तोड़कर चोरी करने का प्रयास किया था। शिकायत मिलने पर मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू की गयी। पुलिस टीम ने 23 फरवरी को मुखबिर की सूचना पर शिवलोक स्थित वाटर वर्क्स कालोनी निवासी लविश पुत्र लक्ष्मीचंद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एटीएम का टूटा हुआ लॉक व पेंच, प्लास आदि उपकरण बरामद किए गए। मुकदमें एवं अन्य खर्चों को पूरा करने के लिए उसने एटीएम तोड़कर नगदी चोरी की योजना बनाई थी। पुलिस टीम में एसआई मन्दीप सिंह, कां. अमित चौधरी, दिग्पाल सिंह व उदय नेगी शामिल रहे।

शिक्षकों ने केंद्रीय विवि प्रयागराज का किया भ्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राजकीय डिग्री कालेज भूपतवाला के वाणिज्य विभाग के डा.सचिन अग्रवाल व डा. नितिज्ञा वर्मा ने इलाहाबाद केंद्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज का शैक्षिक एवं सांस्कृतिक भ्रमण किया। उत्तराखंड सरकार की उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत आयोजित किए गए शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम में राज्य के विभिन्न जनपदों के 40 प्राध्यापक शामिल हुए। कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों ने 16 फरवरी से 21 फरवरी तक विश्वविद्यालय के कॉमर्स संकाय, अर्थशास्त्र विभाग तथा विज्ञान संकाय के भ्रमण के साथ त्रिवेणी संगम, इलाहाबाद किला, आनंद भवन, खुसरो बाग, सरस्वती घाट, हनुमान मंदिर (लेटे हनुमान जी) तथा इलाहाबाद संग्रहालय का अवलोकन किया। शैक्षिक यात्रा के क्रम में सभी प्राध्यापकों ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर तथा सारनाथ में भगवान बुद्ध के ज्ञान संदेश से प्रेरणा प्राप्त की। डा.सचिन अग्रवाल व डा. नितिज्ञा वर्मा ने बताया कि इस शैक्षणिक भ्रमण से उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डा. अरुण कुमार चतुर्वेदी ने कहा कि ऐसे शैक्षिक भ्रमण केवल यात्रा नहीं होते, बल्कि ज्ञान, संस्कृति और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत संगम होते हैं, जो शिक्षकों को नई ऊर्जा, व्यापक दृष्टि और नवाचार की प्रेरणा प्रदान करते हैं।

अतिक्रमण के खिलाफ सिटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में कार्रवाई जारी

झंडा चौक से बंगाली चौक और सतीघाट तक फुटपाथ व सड़क से हटवाया अतिक्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में अतिक्रमण के खिलाफ प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी है। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान के नेतृत्व में मंगलवार को कनखल क्षेत्र में व्यापक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने बताया कि कनखल बाजार के झंडा चौक से बंगाली चौक तथा सतीघाट क्षेत्र में दुकानों के बाहर फुटपाथ और सड़क पर रखे सामान, रेहड़ी-ठेली आदि को हटवाया गया। सड़क पर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित हो रहा था और आम नागरिकों को आवागमन में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमण करने वालों का सामान जब्त किया गया और भविष्य में दोबारा अतिक्रमण न करने की कड़ी चेतावनी दी गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि दोबारा उल्लंघन पाए जाने पर भारी जुर्माना और सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर मजिस्ट्रेट कुश्म चौहान ने व्यापार संघ पदाधिकारियों से अपील की कि वे दुकानदारों को स्वयं फुटपाथ और सड़क से सामान हटाने के निर्देश दें, अन्यथा प्रशासन द्वारा जब्ती और जुर्माने की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। प्रशासन ने पुलिस विभाग, नगर निगम हरिद्वार और

लोक निर्माण विभाग को निर्देश दिए हैं कि जहां-जहां से अतिक्रमण हटाया गया है, वहां दोबारा अतिक्रमण न होने दिया जाए। पुन: अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। अभियान के दौरान पुलिस विभाग, सहायक नगर आयुक्त श्याम सुन्दर तथा नगर निगम की टीम मौके पर मौजूद रही।

उड़ान स्कॉलरशिप में मेधावियों की जीत

शाह टाइम्स संवाददाता

बहादराबाद। शिक्षा के क्षेत्र में समान अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में Era International Public School की 'उड़ान स्कॉलरशिप' परीक्षा में बच्चों ने शानदार प्रदर्शन कर सफलता हासिल की। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही छात्रों और अभिभावकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस योजना को आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए एक बड़ा सहारा माना जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि निजी स्कूलों की महंगी फीस के कारण गरीब और मजदूर वर्ग के लोग अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने से वंचित रह जाते हैं। उड़ान स्कॉलरशिप ने इस बाधा को काफी हद तक दूर किया है। अब ऐसे परिवार भी अपने बच्चों को निजी विद्यालय में पढ़ाने का सपना पूरा कर पा रहे हैं और बच्चे खुलकर अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे। उड़ान स्कॉलरशिप के घोषित परिणामों में लक्ष्य ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आदित्य ने 95 प्रतिशत अंक लेकर द्वितीय स्थान तथा जैद अंसारी ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। इन विद्यार्थियों की सफलता ने यह साबित कर दिया कि मेहनत और प्रतिभा के आगे आर्थिक सीमाएँ टिक नहीं पातीं। छात्रों ने कहा कि इस स्कॉलरशिप से उन्हें आगे और बेहतर करने की प्रेरणा मिली है। विद्यालय के निदेशक राव शफात अली ने बताया कि यह स्कॉलरशिप किसी एक समुदाय या वर्ग के लिए नहीं है। इसमें हर जाति और हर वर्ग का बच्चा भाग ले सकता है। जितनी अधिक प्रतिभा, उतना अधिक लाभ इसी आधार पर छात्रों को स्कॉलरशिप दी जाती है। उन्होंने कहा कि कई बच्चे केवल पैसों के अभाव में अपनी प्रतिभा को दबा देते हैं, ऐसे बच्चों को आगे लाने के लिए यह पहल शुरू की गई है।

इंडियन किसान यूनियन ने खेली फूलों की होली

भारतीय संस्कृति का प्रमुख पर्व है होली : रामकुमार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। पूर्व राज्यमंत्री एवं इंडियन किसान यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामकुमार वालिया के संयोजन में यूनियन के दक्ष रोड़ कनखल स्थित कार्यालय पर होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किसानों व अतिथियों ने एक दूसरे से फूलों से होली खेली और मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर रामकुमार वालिया ने कहा कि सनातन धर्म संस्कृति में पर्वों का विशेष महत्व है। खुशी, आनंद, प्रेम और एकता की प्रतीक होली, भारतीय संस्कृति का प्रमुख पर्व है। उन्होंने कहा कि होली ना केवल रंगों और उल्लास का पर्व है, बल्कि सामाजिक समरसता, प्रेम, भाईचारे और बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक और संस्कृति को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। राज्य सरकार से होली से पूर्व गन्ना किसानों का बकाया भुगतान करने की मांग करते हुए रामकुमार वालिया ने कहा कि इंडियन किसान यूनियन पूरे देश में किसानों को एकजुट कर

किसानों के अधिकारों की लड़ाई लड़ेगी। केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ किसानों को दिलाया जाएगा। इंडियन किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष डीपी सिंह एवं प्रदेश महासचिव मनोज कुमार चौहान ने कहा कि रंगों और उमंगों का त्यौहार होली जीवन की एकरसता को दूर कर जीवन में उल्लास का प्रवाह करता है। इस दौरान दुष्यंत कुमार सिंह, प्रणव वत्स, गोपाल सिंह बिष्ट, उपदेश चौहान, सुषमा मिश्रा, संगीता बंसल, अश्वनी चौहान, हरिमोहन भारद्वाज, रकित वालिया, अमित वालिया, रामकुमार मलिक, गौरव वर्मा, तन्नू वालिया, महंत संजीव नाथ सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष पर मुकदमा दर्ज कराए जाने के विरोध में

यूथ कांग्रेस ने प्रदर्शन कर फूंका सरकार का पुतला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब सहित 8 कार्यकर्ताओं पर मुकदमा दर्ज किए जाने के विरोध में यूथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कार्यकारी जिला अध्यक्ष विशाल प्रधान के नेतृत्व में ऋषिकुल तिराहे पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। इस दौरान विशाल प्रधान और युवा नेता अनिल ठाकुर ने कहा कि केंद्र सरकार में अब आमजनता की समस्याओं को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से प्रदर्शन करना भी जुर्म हो गया और यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष और कार्यकर्ताओं के खिलाफ फर्जी मुकदमें दर्ज कर सरकार ने अंग्रेजी शासन में हुई तानाशाही को भी छोटा कर दिया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी और मनोज सैनी ने कहा कि एपस्टिन की फाइल्स में सरकार से जुड़े कई लोगों के नाम

आने से प्रधानमंत्री घबराए और डरे हुए है, जिसके कारण वे लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के सवालों का जवाब देने की हिम्मत भी नहीं जुटा पाए। इतना ही नहीं एआई समिट में जिस तरह से चीन के डॉग रोबोट को अपना बताकर पेश किया गया और पोल खुलने पर देश की दुनियाभर में बदनामी हुई है। उससे हर भारतवासी आक्रोशित है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता अशोक शर्मा और संजय सैनी ने कहा कि मोदी सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। पिछले 11 सालों से मोदी सरकार के राज में न तो महिलाएं सुरक्षित है, न ही युवा। जनता की आवाज उठाने वालों पर फर्जी मुकदमें दर्ज कराए जा रहे हैं। ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा और आईटी सेल के प्रदेश सचिव आशु भारद्वाज, आशु श्रीवास्तव ने कहा कि पीएम ने अमेरिकी राष्ट्रपति के आगे घुटने टेकते हुए देश को बर्बादी के कगार पर लाकर खड़ा कर दिया। अमेरिकी ट्रेड डील हो या ऑपरेशन सिंदूर, इसका जीता जागता प्रमाण है। महिला प्रकोष्ठ की पूर्व अध्यक्ष अंजू द्विवेदी और महिला नेत्री श्रीमती सरिता शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं का शोषण हो रहा हैं। महिलाएं अब घर से बाहर जाने के लिए भी दस बार सोचती हैं। इस अवसर पर पार्षद सुनील कुमार और पार्षद प्रतिनिधि पुनीत कुमार, हरविंदर सिंह उर्फ रिंकू, हेमंत चंचल, यश शर्मा, निखिल सौदाई, शिवम बाल्मीकि, आकाश, गुलशन शर्मा, सोनू सैनी, वसीम सलमानी, मनोज, आशु, अजय उर्फ चीकू, जावेद आलम, आकाश आदि सहित कई कार्यकर्ता शामिल रहे।

सड़क निर्माण के लिए पीएम को लिखा पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राजलोक विकास समिति एवं शहर व्यापार मंडल ज्वालापुर के अध्यक्ष विपिन गुप्ता ने प्रधानमंत्री को पत्र प्रेषित कर हरिलोक तिराहे से सराय गांव होते हुए एकड़ तक जाने वाले तीन किमी लंबे सराय बाईपास रोड का निर्माण कराने की मांग की है। पत्र में विपिन गुप्ता ने अवगत कराया है कि पिछले चार वर्ष से सराय बाईपास रोड अत्यंत जर्जर अवस्था में है। सड़क पर कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बन चुके हैं। जिससे वाहन चालकों, छात्रों एवं व्यापारियों को रोजाना भारी असुविधा का सामना करना पड़ता है। सड़की खराब हालत की वजह से दुर्घटनाओं की संभावना भी बनी रहती है। विपिन गुप्ता ने कहा कि सिंचाई विभाग उत्तराखंड के अधीन वाली सड़क का वर्ष 2019 में स्वीडन के राजा के सराय क्षेत्र में आगमन के अवसर पर केवल औपचारिक रूप से अस्थायी सुधार किया गया था। इसके पश्चात विभाग द्वारा सड़क की कोई सुध नहीं ली गयी।

औद्योगिक एवं फार्मा प्रदर्शनी व उत्तराखंड फार्मा समिट का आयोजन 26 से

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। लघु उद्योग भारती और एमटेक इंडिया द्वारा हरिद्वार में तीन दिवसीय औद्योगिक एवं फार्मा प्रदर्शनी व उत्तराखंड फार्मा समिट का आयोजन किया जा रहा है। प्रेस क्लब में पत्रकारों को जानकारी देते हुए लघु उद्योग भारती के प्रदेश महामंत्री रोहित भाटिया ने बताया कि आयोजन का उद्देश्य उत्तराखंड में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देने के साथ सूक्ष्म और लघु उद्योगों को आधुनिक तकनीक से जोड़ना है। सिडकुल स्थित प्रदर्शनी मैदान में 26 से 28 फरवरी तक आयोजित किए जा रहे इस तीन दिवसीय आयोजन में देशभर की विभिन्न औद्योगिक इकाईयां और फार्मा कंपनियां अपने नवीनतम उत्पादों

और मशीनों का प्रदर्शन करेंगी। रोहित भाटिया ने बताया कि अक्सर छोटे उद्योग नई तकनीक और आधुनिक मशीनों की जानकारी के अभाव में पीछे रह जाते हैं। इसी कमी को दूर करने के लिए इस एक्सपो में मशीन निर्माताओं, लैब उपकरण सप्लायर्स और पैकेजिंग विशेषज्ञों को एक ही मंच पर लाया जा रहा है।

प्रेसवार्ता के दौरान लघु उद्योग भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष अमित त्यागी, हरिद्वार जिला अध्यक्ष मनोज पुंडीर, जिला महामंत्री निखिल गोयल, उपाध्यक्ष विनय, सुरजीत भुल्लर, गजेंद्र सिंह सहित कई पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

कार्यालय - नगर पंचायत सुल्तानपुर आदमपुर (हरिद्वार)

पत्रांक 467 / न0पं0सु0आ0/2025-26 दिनांक: 24/02/2026

॥ ई-निविदा सूचना ॥

नगर पंचायत सुल्तानपुर आमदपुर निम्नलिखित कार्य हेतु दिनांक 10-03-2026 तक समय अपरान्ह 10:00 बजे तक दोहरी निविदा प्राणाली (तकनीकी व वित्तीय) के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। तकनीकी निविदा दिनांक 11-03-2026 को अपराह्न 02:00 बजे निविदा समिति के द्वारा ऑनलाईन कार्यालय नगर पंचायत सुल्तानपुर आमदपुर में खोली जायेगी। ई-निविदा के सम्बन्ध में समस्त शर्तें एवं सूचना http/www.uktenders.gov.in पर दिनांक 25-02-2026 से 10-03-2026 (टू-बिड सिस्टम में) को सायं 16:00 बजे तक उपलब्ध रहेगी। निविदा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी किसी भी कार्यदिवस में अवकाश को छोड़कर निकाय कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

क्र0 स0	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रु0 में)	कार्य की जमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	नगर पंचायत सुल्तानपुर आदमपुर द्वारा रजत जयंती पार्क निर्माण।	120.34 लाख	3,16,000	रु0 4000.00 + GST रु0 720.00	06 माह

नोट: निविदादाता के पास किसी एक डिजीटल हस्ताक्षर अभिप्रमाणन अधिकारी द्वारा जारी हस्ताक्षर पत्र (डी0एस0सी0) होना अनिवार्य है। किसी भी निविदा अथवा समस्त निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत सुल्तानपुर आमदपुर

अध्यक्ष
नगर पंचायत सुल्तानपुर आमदपुर

सूचना

मेरे वाहन चालक लाइसेंस संख्या UK-0820100037335 में नाम त्रुटिवश मैनुद्दीन अंसारी अंकित हो गया है, जबकि मेरे अन्य शासकीय अभिलेखों में मेरा सही नाम मैनुद्दीन दर्ज है। संबंधित सभी अभिलेखों में मेरा सही नाम मैनुद्दीन ही माना जाए। मैनुद्दीन पुत्र श्री सम्मुन अहमद निवासी मौहल्ला मैदानियान, ज्वालापुर, हरिद्वार।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

नाबार्ड ने उत्तराखंड स्टेट क्रेडिट सेमिनार में जारी किया स्टेट फोकस पेपर 2026-27

■ 65,916 करोड़ की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का विमोचन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), उत्तराखंड क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आज स्टेट क्रेडिट सेमिनार 2026ख्र27 का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्टेट फोकस पेपर 2026-27 का औपचारिक विमा. चन किया गया, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026ख्र27 के लिए 65,916 करोड़ की प्राथमिकता क्षेत्र ऋण क्षमता का आकलन प्रस्तुत किया गयाख्रजो कि पिछले वर्ष के मुकाबले 20.51 फीसदी की वृद्धि है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, उत्तराखंड के मुख्य सचिव आनंद बर्धन थे। कार्यक्रम में डॉ. एस.एन. पांडे (सचिव-कृषि), डॉ अहमद इकबाल (सचिव-सहकारिता), नवनीत पाण्डेय (अपर सचिव-वित्त), भारतीय रिजर्व बैंक के महाप्रबंधक, एसएलबीसी पीएनबी एसबीआई सहित विभिन्न वाणिज्यिक बैंकों, राज्य सहकारी बैंक, जिला मध्यवर्ती बैंक के सदस्य, उत्तराखंड ग्रामीण बैंक, विभिन्न सरकारी विभागों के अधिकारी तथा कृषक उत्पादक संघटनों एवं स्वयं सहायता समूह के सदस्य आदि उपस्थित रहे। वन संरक्षण और महिला सशक्तिकरण का प्रतीक-"वन अम्मा" के नाम से प्रसिद्ध भगिरथी देवी-की उपस्थिति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। मुख्य सचिव ने हर वर्ष स्टेट फोकस पेपर जारी करने के लिए नाबार्ड के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अवसंरचना सहायता के अतिरिक्त नाबार्ड द्वारा क्रियान्वित विभिन्न विकासात्मक परियोजनाओं के लिए भी नाबार्ड की प्रशंसा की। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा आजीविका संबंधी चुनौतियों, पर्वतीय क्षेत्रों से निरंतर हो रहे पलायन, अवसंरचना की कमी तथा जल-संबंधी समस्याओं जैसे गंभीर मुद्दों को संबोधित करने हेतु की जा रही निरंतर पहलों पर प्रकाश डाला। उन्होंने उल्लेख किया कि इन प्रयासों के बावजूद, राज्य का क्रेडिटख्रडिपॉजिट अनुपात अभी भी अत्यंत निम्न स्तर पर है, जो आर्थिक विकास की गति को प्रभावित करता है और विभिन्न विकास कार्यक्रमों के प्रभाव को सीमित कर देता है।

उन्होने यह भी रेखांकित किया कि यद्यपि उत्तराखंड ने अब तक 29 भौगोलिक संकेतक उत्पाद प्राप्त किए हैं, लेकिन इन पारंपरिक उत्पादों से जुड़े स्थानीय उत्पादकों एवं समुदायों को अभी तक अपेक्षित आर्थिक लाभ नहीं मिल पाए हैं।

आगे की दिशा बताते हुए उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं एवं कार्यक्रमों में बैंकों की सक्रिय भूमिका और गहन भागीदारी अत्यावश्यक है, जिससे सतत आजीविका अवसर सुनिश्चित हो सकें और विकास पहलों का लाभ वास्तव में जमीनी स्तर तक पहुँचे।

चंपावत में वन पंचायतों के सहयोग से पायलट परियोजना की जा रही शुरू : पंकज यादव

मुख्य महाप्रबंधक पंकज यादव ने बताया कि नाबार्ड को ग्रामीण समृद्धि को सक्षम करने वाले एक मजबूत विकासात्मक इकोसिस्टम के रूप में पहचान मिल रही हैख्रजो नवाचार, समावेशन और सतत विकास को बहु-क्षेत्रीय स्तर पर आगे बढ़ा रहा है। अंतर्राष्ट्रीय महिला किसान वर्ष 2026 के संदर्भ में उन्होंने कृषि समुदाय को सशक्त करने, आजीविका को मजबूत करने तथा ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के लिए नाबार्ड की प्रतिबद्धता को पुन: रेखांकित किया। उन्होंने जानकारी दी कि चंपावत जिले में वन पंचायतों के सहयोग से एक पायलट परियोजना प्रारंभ की जा रही है, जिसके तहत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और आजीविका उन्नयन का समुदाय आधारित मॉडल विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार उत्तरकाशी में एक परियोजना शुरू की जा रही है, जिसका उद्देश्य महिला किसानों की मेहनत को कम करना है। इसके तहत उपयुक्त कृषि उपकरण उपलब्ध कराकर गरिमा, परिचालन क्षमता और उत्पादकता में वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी

सतत विकास लक्ष्य, पीएम गतिशक्ति एवं विजन 2047 पर कार्यशाला सम्पन्न

जनपद को विकास के मानकों पर अग्रणी बनाया जाएगा: आर्य

जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने स्पष्ट किया कि शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप कार्य करते हुए जनपद को विकास के मानकों पर अग्रणी बनाया जाएगा। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने तथा निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करने के निर्देश दिए।

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। कलेक्ट्रेट सभागार में सतत विकास लक्ष्य (ैक्ळ), पीएम गतिशक्ति एवं विजन 2047 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन जिलाधिकारी प्रशांत आर्य की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का आयोजन जिला अर्थ एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा किया गया। शैलेन्द्र सिंह, सीपीपीजीजी, नियोजन विभाग एवं ऐश्वर्य सिंह, पीएम गतिशक्ति विशेषज्ञ देहरादून द्वारा कार्यशाला में उक्त विषयों पर चर्चा की गई।

जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी अतुल आनंद ने कार्यशाला में सम्बोधित करते हुए एसडीजी के बारे में जानकारी दी कि जिला संकेतक फ्रेमवर्क में 132 संकेतक हैं, जिनमें से 43 संकेतकों पर प्रतिमाह सूचना संकलित कर सीपीपीजीजी को भेजी जाती है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखण्ड राज्य देश में प्रथम स्थान पर रहा है। एसडीजी इंडेक्स उत्तराखण्ड 2023-24 की रिपोर्ट के अनुसार 13 जनपदों में उत्तरकाशी तृतीय स्थान पर रहा है।उत्तरकाशी में एसडीजी के तहत आजीविका, पर्वतीय कृषि, बागवानी और जैविक खेती को प्रोत्साहन, गांवों तक स्वास्थ्य सेवाएं, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य सूचकांकों में सुधार लाने का प्रयास किया जा रहा है। उत्तरक. ाशी, जो गंगा के उद्गम स्थल गंगोत्री के लिए प्रसिद्ध है, स्वच्छ जल और स्वच्छता के महत्व को विशेष रूप से दर्शाता है। जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और स्वच्छता अभियान के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया जा रहा है। सतत पर्यटन को बढ़ावा देकर स्थानीय रोजगार सृजन, वनीकरण, भूस्खलन रोकथाम और आपदा प्रबंधन योजनाओं को लागू किया जा रहा है। भूकंप और बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील क्षेत्र होने के कारण आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जनपद में एसडीजी स्थानीय विकास की आधारशिला बन रहे हैं। सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण संरक्षण और समावेशी विकास के माध्यम से यह जनपद सतत विकास की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

विकासनगर पुलिस ने एक वारंटी को किया गिरफ्तार

विकासनगर। वारंटियों के विरुद्ध प्रचलित कार्यवाही में कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा 1 वारण्टी आदेश कुमार पुत्र किशन सिंह निवासी ग्राम मल्लावाला विक. ासनगर को गिरफ्तार किय गया। पुलिस ने वारंटी को कोर्ट में पेश किया जहां से वारंटी को जेल भेज दिया गया। पुलिस टीम में एसआई संदीप पंवार चौकी प्रभारी डाकपत्थर, सिपाही कपिल जोशी शामिल रहे।

गल्जवाड़ी गांव की आबादी एवं मालिकाना हक को लेकर दिए निर्देश

■ स्थानीय उत्पादों को लोकल फॉर वोकल के मंत्र के साथ नेशनल व इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाने पर दिया जोर

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने मंगलवार को अपने कैंप कार्यालय में राजस्व विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ मसूरी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत गल्जवाड़ी गांव की आबादी एवं मालिकाना हक के संबंध में बैठक की। कैबिनेट मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत वर्षों से निवास कर रहे ग्रामीणों को आबादी भूमि पर मालिकाना हक प्रदान करने की प्रक्रिया को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कैबिनेट मंत्री जोशी ने अधिकारियों को शीघ्र ही क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण करने, आवश्यक अभिलेखों का सत्यापन करने तथा पात्र लोगों को मालिकाना हक दिलाने के लिए आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री जोशी ने स्पष्ट किया कि प्रदेश सरकार ग्रामीणों के अधिकारों की रक्षा और उन्हें कानूनी स्वामित्व दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि इस पहल से ग्रामीणों को स्थायित्व, सुरक्षा और विकास योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को समन्वय बनाकर समयबद्ध कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में राजस्व सचिव डॉ एसएन पांडेय, अपर सचिव आनंद श्रीवास्तव, तहसीलदार देहरादून सुरेंद्र सिंह एवं गलजवाड़ी पंचायत की पूर्व प्रधान लीला शर्मा उपस्थित रहीं।

बेहतर सफाई को लेकर अल्ट्रा क्लीनर लॉन्च किया

देहरादून। हार्पिक, जो भारत का नंबर 1 टॉयलेट और बाथरूम क्लीनर है और 100 मिलियन से अधिक घरों द्वारा भरोसेमंद होम हाइजीन सॉल्यूशंस का अग्रणी ब्रांड है, ने अपने अब तक के सबसे उन्नत बाथरूम क्लीनिंग इनोवेशन ख्र न्यू हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर ख्र के लॉन्च की घोषणा की। यह बाथरूम क्लीनिंग श्रेणी में एक दशक से अधिक समय में हार्पिक का सबसे बड़ा नवाचार है। यह उत्पाद सबसे जिद्दी और आम बाथरूम दागों को हटाने के लिए बनाया गया है, जिससे बाथरूम को अल्ट्रा क्लीन बनाया जा सके। बॉलीवुड फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी ब्रांड एंबेसडर के रूप में जुड़े हैं, जो उत्पाद के शक्तिशाली और भरोसेमंद दाग हटाने के वादे को और मजबूत करते हैं। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, गौतम ऋषि, मार्केटिंग डायरेक्टर, हाइजीन, रेकिट - साउथ एशिया ने कहा, "हार्पिक बाथरूम अल्ट्रा क्लीनर एक मजबूत नया नवाचार है।

पारंपरिक शिल्पकारों को सशक्त बनाने को जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

■ स्थानीय उत्पादों को लोकल फॉर वोकल के मंत्र के साथ नेशनल व इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाने पर दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। 'प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना' को धरातल पर उतारने और पारंपरिक शिल्पकारों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक विशाल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। आईटीआई सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में योजना से जुड़े विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने हिस्सा लिया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को मिल रही सुविधाओं की समीक्षा करना और उन्हें भविष्य की संभावनाओं से रूबरू कराना रहा।

विकासनगर स्थित आईटीआई सभागार में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमइ) विभाग, जिला उद्योग केंद्र और बैंकिंग क्षेत्र से आए विशेषज्ञों ने इस कार्यशाला में शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों ने लाभार्थियों और प्रशिक्षणार्थियों से सीधा संवाद किया और टूलकिट से लेकर ऋण प्रक्रिया में आ रही तकनीकी बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने जोर दिया कि योजना का मकसद केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि स्थानीय उत्पादों को 'लोकल फॉर वोकल' के मंत्र के साथ नेशनल और इंटरनेशनल मार्केट तक पहुंचाना है।

मार्केटिंग के आधुनिक तरीकों और सरकारी सहयोग पर भी विस्तार से चर्चा की गई ताकि हमारे पारंपरिक कारीगर आत्मनिर्भर बन सकें। जिसको लेकर विभागीय अधिकारियों का कहना है कि इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों को डिजिटल मार्केटिंग और ब्रांडिंग से जोड़ना है। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि प्रशिक्षण के बाद उन्हें बैंक ऋण और मार्केट लिंकेज में कोई समस्या न आए।

प्रशिक्षु ग्रामीण महिला ऊषा का कहना है कि टूलकिट और सर्टिफिकेट मिलने के बाद हम खुद का काम बेहतर ढंग से कर पाएंगे। बबीता प्रशिक्षु ग्रामीण महिला का कहना है कि इस तरह के प्रशिक्षण से महिलाएं आत्म निर्भर बनती है और स्वयं के कार्य के साथ आस पड़ोस की महिलाओं को भी रोजगार के अवसर प्राप्त होते हैं।

ग्राम पंचायत सकनी में लगी चौपाल में विभागों ने दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

सहिया। कालसी ब्लाक अंतर्गत ग्राम पंचायत सकनी के पंचायती आँगन में सरकार जनता के द्वारा कार्यक्रम के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में उपस्थित विभागों के अधिकारी/कर्मचारियों ने विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों से साझा कर उनसे लाभ लेने पर जोर दिया। वहीं चौपाल में महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र देहरादून मीरा बोहरा चौपाल में बतौर नोडल अधिकारी मौजूद रही। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक मीरा बोहरा ने बैठक में ग्रामीणों की समस्याओं को सुना। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग सहिया के हय्या अलसी सकनी मोटर मार्ग पर हुए हाल ही में हुए डामरीकरण को लेकर शिकायत की ग्रामीणों ने कहा कि साल भर में ही सड़क से डामर उखड़ना शुरू तो गया है, वहीं पीएमजीएसवाई कालसी द्वारा बनी कोठा बैंड पंजीया मोटर मार्ग के क्षतिग्रस्त की शिकायत, बाल विकास विभाग के आंगनबाड़ी भवन के अधूरे कार्य को पूरा करने को लेकर भी शिकायतें दर्ज की गई। चौपाल में ग्राम्य विकास विभाग के जेई पवन जोशी, ग्राम विकास अधिकारी प्रदीप कुमार, नायाब तहसीलदार कालसी रविंद्र सिंह असवाल, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी बीना पुरोहित, पूर्ति निरीक्षक जेपी सकलानी, सहायक कृषि अधिकारी अभिलाषा भट्ट, महेंद्र सिंह, कपिल चौहान के साथ साथ ग्रामीण कुन्दन सिंह पंवार, किशन सिंह पंवार, दीवान सिंह पंवार, सियाराम पंवार, आशीष पंवार, बलबीर पंवार, शांति सिंह, महेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

जैन मंदिर में श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान का आयोजन

■ मंदिर में मंगल कलश व मंगल यंत्र विराजमान किए गए

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। श्री दिगम्बर जैन मंदिर विकासनगर में आज आठ दिवसीय श्री 1008 सिद्धचक्र महामण्डल विधान का शुभारंभ मंदिर के शिखर पर मंगल ध्वजारोहण के साथ हुआ।

इंदौर (म.प्र.) से पधारीं बाल ब्र. रेखा दीदी एवं बाल ब्र. सरिता दीदी के सानिध्य में आयोजित विधान में प्रात: श्रीजी का अभिषेक, नित्यनियम पूजाएं संपन्न हुईं। उपरांत, विधान के प्रथम दिन अनन्त श्री सिद्ध भगवानों की संगीतमय विशेष पूजाएं की गईं। इस अवसर पर मंदिर में श्री सिद्धचक्र विधान का विशेष आकर्षक मांडना सजाया गया जिस पर मंगल कलश एवं मंगल यन्त्र विराजमान किए गए। इसी मांडने पर समस्त पूजाओं की स्थापना सम्पन्न होगी। मंदिर को अत्यन्त आकर्षक रूप में सजाया गया है। समाज के अनेकों पुरुष व महिलाएं इन्द्र एवं इन्द्राणी के रूप में विधान में सम्मिलित हो रहे हैं। आज के आयोजन में अनिल कुमार जैन, सुरेश चन्द जैन, प्रवीण जैन, आयुष जैन, आशीष जैन, वन्दना जैन, नीलम जैन, जीवनलता जैन, सुशीला जैन, कौशल्या जैन, शशि जैन, रश्मि जैन, उमा जैन, पूनम जैन, सुनीता जैन, श्वेता जैन, भावना जैन, कुमकुम जैन, निधि जैन, तरंग जैन, सुरभि जैन, स्वाति जैन, अंजलि, पूजा, साक्षी , सुशील जैन, संजीव जैन, राजीव जैन, राज कुमार जैन, विपिन जैन आदि मौजूद रहे।

अलंकरण समारोह में सम्मानित हुये अफसर

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। क्लेमेंटटाउन स्थित सैन्य परिसर में मंगलवार को मध्य कमान अलंकरण समारोह 2026 गरिमामय सैन्य परंपराओं के बीच आयोजित किया गया. समारोह में उत्कृष्ट शौर्य, विशिष्ट सेवा और पेशेवर दक्षता के लिए सेना के अधिकारियों, जवानों और यूनिटों को सम्मानित किया गया। समारोह की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता, जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ, मध्य कमान ने की. उन्होंने परिचालन और प्रशासनिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले सैन्य कर्मियों को पदक और प्रशस्ति पत्र प्रदान किए. कार्यक्रम के दौरान सैन्य अनुशासन, परंपरा और गौरव का विशेष संगम देखने को मिला। इस वर्ष कुल 26 वीरता एवं विशिष्ट सेवा पदक प्रदान किए गए. इनमें तीन युद्ध सेवा मेडल, 13 सेना मेडल (वीरता), चार सेना मेडल (विशिष्ट सेवा) और छह विशिष्ट सेवा मेडल शामिल रहे. इसके अतिरिक्त 28 यूनिटों को उनकी पेशेवर उत्कृष्टता और निरंतर उच्च प्रदर्शन के लिए जीओसी-इन-सी, मध्य कमान यूनिट प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया।

पलायन रोकथाम व सीमांत क्षेत्रों में रोजगार योजनाओं को तेजी से लागू करने के निर्देश

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री पलायन रोकथाम योजना तथा मुख्यमंत्री सीमांत क्षेत्र विकास कार्यक्रम की अनुवीक्षण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि पलायन रोकथाम और सीमांत क्षेत्रों में रोजगार व आजीविका से संबंधित योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर गैप न रहे। जनपदों से आने वाले प्रस्तावों के अनुमोदन की प्रक्रिया को तेज रखते हुए निर्धारित टाइमलाइन में कार्य पूर्ण किए जाएं।

पुराने क्रियान्वयनों की समीक्षा करते हुए योजनाओं से धरातली आउटकम सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया।

टारगेटेड अप्रोच व संसाधन-आधारित इंटरवेंशन पर बल

मुख्य सचिव ने योजनाओं के क्रियान्वयन में टारगेटेड अप्रोच और प्रभावी इंटरवेंशन अपनाने के निर्देश दिए ताकि अपेक्षित परिणाम प्राप्त हों।

उन्होंने कहा कि जिन गांवों में एमपीआरवाई और एमबीएडीपी संचालित हैं, वे स्वरोजगार व आजीविका के मामलों में अन्य सीमांत गांवों के लिए प्रेरणादायी मॉडल बनें। साथ ही सीमांत गांवों में उपलब्ध संसाधनों और कमी (गैप) का वैज्ञानिक अध्ययन कर उसी अनुरूप योजनाओं का इम्प्लीमेंटेशन किया जाए।

वार्षिक कार्ययोजना 2025-26: प्रगति तेज करने के निर्देश

बैठक में पलायन आयोग के उपाध्यक्ष एस.एस. नेगी ने बताया कि योजनाओं का प्रभाव दिख रहा है, किंतु और बेहतर क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

एमपीआरवाई के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 12 जनपदों में 90 योजनाएं प्रस्तावित हैं।

एमबीएडीपी के अंतर्गत वर्ष 2025-26 में 5 सीमांत जनपदों के चिन्हित विकासखंडों में 155 योजनाएं प्रस्तावित हैं।

मुख्य सचिव ने दोनों योजनाओं की प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए।

संदर्भित है कि एमपीआरवाई उत्तराखंड के 50% तक पलायन-प्रभावित 474 गांवों में आवासीय परिवारों, बेरोजगार युवाओं एवं रिवर्स माइग्रेंट्स को स्वरोजगार उपलब्ध कराने के लिए संचालित है।

एमबीएडीपी के माध्यम से पांच सीमांत जनपदों के सीमांत विकासखंडों में सतत आजीविका व स्वरोजगार के संसाधन उपलब्ध कराकर पलायन रोकने और रिवर्स माइग्रेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

बैठक में सचिव सचिन कुर्वे व डी.एस. गब्रियाल, विशेष सचिव निवेदिता कुकरेती, अपर सचिव अनुराधा पाल, झरना कमठान, हॉफ वन विभाग रंजन कुमार मिश्र सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खोया पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मकान की रजिस्ट्री जो कि पूर्व भवन स्वामी श्री रईस अब्बास जैदी पुत्र श्री अमीर अब्बास जैदी निवासी मकान नं. 36 पूसा खटीकान,कस्बा पिलखुवा जिला गाजियाबाद उत्तर प्रदेश के नाम थी, जिसका बही नं 1,जिल्द नं. 2594, पृष्ठ नं. 239 से 258 क्रमांक 6543 जो कि उपनिबन्धक प्रथम देहरादून में दर्ज व अंकित है, इसके साथ ही फी होल्ड विलेख दिनांक 23.06.2008,बही नं. 1,जिल्द 2278, पृष्ठ 85/98 क्रमांक 2872 दिनांक 23.06.2008 भी कहीं गुम हो गया है। काफी तलाशने पर भी नहीं मिल पाए हैं। रायपुर थाने पर एफआईआर दिनांक 23.02.2026 दर्ज की गई है। उक्त दस्तावेजों का उपयोग किसी भी व्यक्ति द्वारा अवैध होगा। अगर किसी व्यक्ति को मिले तो दिए गए पते पर 15 दिन के अन्दर सम्पर्क करें। में भारतीय स्टेट बैंक साइबर ट्रेजरी शाखा(16312) देहरादून से ऋण के लिए आवेदन कर रही हूँ।

श्रीमती निगहत अंजुम
पत्नी श्री शराफत आलम अंसारी
निवासी 194 एमडीडीए कालोनी
चन्दर रोड़ डालनवाला देहरादून।

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (कनिष्ठ खण्ड) महोदय, पौडी गढवाल
दी. वाद संख्या 02/26

वादी:- श्री विपिन सिंह नेगी उम्र 29 वर्ष पुत्र स्व० विनोद सिंह निवासी ग्राम खोला पट्टी सितोनस्यूं, विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल मो०-

बनाम

प्रतिवादीगण:-1. श्री राहुल सिंह नेगी उम्र 25 वर्ष पुत्र स्व० विनोद सिंह निवासी ग्राम खोला पट्टी सितोनस्यूं विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल। 2. ग्राम प्रधान ग्राम पंचायत खोला सितोनस्यूं, विकास खण्ड कोट, तहसील पौडी, जिला पौडी गढवाल। 3. आम व खास।

नोटिस सिविल बनाम आम व खास

चूंकि वादी ने इस न्यायालय में अपनी माता श्रीमती सुबोधनी देवी के 18 अगस्त 2014 से लापता होने के कारण उनकी दीवानी मृत्यु घोषित करवाने बावत घोषणात्मक वाद अन्तर्गत पद धारा 34 विशिष्ट अनुतोष अधिनियम योजित किया है, जिस पर जवाबदेही की तिथि 10.03.2026 नियत है।

अत: हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को इस बावत कोई आपत्ति हो तो वह उक्त तिथि को ठीक 10 बजे प्रात: इस न्यायालय में स्वयं/मॉर्फत अधिवक्ता उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा उक्त वाद में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 11.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

आज्ञा से
सिविल जज (क.ख.)
पौडी गढवाल

न्यायालय श्रीमान परिवार न्यायालय जनपद रूद्रप्रयाग
प्र.दी. वा. सं. 01/26

प्रार्थी:- राजेन्द्र शाह पुत्र बसंत लाल निवासी ग्राम घेघड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग।

बनाम

प्रतिवादीगण:-1. संदीप शाह पुत्र बसंत लाल। 2. संगीता पुत्री बसंत लाल निवासीगण ग्राम घेडड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग। 3. ग्राम पंचायत घेघड़ द्वारा ग्राम प्रधान घेघड़ विकासखण्ड जखोली तहसील जखोली जिला रूद्रप्रयाग। आम व खास

समन बनाम:-आम व खास

हरगाह सर्वसाधारण को जरिये समन सूचित किया जाता है कि प्रार्थी द्वारा अपने स्व. पिता बंसत लाल के के भारतीय स्टेट बैंक शाखा कीर्तिनगर में खाता सं. 31574794963 में जमा रूपये मु. 3598142.10/-रू. का उत्तराधिकार प्रमाण पत्र चाहने बाबत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है, जिसमें दिनांक 17.03.2026 को तिथि सुनवाई हेतु नियत है। जिस किसी व्यक्ति को प्रार्थी के पक्ष में उक्त उत्तराधिकार प्रमाण पत्र जारी किये जाने में हुई आपत्ति हो तो वह उक्त नियत तिथि पर प्रात: ठीक 10 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित आकर अपना पक्ष प्रस्तुत करे। अन्यथा मामले में एक पक्षीय कार्यवाही की जायेगी। सूचना जाने।

आज दिनांक 24.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।

रोशन लाल वंशल्वाण
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/
सदर मुन्सरिम
जिला जज कोर्ट रूद्रप्रयाग

न्यायालय असि. कलेक्टर प्रथम श्रेणी चाकीसैण पौडी
वाद सं. 02/2025-2026

वादी- हरि सिंह व आदि

बनाम्

प्रतिवादी- समस्त सहखातेदार

नोटिस/समन् बनाम 1. तोता सिंह पुत्र वचू 2 सुरेन्द्र सिंह पुत्र वचू 3-ज्ञान सिंह पुत्र गोविन्द सिंह 4. मोहन सिंह पुत्र गोविन्द सिंह 5. मगन सिंह पुत्र जसराम 6. गणेश सिंह पुत्र जसराम 7. जसमती देवी पत्नी जसराम 8. लक्ष्मण सिंह पुत्र कलम सिंह पोता जसराम 9. रोशनी देवी पत्नी कलम सिंह पुत्रबधू जसराम 10. भगत सिंह पुत्र अवतार सिंह 11. मंगल सिंह पुत्र अवतार सिंह 12. कलम सिंह पुत्र अवतार सिंह 13. मनोज सिंह पुत्र अवतार सिंह 14. राम सिंह पुत्र बगोलिया 15. मोहन सिंह पुत्र बगोलिया 16. ब्रहम सिंह पुत्र बगोलिया 17. प्रेम सिंह पुत्र बगोलिया 18. देव सिंह पुत्र बगोलिया 19. देव सिंह पुत्र बगोलिया 20. हर्ष सिंह पुत्र हीरा सिंह 21. शारदा देवी पत्नी हीरा सिंह 22. पंचम सिंह पुत्र चमडु 23. ललित सिंह पुत्र गगन सिंह 24. आनन्द सिंह पुत्र गगन सिंह 25. मगनी देवी पत्नी गगन सिंह 26. सुरेन्द्र सिंह वैशाख सिंह 27. जतिन पुत्र कुलदीप सिंह पोता वैशाख सिंह 28. वर्षा पत्नी कुलदीप सिंह पुत्रवधु बैशाख सिंह 29. खुशाल सिंह पुत्र इन्द्र सिंह।

समस्त निवासीगण न्यानगढ, पट्टी कण्डारस्यूं-1 तहसील चाकीसैण जिला पौडी गढवाल।

चूंकि वादीगण द्वारा इस न्यायालय में एक वाद अन्तर्गत धारा 33/39 उ.प्र.ज. वि. एवं भू.सु.अधि. के तहत ग्राम न्यानगढ, पट्टी कण्डारस्यूं-1 तहसील चाकीसैण जिला पौडी गढवाल की वर्तमान खाता खतौनी स० 00007 में दर्ज अपने अशुद्ध नामों को शुद्ध प्रवृष्टि करने हेतु वाद योजित किया है। जिसमें जवाबदेही की तिथि दि. को नियत है।

अत: आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक 02.03.2026 को समय 1.00 बजे/अपराह्न स्वयं/मार्फत अधिवक्ता न्यायालय में उपस्थित होकर जवाबदेही करें अन्यथा वाद में एकतरफा कार्यवाही की जायेगी।

आज दिनांक 23.02.2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी।

आज्ञा से-
न्यायालय असि. कलेक्टर प्रथम
चाकीसैंण पौडी गढ़वाल

सेवानिवृत्त सैनिक समाज की चलती–फिरती अकादमी की तरह : राज्यपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय सैनिक संस्था के 18वें राष्ट्रीय अधिवेशन में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के सदस्यों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया।

राष्ट्रीय अधिवेशन को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह संगठन केवल पूर्व सैनिकों का मंच नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की एक जीवंत ऊर्जा है, जो अनुभव और युवा शक्ति को एक सूत्र में पिरोकर समाज को दिशा दे रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि सेवानिवृत्त सैनिक समाज की चलती–फिरती अकादमी की तरह हैं। वर्दी उतरने के बाद भी सैनिक का उत्तरदायित्व समाप्त नहीं होता। उन्होंने पूर्व सैनिकों से आह्वान किया कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास और युवा मार्गदर्शन जैसे क्षेत्रों में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ। उन्होंने कहा कि आज के दौर में समाज में अनुशासित एवं सजग नेटवर्क की आवश्यकता है, जिसमें राष्ट्रीय सैनिक संस्था की भूमिका महत्वपूर्ण है। राज्यपाल ने कहा कि सेना में बिताया गया समय युवाओं को अनुशासन, आत्मविश्वास और राष्ट्र प्रथम की भावना से ओतप्रोत करता है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र रक्षा को अपना धर्म मानकर आगे आने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के सशक्तीकरण और विकास को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'वाइब्रेंट विलेज' परिकल्पना ने सीमा के गाँवों को देश के "प्रथम गाँव" के रूप में स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि पलायन रोकना और सीमांत क्षेत्रों को सुदृढ़ बनाना रणनी. तिक आवश्यकता है, इसमें पूर्व सैनिकों का योगदान महत्वपूर्ण हो सकता है। राज्यपाल ने कहा कि आज का नया भारत आत्मविश्वास से परिपूर्ण है और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है। एआई, ड्रोन और साइबर सुरक्षा जैसे आधुनिक आयामों के साथ भारत वैश्विक नेतृत्व के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक नागरिक को सैनिक की भाँति अनुशासित, समर्पित और राष्ट्र प्रथम के भाव से कार्य करना होगा।

बहुउद्देश्यीय शिविर में 53 शिकायतें दर्ज, 30 का मौके पर निस्तारण

शाहर टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन पर संचालित 'जन–जन की सरकार, जन–जन के द्वार' अभियान के तहत विकासखंड द्वारीखाल की न्याय पंचायत सुराड़ी में बहुउद्देश्यीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विभिन्न विभागों ने एक ही स्थान पर पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और योजनाओं का लाभ प्रदान किया।

चेलूसैंण मिलन केंद्र में आयोजित शि. विर की अध्यक्षता डीएफओ लैंसडाउन जीवन मोहन दगाड़े ने की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनते हुए कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया। साथ ही शेष शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे शिविरों के माध्यम से आमजन को एक ही स्थान पर विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में प्रतिभाग करने को कहा। नोडल अधिकारी शिविर एवं संभागीय परिवहन अधिकारी द्वारिका प्रसाद ने बताया कि शिविर में कुल 53 शिकायतें दर्ज हुई, जिनमें से 30 का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए प्रेषित किया गया। उन्होंने बताया कि शिविर में 109 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी प्रदान किया गया।शिविर में करीब 550 ग्रामीणों ने प्रतिभाग कर अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं। इस दौरान डीएफओ ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भी निरीक्षण किया गया और अधिकारियों को निर्देश दिये कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर तत्काल उपलब्ध कराया जाए। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य महेंद्र राणा व अर्जुन सिंह, कनिष्ठ उप प्रमुख कौशल्या देवी, खंड विकास अधिकारी जयकृत सिंह बिष्ट सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

डीएम के निरीक्षण का असरः तिलवाड़ा बाजार में मलबा हटाने का कार्य तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आगामी श्री केदारनाथ धाम यात्रा को सुव्यवस्थित, सुरक्षित और जाम मुक्त बनाने को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के तिलवाड़ा बाजार क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग के निरीक्षण का धरातल पर व्यापक असर देखने को मिला। डीएम के निर्देशों के अनुपालन में कार्यदायी संस्था ने जेसीबी मशीनों के जरिए सड़क पर पड़े मलबे को हटाने का कार्य युद्धस्तर पर शुरू कर दिया है।

बीते दिन निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय राजमार्ग की अधिग्रहित भूमि से हटाए गए अतिक्रमण की स्थिति का जायजा लिया था। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कार्यदायी संस्था को सख्त लहजे में हिदायत दी थी कि सड़क किनारे पड़े मलबे को तत्काल हटाया जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले सड़क पर किसी भी प्रकार का अवरोध या बाधा स्वीकार नहीं की जाएगी।

तिलवाड़ा बाजार में अक्सर लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए प्रशासन सड़क चौड़ीकरण और मलबा निस्तारण पर विशेष ध्यान दे रहा है। मंगलवार सुबह से ही क्षेत्र में जेसीबी मशीनों की गड़गड़ाहट सुनाई दी और मलबे को हटाकर यातायात के लिए रास्ता साफ किया गया। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि देश–दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं को यात्रा मार्ग पर आवागमन में कोई असुविधा न हो। जिला प्रशासन की ओर से केदारनाथ यात्रा को लेकर तैयारियों की निरंतर समीक्षा की जा रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निर्माण कार्यों के दौरान सुरक्षा मानकों का पूरा ध्यान रखा जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि मुख्य मार्ग पूरी तरह से सुचारू रहे।

मालवाहक वाहन में सवारियां: पुलिस ने काटा चालक का चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। थाना थत्यूड पुलिस ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने और लोगों की जान जोखिम में डालने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया है। इसी कड़ी में पुलिस ने एक मालवाहक वाहन का व्यवसायिक उपयोग कर उसमें अवैध रूप से सवारियां ढोने पर कड़ी कार्रवाई की है। थत्यूड थाने की धनौल्टी चौकी पुलिस ने अपने क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान के दौरान एक संदिग्ध पिकअप वाहन को रोककर उसकी बारीकी से जांच की। जांच के दौरान पुलिस टीम ने पाया कि उक्त मालवाहक वाहन में चालक द्वारा निर्धारित नियमों को ताक पर रखते हुए क्षमता से अधिक कुल दस सवारियां बैठाई गई थीं जो पूरी तरह से गैरकानूनी और सफर के लिहाज से बेहद खतरनाक है। मालवाहक वाहन में इस प्रकार अवैध रूप से सवारियों को ढोने पर पुलिस ने त्वरित संज्ञान लिया। मौके पर ही वाहन चालक के खिलाफ मोटर वाहन अधिनियम के कड़े प्रावधानों के तहत वैधानिक कार्रवाई करते हुए उसका चालान काट दिया गया। इस घटना के बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल ने जिले के सभी व्यावसायिक और मालवाहक वाहन चालकों से विशेष अपील की है। उन्होंने कड़े शब्दों में स्पष्ट किया है कि कोई भी चालक मालवाहक वाहनों का इस्तेमाल सवारियां ढोने के लिए बिल्कुल न करे और सभी यातायात नियमों का पूरी ईमानदारी से पालन करे ताकि किसी भी प्रकार की अनहोनी से बचा जा सके।एसएसपी आयुष अग्रवाल ने चेतावनी देते हुए कहा कि यातायात नियमों की अनदेखी या उल्लंघन करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ आगे भी इसी तरह की कठोर वैधानिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। पुलिस का यह चेकिंग अभियान भविष्य में भी लगातार जारी रहेगा। पुलिस प्रशासन का मुख्य उद्देश्य सड़क हादसों पर प्रभावी रूप से लगाम लगाना है।

डीएम विशाल मिश्रा ने की जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। आगामी चारधाम यात्रा को निर्बाध और सुगम बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने जिला कार्यालय सभागार में जल जीवन मिशन की विस्तृत समीक्षा करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि यात्रा शुरू होने से पहले यात्रा मार्ग और प्रमुख पड़ावों पर पेयजल व्यवस्था चाक–चौबंद की जाए।

जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देशित किया कि यात्रा मार्ग के सभी शौचालयों और विश्राम स्थलों पर नियमित पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने जल संस्थान और जल निगम के अधिकारियों को संभावित जल संकट वाले क्षेत्रों की पहचान कर उनके लिए अग्रिम कार्य योजना तैयार करने को कहा। डीएम ने कहा कि तीर्थयात्रियों को पेयजल के लिए किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए।

बैठक में 'जल जीवन मिशन' के अंतर्गत चल रहे कार्यों की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने एफएचटीसी (नल कनेक्शन) के लक्ष्यों को शत–प्रतिशत हासिल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर ग्रामीण परिवार तक स्वच्छ जल पहुंचाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कार्यों की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए उन्होंने सोशल ऑडिट रिपोर्ट पर भी विस्तार से चर्चा की। पेयजल लाइनों के निर्माण में वन क्षेत्र से संबंधित आ रही बाधाओं को दूर करने के लिए डीएम ने वन विभाग और पेयजल विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में देरी न हो।

एक नजर ....

इंद्रिया ने उत्तर भारत में बढ़ाई अपनी मौजूदगी

देहरादून। आदित्य बिड़ला ग्रुप का ज्वेलरी ब्रांड इंद्रिया ने हल्द्वानी में अपना पहला स्टोर लॉन्च कर उत्तराखंड के बाजार में औपचारिक प्रवेश किया है। ब्रांड के राष्ट्रीय विस्तार के सफर में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कुमाऊं की खूबसूरत तलहटी में बसा हल्द्वानी, उत्तराखंड का एक प्रमुख व्यावसायिक केंद्र है, जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और बारीक स्वर्ण व रजत कारीगरी के लिए प्रसिद्ध है।इंद्रिया के सीईओ, संदीप को. हली ने कहा, हल्द्वानी में हमारा पहला स्टोर उत्तराखंड में इंद्रिया की शुरुआत का प्रतीक है और उत्तर भारत में विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस क्षेत्र में ग्राहकों की बढ़ती आकांक्षाओं और आभूषणों के प्रति उनके गहरे सांस्कृतिक जुड़ाव को देखते हुए हमें यहाँ अपार संभावनाएं नजर आती हैं।

जनता की समस्याओं का समय पर हो समाधानः डीएम

रुद्रप्रयाग। मुख्यमंत्री पोर्टल पर दर्ज शिकायतों के समाधान को लेकर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कड़ा रुख अपनाया है। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि जन समस्याओं का निस्तारण केवल कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर संतोषजनक ढंग से होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि बिना कारण देरी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री पोर्टल शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल है। सभी विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करें ताकि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापरक निस्तारण सुनिश्चित हो सके। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने पाया कि मुख्यमंत्री पोर्टल पर जनपद में अलग–अलग विभागों में दर्ज शिकायतें निस्तारण के लेकर दर्ज हैं। जिनमें एल–1 में 57 जबकि एल–2 में कुल 28 शिकायत लंबित है। उन्होने कहा कि उनकी और से स्वयं इन शिकायतों की प्रगति की निरंतर समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में ढिलाई बरतने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

नालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

श्रीनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पौड़ी के सिविल जज नाजिश कलीम ने मंगलवार को केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस के अवसर पर विधि भवन सभागार में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। आम जनमानस को उनके कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों तथा निःशुल्क विधिक सहायता योजनाओं के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगे शिविर में लोगों को निःशुल्क विधिक सहायता, लोक अदालत, मध्यस्थता तथा नालसा की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क दिवस के उद्देश्य कर प्रणाली के प्रति जन–जागरूकता बढ़ाना, ईमानदार कर अनुपालन को प्रोत्साहित करना तथा देश के आर्थिक विकास में अप्रत्यक्ष करों की भूमिका को रेखांकित किया गया। साथ ही यह भी बताया गया कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क व्यवस्था ने उद्योगों के नियमन, राजस्व संग्रहण एवं राष्ट्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा कर संबंधी कानूनों की जानकारी होना सामाजिक एवं आर्थिक न्याय की दिशा में अत्यंत आवश्यक बताया। इस अवसर पर तालुका विधिक सेवा समिति कि अध्यक्ष अलका, तहसीलदार श्रीनगर दीपक भंडारी, आबकारी निरीक्षक रविन्द्र डिमरी, औषधि निरीक्षक डॉ. सीमा बिष्ट चौहान, बार एसोसिएशन श्रीनगर के अध्यक्ष प्रमेश जोशी, अनूप श्री पांथरी, भूपेन्द्र पुंडीर, विवेक जोशी, प्रदीप मैठाणी, नितेश भारती बलवीर सिंह रौतेला, सुबोध भट्ट सहित आदि मौजद थे।

महाविद्यालय में गंगा स्वच्छता के लिए हस्ताक्षर अभियान व शपथ ग्रहण समारोह

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। ओंकारानंद सरस्वती राजकीय महाविद्यालय में नमामि गंगे समिति के तत्वावधान में गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता को लेकर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में एक वृहद हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और सभी उपस्थित लोगों को गंगा स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. अर्चना धपवाल ने की, जिन्होंने युवाओं को जल संरक्षण के प्रति प्रेरित किया।

कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ नमामि गंगे के नोडल अधिकारी डॉ. सुबोध कुमार द्वारा हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत कर किया गया। इस विशेष जागरूकता अभियान में महाविद्यालय के छात्र–छात्राओं और सभी प्राध्यापकों ने पूरे उत्साह के साथ बढ़–चढ़कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सभी ने हस्ताक्षर कर मां गंगा को हमेशा स्वच्छ, अविरल और निर्मल बनाए रखने का दृढ़ संकल्प लिया। हस्ताक्षर अभियान के पश्चात, नमामि गंगे समिति के सक्रिय सदस्य डॉ. अमित कुमार के नेतृत्व में उपस्थित सभी छात्र–छात्राओं और स्टाफ ने एक स्वर में गंगा स्वच्छता की शपथ ग्रहण की। इस पवित्र शपथ के माध्यम से सभी उपस्थित जनों ने गंगा नदी की स्वच्छता बनाए रखने, जल स्रोतों का संरक्षण करने और पर्यावरण के प्राकृतिक संतुलन को सुरक्षित रखने में अपनी सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाने का संकल्प दोहराया।

इस अवसर पर महाविद्यालय प्रशासन ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को सुदृढ़ करने के लिए इस प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत आवश्यक है। युवा पीढ़ी ही भविष्य की कर्णधार है और नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने की सबसे बड़ी जिम्मेदारी उन्हीं के कंधों पर है। इस पूरे जन जागरूकता कार्यक्रम के सफल आयोजन और व्यवस्थापन में महाविद्यालय के शिक्षणेत्तर कर्मचारी अर्जुन और नरेंद्र का विशेष एवं उल्लेखनीय सहयोग रहा। इस मौके पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सोमेश्वर देवता का देव गोती मेला ध्याणी मिलन समारोह के साथ संपन्न

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: रवांई की संस्कृति वास्तव में बहुरंगी, समृद्ध और अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। यह क्षेत्र केवल प्राकृतिक सुंदरता ही नहीं, बल्कि देव–संस्कृति, पारंपरिक लोक कलाओं का अनूठा संगम है।

जिले सीमांत मोरी विकासखण्ड के सौड़–सांकरी क्षेत्र में लोक देवता सोमेश्वर महादेव मंदिर में देव गोत मेला मैती– ध्याणी मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया है। गांव की ध्याणियों ने पारंपरिक परिधान पहनकर सामूहिक तांदी नृत्य कर अपने आराध्य को सोने की माल समर्पित कर गांव की खुशहाली की कामना किया है।

बता दें कि मोरी ब्लॉक के बड़ासू क्षेत्र के ओसला गांव में सोमेश्वर देवता का मेला धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर क्षेत्र के 22 गांव के ग्रामीण और श्रद्धालु मेले में पहुंचे और अपने आराध्य देव सोमेश्वर की पूजा अर्चना कर अपने परिवार की खुशहाली की कामना की। इस मौके पर फिताड़ी, जखोल, औसला, गंगाड़, ढाटमीर, सांकरी, सिदरी, सौड़, पांव, धारा, सुनकुनड़ी के ग्रामीण मंदिर परिसर में एकत्रित हुए। जहां ग्रामीणों ने सोमेश्वर देवता की डोली के साथ रासौ, तांदी नृत्य किया। इस दौरान ध्याणियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और बाद में विशाल भंडारा आयोजित किया गया है।

इस दौरान कृपाल सिंह पूजारी,प्रहलाद सिंह रावत,अंजना,चन्द्रमणि रावत,अतर सिंह पंवार,भजन सिंह समेत भारी संख्या में लोग मौजूद थे।

एसी कॉपर पाइप के साथ चोर गिरफ्तार

काशीपुर। एक दुकान से चोरी गये एसी के कॉपर पाइप के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर पुलिस चोरी की घटना का 24 घंटे से भी कम समय में खुलासा कर दिया। सैनिक कॉलोनी निवासी जगत सिंह पुत्र खुशवंत सिंह ने कोतवाली तहरीर देकर कहा कि उसकी रामनगर रोड स्थित दुकान से अज्ञात चोर द्वारा लगभग 15,000/– रुपए कीमत के कॉपर के पाइप की चोरी कर लिये हैं। जिस संबंध में कोतवाली काशीपुर में धारा 303 (2) बीएनएस के तहत अभियोग पंजीकृत किया गया। उक्त चोरी की घटना का अनावरण करने हेतु वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा दिए गए आदेश निर्देश क्रम में तथा पुलिस अधीक्षक काशीपुर व क्षेत्राधिकारी बाजपुर के कुशल निर्देशन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली काशीपुर द्वारा गठित पुलिस टीम द्वारा चोरी गये कॉपर के पाइप के टुकड़ों के साथ मुकीम पुत्र अब्दुल वहीद निवासी मोहल्ला काजीबाग कटोराताल को गिरफ्तार कर चोरी की घटना का 24 घंटे के भीतर अनावरण किया गया।

युवक पर मां व जीजा को धमकाने का आरोप

काशीपुर। एक महिला ने एक युवक पर अपनी मां व जीजा को धमकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू करती है। आवास विकास निवासी पूजा कश्यप पुत्री चन्द्रपाल कश्यप ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि काशीपुर कोतवाली मे एक मुकदमा पंजीकृत करवाया गया था, जिसमें उच्च न्यायालय द्वारा अभियुक्त अमित कुमार पुत्र हरद्वारी को प्रतिदिन 2 बार थाने मे प्रस्तुत होने के लिए आदेशित किया गया है, खुद को फंसता हुआ देखकर अमित कुमार अपने साथ राजू मुखर्जी पुत्र भोला निवासी ग्राम रामनगर काशीपुर व एक अन्य व्यक्ति ने विगत 22 फरवरी को दोपहर मेरी माता और जीजा को चैती चौराहे के पास घेर लिया और गन्दी गालियां देते हुए घमकी दी कि अपनी बेटी से कह देना कि अपना मुकदमा वापस ले लेगी नही तो मेरे साथ सुखवंत सिंह हरविन्दर सिह उर्फ राजू, राजेश जैसे लोग रहते है जिन पर हत्या रंगदारी जैसे मुकदमे चल रहे हैं, उनसे तेरी बेटी की हत्या करवा दूंगा। अमित कुमार, राजू मुखर्जी और उनके अन्य साथी के साथ रास्ते मे जबरन घेरकर गाली गलौच की जान से मारने की घमकी दी व मेरे द्वारा लिखवाए मुकदमे को वापस लेने के लिए दबाव बनाया। ये सारा प्रकरण आस–पास के सीसीटीवी कैमरे में देखा जा सकता है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादकः

एस.एन. राना

*कार्यकारी सम्पादक

आनन्द बत्रा 'सुमन'

स्थानीय सम्पादक

चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई–राजपुर रोड देहरादून

☎0135-2743363

R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656

मोबाइल–9720007290

www.shahtimesnews.com

email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

मां रेणुका विकास मेले का सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ हुआ शुभारंभ

उत्तरकाशी : सिद्धपीठ माँ रेणुका देवी मन्दिर परिसर डुंडा में सात दिवसीय माँ रेणुका विकास मेले का शुभारंभ कचक्रूड देवता और रेणुका की डोली के सांध्य में किया गया है।मंगलवार को मां रेणुका मंदिर परिसर डुंडा में देव डोलियों के सानिध्य में सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन के लिए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मेले का शुभारंभ किया है।कार्यक्रम में सरस्वती विद्या मंदिर कुंडा की छात्रों में स्वागत गान कर अतिथियों का स्वागत किया। इस मौके पर स्थानीय कलाकारों व उत्तराखंड के प्रसिद्ध लोक गायक रजनी कांत सेमवाल ने अपनी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से मेलार्थियों को झूमने को मजबुर कर दिया।इस अवसर पर मेला अध्यक्ष व प्रमुख राजदीप सिंह परमार, सचिव पदम दत्त जोशी और ने सभी को अतियों का स्वागत किया है।बताते दे कि 24 फरवरी 1960 को को टिहरी जनपद से उत्तरकाशी जिले का गठन हुआ था। जिसको लेकर जिला स्थापना दिवस के अवसर पर इस मेले का आयोजन किया जा रहा हैं। उत्तरकाशी जिला अपने 65 वर्ष पूर्ण कर आज 66वें वर्ष में प्रवेश कर रहा हैंध। मेले मे इस बार सरकारी स्टॉलों का भव्य रूप देखने को मिल रहा हैं। इससे स्थानीय जनता को भी लाभ के साथ साथ सरकारी जानकारी व् सरकारी योजनाओ का भी लाभ मिल सकेगा।इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष नगेन्द्र सिंह चौहान, खंड विकास अधिकारी दिनेश चंद जोशी,मंत्री महावीर सिंह, मातली जिला पंचायत सदस्य वीरेंद्र सिंह बिष्ट, प्रधान डुंडा गांव व सोरभ रावत, वीरपुर प्रधान जमना देवी,पंडीत गांगधर जोशी आदि मौजूद रहे है।

शिक्षक–कर्मचारियों ने किया कार्यबहिष्कार

अल्मोड़ा। देहरादून में शिक्षा निदेशक प्रारंभिक शिक्षा के साथ हुई मारपीट मामले में कार्मिकों में आक्रोश है। मंगलवार को शिक्षक–कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर सरकार से मामले में दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। जल्द कार्रवाई नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। उत्तराखंड अधिकारी–कर्मचारी–शिक्षक समन्वय समिति के बैनर तले शिक्षक–कर्मचारियों ने सीईओ कार्यालय परिसर में प्रदर्शन किया। कहा कि देहरादून की घटना से पता चलता है कि राज्य में कानून व्यवस्था किस तरह के पटरी से उतर गई है। कार्मिकों ने शिक्षा निदेशक के साथ हुई मारपीट को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। कहा कि इस तरह की घटना प्रशासनिक कार्य प्रणाली व शासकीय व्यवस्था की गरिमा के विपरीत है।

खेलकूद प्रतियोगिता में छात्रों ने दिखाया अपना दमखम

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) श्रीनगर इकाई द्वारा नगर खेल कुंभ के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। आठ दिनों तक चली खेल–कूद प्रतियोगिता में विश्वविद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस मौके पर चौस, कैरम, बास्केट बॉल, कब्डी, बैडमिंटन सहित अन्य खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई। मंगलवार को समापन अवसर पर रस्साकस्सी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भग लिया। कार्यक्रम में विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के बालक एवं बालि. का वर्ग में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों एवं टीमों को सम्मानित किया गया। इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि गढ़वाल विवि के पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष एवं एबीवीपी के पूर्व प्रदेश मंत्री डॉ. सुधीर जोशी ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद केवल एक छात्र संगठन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की वह विचारधारा है, जो पीढ़ी दर पीढ़ी नेतृत्व को गढ़ती आ रही है। कहा कि विद्यार्थी परिषद लगातार समाजहित के लिए कार्य रही है, जिसके बलबूते आज पूरे विश्व में एबीवीपी सबसे बड़ा छात्र संगठन बन गया है। इस मौके पर उन्होने विजेता छात्र–छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग के डॉ. रविंद्र कुमार, एबीवीपी श्रीनगर इकाई के नगर अध्यक्ष डॉ. सुरेंद्र मीणा, एबीवीपी के प्रदेश सहमंत्री गौरव मोहन नेगी, पौड़ी विभाग संगठन मंत्री अभिषेक बर्त्वाल, जिला संगठन मंत्री नितिन चौहान, नगर मंत्री आयुष भारद्वाज, गढ़वाल विश्वविद्यालय छात्रसंघ अध्यक्ष महिपाल बिष्ट, श्रेय ममगाई, पीयूष नौटियाल, भुवन चमोली, पंकज फर्सवाण देवांश नौटियाल, रोहित को. हली, अजय कुमार, संजय पंवार आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रांत छात्रावास कार्य प्रमुख जसवंत राणा द्वारा किया गया।

■ एबीवीपी की ओर से आयोजित हुई खेल प्रतियोगिता

खेल विशेष

श्रीलंकाई स्पिनर व कीवी पावर का आज होगा मुकाबला

कोलंबो, वार्ता। क्या श्रीलंका का स्पिन जाल कोलंबो में न्यूजीलैंड की छक्के मारने वाली मशीन को फंसा पाएगा? बुधवार को आर प्रेमदासा इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 ग्रुप 2 मुकाबले से पहले यही सबसे बड़ा सवाल है। यह मुक.ाबला स्टाइल में एक दिलचस्प अंतर के तौर पर सामने आ रहा है। श्रीलंका की धीमी, स्पिन-हैवी स्ट्रैटेजी बनाम न्यूजीलैंड का निडर, बाउंड्री से भरा पावरप्ले अटैक। इंग्लैंड के खिलाफ बैटिंग की बुरी तरह नाकामी के बाद श्रीलंका दबाव में इस मैच में उतरेगा, जहां वे 147 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 95 रन पर आउट हो गए थे। फिर भी, हार के बाद भी, उनका स्पिन शस्त्रागार एक बार फिर सबसे अलग दिखा। डुनिथ वेल्लालेज के 26 रन देकर 3 और महेश थीक्षाना के 21 रन देकर 2 विकेट ने यह दिखा दिया कि मेजबान टीम को टूर्नामेंट की सबसे ताकतवर स्पिन यूनिट में से एक क्यों माना जाता है। कोलंबो की पिच पर, जो आमतौर पर मैच आगे बढ़ने के साथ धीमी हो जाती है और पकड़ बनाती है, श्रीलंका की उम्मीदें न्यूजीलैंड के आक्रामक टॉप ऑर्डर को रोकने की उनकी काबिलियत पर टिकी हैं। इस वर्ल्ड कप में इस जगह पर पहली पारी का औसत स्कोर लगभग 173 रहा है और पांच में से चार मैच पहले बैटिंग करने वाली टीमों ने जीते हैं, ऐसे में बीच के ओवरों को कंट्रोल करना अहम साबित हो सकता है। हालांकि, न्यूजीलैंड अपने साथ टूर्नामेंट की सबसे जबरदस्त ओपनिग पार्टनरशिप लेकर आया है। टिम सीफर्ट और फिन एलन ने जबरदस्त ताकत के साथ निडर इरादे का मेल किया है, और अब तक 15 बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचाया है। उनकी आक्रामक शुरुआत ने अक्सर स्पिनरों के लय में आने से पहले ही विरोधी टीमों की योजनाओं को खत्म कर दिया।

भारत-पाक की 14 जून को भिड़ंत

जून व जुलाई में होगा विमेंस टी-20 विश्व कप, बांग्लादेश, नीदरलैंड, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया व भारत एक ग्रुप में

लंदन, वार्ता। बांग्लादेश और नीदरलैंड्स को ऑस्ट्रेलिया, भारत, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के साथ ग्रुप 1 में रखा गया है, जबकि आयरलैंड और स्कॉटलैंड इस साल जून और जुलाई में होने वाले 2026 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में होस्ट इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के साथ ग्रुप 2 में शामिल हुए हैं। शुरुआती हाइलाइट्स में 20 जून को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और स्कॉटलैंड का मैच शामिल है, यह पहली बार है जब दोनों टीमें इंग्लिश जमीन पर किसी वर्ल्ड कप, पुरुष या महिला, में भिड़ेंगी।

आयरलैंड और स्कॉटलैंड 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में एक ऑल-सेल्टिक मुकाबले में भी भिड़ेंगे। बांग्लादेश अपना कैंपेन 14 जून को एजबेस्टन में नीदरलैंड्स के खिलाफ शुरू करेगा। जो टूर्नामेंट में अपना डेब्यू कर रहे हैं - और फिर 17 जून को हेडिंग्ले में ऑस्ट्रेलिया और 25 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में भारत का सामना करेगा। यह टूर्नामेंट 12 जून से 5 जुलाई तक इंग्लैंड और वेल्स के अलग-अलग जगहों पर चलेगा। नीदरलैंड्स की कप्तान बैबेट डी लीडे ने कहा कि हमारे पहले आईसीसी महिला टी-20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करना हमें बहुत गर्व और उत्साह से भर देता है। यह बहुत खास लगता है क्योंकि, कई मायनों में, यह हमारे लिए लगभग 'होम' वर्ल्ड कप है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि हमारे परिवार, दोस्त, फैंस और हर कोई जिसने इतने सालों में डच महिला क्रिकेट को सपोर्ट किया है, स्टैंड में नारंगी रंग का समंदर देखेगा। पहली बार उस स्टेज पर कदम रखना नीदरलैंड्स में महिला क्रिकेट के लिए एक मील का पत्थर होगा, और हमें उम्मीद है कि यह युवा डच खिलाड़ियों को बड़े सपने देखने और यह विश्वास करने के लिए प्रेरित करेगा कि वे भी एक दिन एक सफल नेशनल टीम को रिप्रेजेंट कर सकते हैं। आईसीसी ने पहले ही फिक्स्चर जारी कर दिए थे, बाकी टीमों की पुष्टि होने तक, जिनकी जगहें अब फाइनल हो गई हैं, जब बांग्लादेश, आयरलैंड, नीदरलैंड्स और स्कॉटलैंड ने नेपाल में क्वालीफायर के जिरए आखिरी चार जगह पक्की कर लीं, जिससे 12 टीमों का फील्ड पूरा हो गया। ओपनिंग मैच 12 जून को एजबेस्टन में इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच खेला जाएगा। पिछले एडिशन के सेमीफाइनल के रीमैच में, न्यूजीलैंड 13 जून को साउथेम्प्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपने टाइटल डिफेंस की शुरुआत करेगा, जबकि ऑस्ट्रेलिया उसी दिन मैनचेस्टर में

2024 के फाइनलिस्ट साउथ अफ्रीका से भिड़ेंगे। भारत का मुकाबला 14 जून को एजबेस्टन में पाकिस्तान से होगा। लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत का मैच कॉम्पिटिशन का आखिरी ग्रुप-स्टेज मैच होगा। हर ग्रुप से टॉप दो टीमें सेमीफाइनल में पहुं.चेंगी, जो 30 जून और 2 जुलाई को होंगे। जीतने वाली टीमें 5 जुलाई को लॉर्ड्स में टाइटल क्लैश के लिए भिड़ेंगी। होस्ट इंग्लैंड और 2024 एडिशन की टॉप पांच टीमें (ऑस्ट्रेलिया, भारत, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्ट इंडीज) ऑटोमैटिकली एडिशन के लिए क्वालिफाई हो गईं। पाकिस्तान और श्रीलंका, जो उस साल 21 अक्टूबर को आईसीसी रैंकिंग टेबल में अगली दो सबसे ऊंची रैंक वाली टीमें थीं, उन्होंने भी कट बनाया।

बाएं घुटने में चोट लगने के बाद हरमनप्रीत मैदान से बाहर

- **ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बल्लेबाजी करते समय लग गई थी चोट**

ब्रिस्बेन, वार्ता। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को चोट लग गई है और वह मंगलवार को ब्रिस्बेन के एलन बॉर्डर फील्ड में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में भारत के 214 रन के बचाव के दौरान फील्डिग करने नहीं जा सकीं। भारत की पारी के बाद बीसीसीआई के मीडिया बयान में कहा गया कि बल्लेबाजी करते समय उनके बाएं घुटने में चोट लग गई थी और मेडिकल टीम उनकी प्रोग्रेस पर नजर रख रही है। हरमनप्रीत की गैरमौजूदगी में उप-कप्तान स्मृति मंधाना ने भारत की कप्तानी की। यह साफ नहीं था कि हरमनप्रीत को चोट कब लगी, लेकिन भारत की पारी के 38वें ओवर के आखिर में, जब वह 67 गेंदों पर 40 रन बना रही थीं, तब उन्हें मैदान पर कुछ इलाज मिला। वह 44वें ओवर तक खेलती रहीं, इसके बाद वह 84 गें.दों पर 53 रन बनाकर आउट हो गईं, उन्होंने काश्वी गौतम के साथ 61 गेंदों पर 53 रन की साझेदारी की थी, जिन्होंने 44 गेंदों पर 43 रन बनाए और आखिरी बल्लेबाज बनीं। हरमनप्रीत ने अपनी पारी में तीन चौके लगाए जबकि मंधाना ने 68 गेंदों पर 58 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया, जो पिछली टी-20 सीरीज 2-1 से हार गया था, पूरी वनडे सीरीज के लिए दो खास खिलाड़ियों के बिना है: एलिस पेरी और किम गार्थ, दोनों को पिछले टी-20 में चोट लग गई थी और अब वे वनडे के बाद खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए फिट होने की रेस में हैं। मेगन शट्ट, जो ओरिजिनल वनडे टीम का हिस्सा नहीं थीं, ग्प में आईं और उन्होंने भारत को कम स्कोर पर रो.कने में अपनी भूमिका निभाई, उन्होंने अपने नौ ओवर में 42 रन देकर 2 विकेट लिए।

पैट्रिक किप्सन ने एलेक्स डी मिनौर को चौंकाया

- **मैच के बाद किप्सन ने कहा कि यह बहुत अच्छा लग रहा है सब कुछ जरूरी थी, मुझे अच्छी सर्व करनी थी**

मेक्सिको, वार्ता। पैट्रिक किप्सन ने सोमवार को एबिएर्टो मेक्सिकनो टेलसेल के पहले राउंड में दूसरे सीड एलेक्स डी मिनौर को 6-1, 6-7(4), 7-6(4) से हराकर अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की।

एटीपी टूर वेबसाइट के अनुसार, अमेरिकी क्वालीफायर ने 2024 में इंडियन वेल्स के बाद अपनी पहली टूर-लेवल जीत हासिल करने और अकापुल्को में दूसरे राउंड में आगे बढ़ने के लिए दो घंटे और 39 मिनट तक संघर्ष किया। मैच के बाद किप्सन ने कहा कि यह बहुत अच्छा लग रहा है। सब कुछ जरूरी था। मुझे अच्छी सर्व करनी थी। मुझे अच्छा रिटर्न करना था। मैंने अपना फोरहैंड बहुत जोरदार मारा। किस्मत से, मैं ए सब काफी देर तक कर पाया। डी मिनौर, जिन्होंने 2023 और 2024 में अकापुल्को का टाइटल जीता था, इस महीने की शुरुआत में रोटर्डम का क्राउन जीतने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे थे। जब उन्होंने डिसाइडिग सेट में 5-4 से मैच के लिए सर्व किया, तो ऑस्ट्रेलियाई जीत के करीब थे, लेकिन किप्सन ने हिम्मत बनाए रखी और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया और उलटफेर पूरा किया। 26 साल के खिलाड़ी ने अपने पहले सर्व पॉइंट्स में से 71 परसेंट जीते और मैच के दौरान पांच में से तीन ब्रेक-पॉइंट मौकों को कन्वर्ट किया।

रैंकिंग में भारत-ऑस्ट्रेलियाई महिलाओं को फायदा

- **भारत की सीमर अरुंधति ने टी-20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की**

दुबई, वार्ता। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीमों ने ऑस्ट्रेलिया में अपनी कड़ी टक्कर वाली सीरीज के बाद लेटेस्ट आईसीसी महिला टी-20 प्लेयर रैंकिंग में काफी बढ़त हासिल की है। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, भारत की सीमर अरुंधति रेड्डी ने टी-20 बॉलर्स में करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की, जो सीरीज में आठ विकेट लेकर सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली बॉलर रहीं।

उनकी टीममेट श्री चरणी भी आगे बढ़ीं और 11 स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों में, एनाबेल सदरलैंड बॉलिग रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गईं, जबकि एश्ले गार्डनर दो स्थान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गईं। बॉलिग चार्ट में पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की सादिया इक़बाल टॉप पर बनी हुई हैं। गार्डनर टी-20 ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बैटिंग रैंकिंग में, ऑस्ट्रेलिया की जॉर्जिया वोल 26 पायदान की शानदार छलांग लगाकर 10वें नंबर पर पहुंच गईं, जबकि उनकी टीममेट फोएबे लिचफील्ड चार पायदान ऊपर चढ़कर 12वें नंबर पर पहुंच गईं। इंडिया की बैटर जेमिमा रोड्रिग्स भी एक पायदान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गईं। ऑस्ट्रेलिया की अनुभवी ओपनर बेथ मूनी ने टी-20 बैटिंग रैंकिंग में टॉप पर अपनी जगह बनाए रखी। इस बीच, साउथ अफ्रीका विमेंस क्रिकेट टीम, श्रीलंका विमेंस क्रिकेट टीम, वेस्ट इंडीज विमेंस क्रिकेट टीम और पाकिस्तान विमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के बाद लेटेस्ट वनडे रैंकिंग में भी बदलाव देखा गया। साउथ अफ्रीका की सुने लुस वनडे बैटर्स में चार पायदान चढ़कर 30वें नंबर पर और ऑलराउंडर्स की लिस्ट में पांच पायदान ऊपर चढ़कर 17वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी टीममेट मारिजाने कैप वनडे ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में गार्डनर के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। स्पिनर नॉनकुलुलेको म्लाबा वनडे गेंदबा.जों में बराबर नौवें स्थान पर पहुंच गयीं, जबकि वेस्टइंडीज की करिश्मा रामहरैक चार स्थान ऊपर चढ़कर 26वें स्थान पर पहुंच गईं।

भारत ने किया वॉशिंगटन सुंदर के चयन का बचाव

अहमदाबाद, वार्ता। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच हुए मैच के टॉस के दौरान जब भारत की प्लेइंग 11 में शामिल खिलाड़ियों के नाम बोले जा रहे थे तब पूरा स्टेडियम एक-एक नाम पर चीयर कर रहा था। हालांकि, जैसे ही लोगों को पता लगा कि उनके घरेलू स्टार अक्षर पटेल प्लेइंग 11 में नहीं हैं और उनकी जगह वाशिगटन सुंदर खेल रहे हैं तो लोग इस एक नाम पर निराश दिखाई दिए। नीदरलैंड्स के खिलाफ अक्षर को आराम देकर वॉशिंगटन को मौका दिया गया था। भारत ने वॉशिंगटन के पूरी तरह फिट होने का इंतजार किया था और उनके किसी रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं की थी। हालांकि, इस बात की पूरी उम्मीद थी कि टीम के उप-कप्तान और शानदार फॉर्म में

ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराया

बेथ मूनी ने 79 गेंदों में पांच चोकों और दो छक्कों की मद्द से 76 रनों की विजयी पारी खेली

ब्रिस्बेन, वार्ता। बेथ मूनी (76) की शानदार अर्द्धशतकीय पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने भारत को पहले महिला वनडे में मंगलवार को एकतरफा अंदाज में 70 गेंदें शेष रहते छह विकेट से हरा दिया।

भारत को 48.3 में 214 रन पर समेटने के बाद ऑस्ट्रेलिया ने 38.2 ओवर में चार विकेट पर 217 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाने वाली जीत हासिल की। बेथ मूनी ने 79 गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की मदद से 76 रन की मैच विजई पारी खेली। एलिसा हीली ने 70 गेंदों में 50 रन, एनाबेल सदरलैंड ने 44 गेंदों में चार चौकों और एक छक्के की मदद से 48 तथा फीबी लिचफील्ड ने 32 रन बनाए। बेथ मूनी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार मिला। काफी बाउंस वाली पिच पर, इंडिया 48.3 ओवर में 214 रन पर आउट हो गया। वे ज्यादा पार्टनरशिप नहीं कर पाए, जिसमें सबसे बड़ी पार्टनरशिप हरमनप्रीत और काश्वी गौतम के बीच के बीच सातवें विकेट के लिए 53 रन की थी। काश्वी ने असल में बहुत अच्छी बैटिंग की, स्वीप शॉट का बहुत अच्छे से इस्तेमाल करके टीम को 200 के पार पहुंचाया। लेकिन उस पार्टनरशिप और मंधाना की फिफ्टी के अलावा, इंडियन इनिंग्स से कुछ खास सीखने को नहीं मिला। ऑस्ट्रेलिया ने सीम और स्पिन दोनों में डिसिप्लिन में खेला, और उन्होंने वहां के बाउंस के साथ कंडीशन का मजा लिया। स्पिनर्स ने भी काफी टर्न लिया, खासकर अलाना किंग ने तो कमाल ही कर दिया। मंधाना ने 68 गेंदों में सात चौकों की मदद से 58 रन बनाए जबकि हरमनप्रीत ने 84 गेंदों में तीन चौकों के सहारे 53 रन बनाए। काशवी गौतम ने 44 गेंदों में तीन चौकों और तीन छक्कों के सहारे 43 रन का योगदान दिया। ऋचा घोष ने 38 गेंदों में 23 रन बनाए।

हुबली स्टेडियम के स्टैंड को मिला सुनील जोशी का नाम

हुबली, वार्ता। मंगलवार को हुबली के केएससीए स्टेडियम में भारत के पूर्व स्पिनर सुनील जोशी के नाम पर एक स्टैंड का नाम रखना कोई रस्मी सम्मान कम और धैर्य, अनुशासन और शांत उत्कृष्टता पर बनी क्रिकेट यात्रा की झलक ज्यादा थी - यह कहानी कर्नाटक के क्रिकेट के गढ़ से शुरू हुई और बाद में पूरी हुई जब पूर्व स्पिनर को खिलाड़ी और मेंटर दोनों के रूप में सम्मानित किया गया। जोशी की क्रिकेट की जड़ें गडग और हुबली जैसी जगहों पर बनीं, जहां शुरुआती क्रिकेटिग प्रभावों ने एक युवा स्पिनर को बनाने में मदद की, जो बाद में कर्नाटक के घरेलू ढांचे से आगे बढ़ा और फिर इंटरनेशनल क्रिकेट में अपनी पहचान बनाई। उनका करियर एक ऐसे क्रिकेटर की दुर्लभ तरक्की को दिखाता है जो तकनीकी सटीकता, निरंतरता और मानसिक ताकत से सफल हुआ, और बाद में खुद को आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों को तैयार करने के लिए समर्पित कर दिया। अपने खेल करियर के दौरान, जोशी भारत के भरोसेमंद स्पिन गेंदबाजों में से एक बन गए। उन्होंने 1996 से 2001 के बीच 15 टेस्ट मैचों और 69 वनडे इंटरनेशनल मैचों में देश को रिप्रेजेंट किया और सभी फॉर्मेट में 100 से ज्यादा इंटरनेशनल विकेट लिए। उनकी बॉलिग की खासियत थी सटीकता, हल्का वेरिएशन और सबकॉन्टिनेंटल पिचों पर टर्न दिलाने की काबिलियत, साथ ही उन्होंने प्रेशर सिचुएशन में निचले क्रम में उपयोगी रन भी बनाए। अपने खेलने के दिनों के अलावा, जोशी का भारतीय क्रिकेट में योगदान कोचिग और टैलेंट डेवलपमेंट के जिरए जारी रहा। वह आईसीसी अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप 2026 के दौरान बॉलिंग कोच के तौर पर भारत के विजई सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा थे।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे दूसरे राउंड में

- **पिछले साल रनर-अपर रहे ऑगर-अलियासिमे इस साल के एडिशन में एक कदम और बेहतर करने का लक्ष्य बना रहे हैं**

दुबई, वार्ता। फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे ने दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में जीत के साथ वापसी की, सोमवार को चीन के झांग झिझेन को 6-3, 7-6(4) से हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई। एटीपी स्टैंडिंग में अभी 8वें नंबर पर मौजूद टॉप सीडेड कनाडाई खिलाड़ी को एटीपी 500 इवेंट के अपने पहले मैच में सीधे सेटों में जीत पक्की करने के लिए छह मैच पॉइंट्स की जरूरत थी।

एटीपी टूर वेबसाइट के मुता.बिक, पिछले साल रनर-अप रहे ऑगर-अलियासिमे इस साल के एडिशन में एक कदम और बेहतर करने का लक्ष्य बना रहे हैं। मैच के बाद ऑगर-अलियासिमे ने कहा कि मैंने एक पॉइंट पर गिनती करना बंद कर दिया(यह बहुत फ्रस्ट्रेटिंग हो रहा था। मैच पॉइंट्स होना वह पोजीशन है जिसमें आप एक खिलाड़ी के तौर पर रहना चाहते हैं, लेकिन यह अजीब है कि दिमाग आपके साथ कैसे चालें चलता है। 25 साल के इस खिलाड़ी ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले राउंड में ही रिटायरमेंट ले लिया था, लेकिन तब से उन्होंने अच्छी फॉर्म हासिल कर ली है।

उन्होंने अपने पिछले 10 मैचों में से नौ जीते हैं, जिसमें मोंटपेलियर में एक टाइटल और रोटर्डम में रनर-अप फिनिश शामिल है।

ऑगर-अलियासिमे ने झांग के खिलाफ मिले सभी चार ब्रेक पॉइंट बचाए और पहले पांच मौके गंवाने के बाद आखिरकार टाई-ब्रेक में मैच जीत लिया। अब उनका सामना फ्रांस के जियोवानी मपेट्शी पेरीकार्ड से होगा, जिन्होंने ट्यूनीशिया के मोएज इचारगुई को तीन सेट में हराया। एक और पहले राउंड के मैच में, ब्रिटेन के जैक ड्रेपर ने फ्रांस के क्वेंटिन हेलिस पर 7-6(8), 6-3 से जीत के साथ चोट से वापसी की। ड्रेपर, जो पिछले साल के US ओपन के बाद से बाहर थे।

जब हम खेलेंगे तो NRR मायने रखेगा : पार्थिव

- **भारत को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर-8 में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा**

नई दिल्ली, वार्ता। भारत को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सुपर 8 मैच में अहमदाबाद में 76 रन से हार का सामना करना पड़ा।

जियोस्टार के 'फॉलो द ब्लूज' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट पार्थिव पटेल ने भारत की हार, पावरप्ले में उनकी बैटिंग को लेकर चिंताओं और जिम्बाब्वे के खिलाफ अगले मैच के लिए प्लेइंग ग्प में संभावित बदलावों का विश्लेषण किया। पार्थिव पटेल ने भारत के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की जीत पर कहा कि 12 मैचों की जीत का सिलसिला पक्का खत्म हो गया है, लेकिन दक्षिण अफ्रीका ने बेहतर क्रिकेट खेला। मुझे लगा कि उन्होंने बहुत अच्छे से प्लान बनाया था और अपनी स्ट्रेटेजी को बहुत अच्छे से एग्जीक्यूट किया। हालांकि, हार का मार्जिन काफी है, और नेट रन-रेट निश्चित रूप से तब काम आएगा जब हम 1 मार्च को कोलकाता में वेस्ट इंडीज का सामना करने जाएंगे। यह दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बड़ी जीत है, और यह सभी मुश्किलों के बावजूद मिली, यह देखते हुए कि इंडियन टीम जिस तरह से खेल रही थी। आपको दक्षिण अफ्रीका को क्रेडिट देना होगा। हां, उन्हें कुछ समय के लिए अहमदाबाद में खेलने का फायदा मिला, लेकिन यह हमारा घर है। जाहिर है, भारतीय टीम वापस जाकर यह देखना चाहेगी कि क्या उन्होंने चीजों को सिपल रखने के बजाय उन्हें कॉम्प्लिकेटेड बना दिया था। पावरप्ले में भारत को जरूरी शुरुआत नहीं मिलने पर पार्थिव पटेल ने कहा कि सिर्फ इस गेम में ही नहीं, बल्कि नामीबिया या अमेरिका और पाकिस्तान के ख लिाफ भी, हालांकि वह बैटिंग के लिए मुश्किल विकेट था, लेकिन जल्दी विकेट खोना भारत के लिए चिंता की बात रही है। जिस तरह से भारत ने पावरप्ले में विकेट खोए हैं, खासकर ऑफ-स्पिनरों के ख लिाफ, वह चिंता की बात है। इस बार यह मार्करम के लिए था। वे बहुत ज्यादा शॉट खेल रहे हैं, एंगल के ख लिाफ जा रहे हैं। शायद वे बैटिग ऑर्डर में थोड़ा बदलाव करने के बारे में सोच सकते हैं, खासकर टॉप पर तीन लेफ्ट-हैंडर होने पर। वे सूर्यकुमार को नंबर तीन पर भेज सकते थे। मुझे लगा कि भारत इस गेम में ऐसा कर सकता था। जब आप हाई-रिस्क, हाई-रिवॉर्ड वाला गेम खेलते हैं, तो ऐसे दिन आना तय है। पटेल ने संजू सैमसन की प्लेइंग इलेविन में वापसी पर कहा कि मैं अक्षर पटेल को टीम में वापस आते देखना चाहूंगा। उन्होंने पहले भी अहम पारियां खेली हैं। हां, मैच-अप की भी अहमियत है, लेकिन मैं अक्षर पटेल को जरूर लाऊंगा। संजू सैमसन का भी सवाल है। चेन्नई में अब उनकी घर वापसी भी हो सकती है। यह कुछ ऐसा है जिस पर भारत जरूर विचार करेगा।

सुमित नागल ने बाजी मारी, दूसरे दौर में पहुंचे

पुणे, वार्ता। भारत के टॉप रैंक वाले टेनिस स्टार सुमित नागल ने मंगलवार को शिव छत्रपति क्रीड़ा संकुल, म्हालुंगे बालेवाड़ी टेनिस स्टेडियम में शानदार परफॉर्मेंस दी, जबकि लोकल टीनेजर और देश के उभरते हुए युवा खिलाड़ी मानस धमने ने हिम्मत दिखाते हुए भारतीय टीम को लीड किया। महा ओपन एटीपी चैलेंजर 75 मेन्स टेनिस चैंपियनशिप को महाराष्ट्र स्टेट लॉन टेनिस एसोसिएशन ने महाराष्ट्र सरकार के खेल और युवा सेवा विभाग, के साथ मिलकर ऑर्गनाइज़ किया है और पुणे मेट्रोपॉलिटन रीजनल डेवलपमेंट अथॉरिटी ने इसे स्पॉन्सर किया है। नागल ने जापान के सातवें सीड रियो नोगुची पर 6-1, 6-2 से शानदार जीत हासिल करके घर में मौजूद दर्शकों को रोमांचित कर दिया। उन्होंने एक घंटे 9 मिनट में बेसलाइन से खेल पर कंट्रोल करते हुए सीधे सेटों में मैच अपने नाम कर लिया। भारतीय नंबर 1 खिलाड़ी हर डिपार्टमेंट में तेज़ दिखे, लगातार सर्विस तोड़ते हुए आराम से दूसरे राउंड में पहुंचे।

जिम्बाब्वे-विंडीज टी-20 विश्व कप में ट्रॉफी वॉक को मिला समर्थन

- **इस वॉक ने खेल की शक्ति को बच्चों को प्रेरित करने और उनकी आवाज को वैश्विक मंच पर बुलंद करने पर प्रकाश डाला**

मुंबई, वार्ता। यूनिसेफ इंडिया की प्रतिनिधि सिथिया मैककैफ्री ने दो युवा खेल चैंपियंस - 13 वर्षीय आयुष नरसिंहलाल राम और 12 वर्षीय रिया देव नारायण त्रिपाठी (मुंबई) - के साथ सोमवार को वानखेड़े स्टेडियम में जिम्बाब्वे-वेस्ट इंडीज आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप मैच की शुरुआत में औपचारिक ट्रॉफी वॉक में भाग लिया।

इस वॉक ने खेल की शक्ति को बच्चों को प्रेरित करने और उनकी आवाज को वैश्विक मंच पर बुलंद करने पर प्रकाश डाला। यूनिसेफ और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) 2015 से क्रिकेट फॉर गुड पहल के तहत मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि क्रिकेट की पहुंच का उपयोग बच्चों के अधिकारों और कल्याण को समर्थन देने में किया जा सके। मौके पर बोलते हुए मैककैफ्री ने कहा कि यूनिसेफ और आईसीसी 'क्रिकेट फॉर गुड' साझेदारी के तहत बच्चों के लिए सकारात्मक बदलाव लाने की गहरी प्रतिब(ता साझा करते हैं। पिछले एक दशक में हमारी साझेदारी ने लाखों लोगों तक पहुंच बनाई है। इस वर्ष हम एक सशक्त संदेश 'चीयर फॉर चिल्ड्रन' पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं ताकि हर बच्चे के खेलने के अधिकार को बढ़ावा दिया जा सके। यह बच्चों के लिए वास्तव में एक विशेष क्षण है, जब वे क्रिकेट चैंपियंस के साथ बातचीत करते हैं।

विंडीज की टी-20 वर्ल्ड कप में रिकॉर्ड जीत के बाद फोकस करने की अपील

अहमदाबाद, वार्ता। विंडीज पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान शाई होप ने अपनी टीम से टी-20 वर्ल्ड कप सुपर आठ स्टेज में जिम्बाब्वे पुरुष क्रिकेट टीम पर 107 रन से जीत हासिल करने वाली रिकॉर्ड-तोड़ बैटिंग के बावजूद मैदान पर डटे रहने की अपील की। वेस्टइंडीज ने 254/6 का स्कोर बनाया, जो पुरुष टी-20 वर्ल्ड कप के इतिहास में उनका सबसे बड़ा टोटल था, और श्रीलंका पुरुष क्रिकेट टीम के 260/6 के ऑल-टाइम टूर्नामेंट रिकॉर्ड से सिर्फ छह रन पीछे रह गया। शिमरा.ॅन हेटमायर की जबरदस्त पारी ने पारी को संभाला, जिन्होंने सिर्फ 34 गेंदों पर 85 रन बनाए, जिसमें 19 गेंदों में एक तेज हाफ सेंचुरी भी शामिल थी, जिससे कैरेबियाई टीम ने जिम्बाब्वे को हरा दिया। वेस्टइंडीज के स्पिन अटैक ने फिर बैटिग की कोशिशों को शानदार बॉलिग परफॉर्मेंस से सपोर्ट किया।

मेक-इन-इंडिया पहल के तहत आईआईटी रुड़की ने

इंडोबेल इंसुलेशन्स को हस्तांतरित की थर्मल रैप्स प्रौद्योगिकी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की (आईआईटी रुड़की) ने एरोजेल थर्मल रैप्स प्रौद्योगिकी का तकनीकी ज्ञान (नो-हाउ) सफलतापूर्वक इंडोबेल इंसुलेशन्स लिमिटेड को हस्तांतरित किया है, जिससे उन्नत सामग्रियों के वास्तविक अनुप्रयोग हेतु उद्योगख्शैक्षणिक सहयोग को और सुदृढ़ किया गया है।

प्रो. कौशिक पाल और सुश्री गुंजन शर्मा, आईआईटी रुड़की, ने इस नवाचार का विकास और क्रियान्वयन किया है। यह प्रौद्योगिकी एयरोस्पेस, ऑटोमोबाइल, ऊर्जा प्रणालियों, पर्यावरणीय समाधान तथा निर्माण क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों में संभावित अनुप्रयोग प्रदान करती है। यह नवाचार उन निर्माताओं के लिए उपयोगी

सिद्ध होने की अपेक्षा है जो कुशल और स्केलेबल थर्मल इंसुलेशन समाधान की तलाश में हैं। इस विकास पर बोलते हुए, प्रमुख आविष्कारक प्रो. कौशिक पाल ने कहा यह प्रौद्योगिकी व्यावहारिक, हल्के इंसुलेशन समाधान विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो अत्यधिक परिस्थितियों में भी विश्वसनीय प्रदर्शन कर सके। इसकी बहुउपयोगिता इसे विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग के लिए उपयुक्त बनाती है। इंडोबेल इंसुलेशन्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री विजय बर्मन ने इस नवाचार को व्यापक स्तर पर लागू करने की कंपनी की प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए कहा, "हम इस प्रौद्योगिकी को बड़े पैमाने पर लागू करने और उन्नत इंसुलेशन समाधान बाजार तक पहुंचाने के लिए आईआईटी रुड़की के साथ निकट सहयोग की आशा करते हैं। यह प्रौद्योगिकी हस्तांतरण प्रभावशाली अनुसंधान सहयोग को प्रोत्साहित करने तथा सतत प्रौद्योगिकियों को अपनाने में समर्थन देने के आईआईटी रुड़की के प्रयासों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

परिवहन कर विभाग ने एक स्कूली बस की सीज

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र में परिवहन कर अधिकारी मुकेश भारती व उनकी टीम के द्वारा लक्सर तहसील क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया गया है जिसमें उन्होंने कई चालान किये है और एक स्कूली वाहन को पड़कर सीज कर दिया है। परिवहन कर अधिकारी एआरटीओ मुकेश भारती ने बताया कि आरटीओ के निर्देशों के अनुपालन में स्कूली बसों व अन्य वाहनों के खिलाफ चेकिंग की जा रही है उन्होंने बताया आज 10 वाहनों के चालान कर किए गए हैं और एक स्कूली वाहन को बिना वैध पर पत्रों के संचालित पाया गया जिसको पुलिस चौकी में बंद किया गया है। उन्होंने कहा नाबालिक बच्चे जो वहांन चला रहे हैं उनके खिलाफ भी हमारे द्वारा कार्यवाही की जा रही है उन्होंने यह भी कहा कि सभी आमजन अपने नाबालिक बच्चों से वहांन न चलवाए क्योंकि नाबालिक बच्चे वहांन को तेज गति से चलाते हैं और किसी घटना को भी अंजाम दे देते हैं इसीलिए नाबालिक बच्चे वहांन ना चलाएं उन्होंने यह भी कहा कि बगैर पर पत्रों के जो गाड़ी वहांन मिलेगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी और बिना पर पत्रों के जो भी वहांन चलाएगा उसके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

मंगलौर पुलिस ने साइबर ठगों से पीड़ित को 50 हजार वापस दिलाए

शाह टाइम्स संवाददाता

मंगलौर। मंगलौर पुलिस ने एक व्यक्ति की खोई हुई जमापूंजी वापस दिलाकर सराहनीय कार्य किया है। साइबर ठगों का शिकार हुए एक फैक्ट्री कर्मी को पुलिस की तत्परता के कारण पीड़ित के 50 हजार रुपए वापस मिल गए हैं। जिसके बाद पीड़ित ने मंगलौर पुलिस का तहे दिल से आभार व्यक्त किया।

पुलिस के मुताबिक पंकज कुमार पुत्र मेघराज निवासी सहारनपुर जो मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की एक फैक्ट्री में कार्यरत हैं, पंकज कुमार के साथ गत माह जनवरी मे पीएफ,चालान प्रेषित करने के नाम पर 50 हजार रुपए की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई थी। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित द्वारा तुरंत मंगलौर पुलिस को सूचना दी गई थी। कोतवाली प्रभारी के आदेश पर कार्यालय में नियुक्त कास्टेबल जफर हुसैन ने बिना समय गंवाए कुशल तकनीकी सहायता ली और संबंधित एजेंसी से पत्राचार कर ठगों के खाते को तत्काल फ्रीज करवा दिया गया। लगातार फॉलोअप और तकनीकी जांच के परिणाम स्वरूप, 24 फरवरी को पंकज कुमार की 50 हजार रुपए की धन राशि उसके खाते में वापस आ गई। जिसके बाद पंकज कुमार ने मंगलौर पुलिस का तहे दिल से आभार व्यक्त किया। कोतवाली प्रभारी अमरजीत सिंह ने साइबर ठगों से सावधान रहने तथा सतर्क रहने की अपील की है।

अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसो. की बीएसएम कॉलेज में बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन जनपद हरिद्वार की मंगलवार को बी एस एम लॉ कॉलेज रुड़की में आहूत बैठक में नियुक्तियों के लिए सरकार के आयोग गठन के विरोध में प्रबंधको ने कहा कि यदि सरकार अपना निर्णय वापस नहीं लेती है तो उन्हें सामूहिक रूप से विद्यालयों का वेतन अनुदान वापस करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बीएसएम इंटर कॉलेज रुड़की के प्रबंधक ममतेश शर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता तथा मीडिया प्रभारी डॉक्टर घनश्याम गुप्ता प्रबंधक खानपुर के संचालन में आयोजित अशासकीय विद्यालय प्रबंधक एसोसिएशन की बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय संरक्षक चंद्र मोहन सिंह पयाल ने कहा कि सरकार को प्रबंध तंत्र से नियुक्ति का अधिकार छीनकर आयोग गठित करने का कोई अधिकार नहीं है क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ब्रह्म समाज शिक्षा समिति बनाम पश्चिम बंगाल सरकार मामले में स्पष्ट किया जा चुका है कि सरकार को नियुक्ति प्रक्रिया संबंधी नियम बनाने का अधिकार है लेकिन प्रबंध तंत्र से नियुक्ति का अधिकार नहीं छीना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार के आयोग गठन किए जाने के विरोध में प्रदेश के अशासकीय विद्यालयों के प्रबंध तंत्र सामूहिक रूप से विद्यालयों का वेतन अनुदान वापस करने के लिए बाध्य होंगे।

सभा अध्यक्ष बीएसएम शिक्षण संस्थान समूह के चेयरमैन ममतेश शर्मा एडवोकेट ने कहा कि यदि सरकार नियुक्ति का अधिकार अपने हाथ में लेना चाहती है तो विद्यालयों

में भवन निर्माण, फर्नीचर व्यवस्था, मेंटेनेंस,ऑफिस व्यवस्था सहित अन्य प्रकार की समस्त व्यवस्था की जिम्मेदारी भी कर्तव्य के रूप में सरकार को लेनी पड़ेगी। देहरादून के जिलाध्यक्ष एडवोकेट संजीव विरमानी तथा पौड़ी के जिला मंत्री उत्तम सिंह नेगी ने कहा कि सरकार अशासकीय विद्यालयों का प्रबंध संचालकों को नियुक्त कर शोषण कर रही है जिसका हर मोर्चे पर विरोध होगा तथा आयोग गठन के विरोध में सभी जनपदों से विरोध पत्र सरकार को प्रेषित किए जाएंगे। संगठन के जनपदीय संरक्षक राजकुमार चौहान एडवोकेट वरिष्ठ अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि वर्तमान नियुक्ति प्रक्रिया में आवेदन पत्र विक्रय, संग्रहित करने,मेरिट लिस्ट बनाने का समस्त कार्य विभाग द्वारा किया जा रहा है स साक्षात्कार में भी तीन विषय विशेषज्ञ तथा पर्यवेक्षक विभाग द्वारा ही नामित किए जाते हैंस पांच अंक के साक्षात्कार में दो से कम व चार से अधिक अंक देने पर उसका कारण अंकित किए जाने का प्रावधान है। विभाग का संपूर्ण नियंत्रण होने के बावजूद भी बार-बार प्रबंध तंत्रो पर नियुक्तियों में गड़बड़ी करने के अनर्गल आरोप लगाए जाते रहते हैं जिसमें आज तक कोई भी प्रबंधक दोषी नहीं पाया गया है यह किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएंगा। जिला मंत्री एवं जिला पंचायत सदस्य अरविंद राठी तथा जिला पंचायत सदस्य व रोहलकी के प्रबंधक जयंत चौहान ने कहा कि सरकार ने अशासकीय विद्यालयों के स्थाई व नॉन प्लान के पदों को तीन माह तक खाली रहने पर पुनर्जीवित करने का नया शिगुफा छोड़ दिया है जबकि अधिनियम में स्थाई पदों के मृत न होने का स्पष्टीकरण दिया गया है स इस प्रकार से तो शिक्षा निदेशक का पद भी लंबे समय से प्रभार में चल रहा है वह भी मृत माना जाना चाहिए।

बी एस एम डिग्री कॉलेज के डायरेक्टर रजनीश शर्मा एडवोकेट ने बैठक में कार्य भार ग्रहण की तिथि को अर्ह वरिष्ठतम शिक्षक को 6600 ग्रेड पे देकर डाउनग्रेड प्रधानाचार्य बनाने तथा ढाई वर्ष की अवधि में 7600 ग्रेड पे वाले प्रधानाचार्य बनाए जाने और डाउन ग्रेड मिलते ही उनके पद को रिक्त घोषित करने की मांग उठाई।

ऊर्जा विभाग ने कलियर में चलाया चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। ऊर्जा निगम की टीम ने अवर अभियंता गोपाल सैनी के नेतृत्व में कलियर नगर पंचायत क्षेत्र में बिजली बकायादारों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया। अभियान के दौरान बकाया जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के करीब 15 बिजली कनेक्शन काटे गए जबकि करीब साढ़े तीन लाख रुपये की बकाया राशि वसूल की गई।

मंगलवार को चलाए गए इस अभियान के तहत ऊर्जा निगम ने बकाया वसूली के लिए मुकरर्बपुर में कैंप भी लगाया जहां उपभोक्ताओं से बकाया जमा कराया गया। अवर अभियंता गोपाल सैनी ने बताया कि जिन उपभोक्ताओं ने निर्धारित समय पर बकाया जमा नही किया उनके कनेक्शन काटने की कार्रवाई की जा रही है। बकायादारों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि वह समय पर बिजली बिल जमा करें ताकि किसी भी तरह की कार्रवाई से बचा जा सके।अभियान के दौरान ऊर्जा निगम की टीम में गुड़ा थोकी , यूनुस मोहसिन,उस्मान सहित अन्य ऊर्जा निगम के कर्मचारी मौजूद रहे।

बेहतर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हज हाउस सभागार में

शहरी जल आपूर्ति प्रणाली सुधार परियोजना के तहत महत्वपूर्ण बैठक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। विश्व प्रसिद्ध धार्मिक नगरी पिरान कलियर में बेहतर पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हज हाउस सभागार में 'शहरी जल आपूर्ति प्रणाली सुधार परियोजना' के तहत एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की पेयजल व्यवस्था के कायाकल्प का विस्तृत खाका प्रस्तुत किया गया।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि जापान इंटरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी के सहयोग से नगर पंचायत पिरान कलियर में दो अत्याधुनिक पानी के टैंक तथा नई पेयजल पंपिंग योजना का निर्माण कराया जाएगा। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित इस परियोजना से क्षेत्र के लगभग 4600 परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। योजना के तहत प्रतिदिन 22 घंटे निर्बाध और स्वच्छ पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी जिससे दूषित पानी से फैलने वाली बीमारियों से लोगों को राहत मिलेगी। बैठक में विधायक हाजी फुरकान अहमद, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सलीम अहमद,सभासदों तथा जल निगम के अधिकारियों की मौजूद रहें। सहायक अभियंता आजाद सिंह ने परियोजना की तकनीकी विशेषताओं और इसके लाभों की विस्तार से जानकारी दी।विधायक हाजी फुरकान अहमद ने परियोजना को क्षेत्र के लिए मील का पत्थर

बताते हुए कहा कि लंबे समय से क्षेत्रवासी स्वच्छ पेयजल की मांग कर रहे थे। इस योजना से न केवल पानी की बर्बादी रुकेगी बल्कि हर घर तक शुद्ध पेयजल की आपूर्ति संभव हो सकेगी। बैठक में सहायक अभियंता सलमान गौड़, अपर सहायक अभियंता प्रसून गुप्ता, मुकेश भट्ट, चेयरमैन प्रतिनिधि सलीम अहमद, सभासद नाजिम त्यागी, अमजद मलिक, राशिद अली, डॉ. शहजाद सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहें।

पुलिस ने 24 घंटे में किया ट्रक चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कोतवाली गंगनहर पुलिस ने ट्रक चोरी की घटना का महज 24 घंटे में खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया है। पुलिस की सक्रियता और तत्परता से क्षेत्र में कानून व्यवस्था के प्रति विश्वास और मजबूत हुआ है। 23 फरवरी 2026 को वादी सतीश कुमार निवासी सलेमपुर (मूल निवासी हबीबपुर निवादा, थाना भगवानपुर, जनपद हरिद्वार) ने थाने में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि अज्ञात चोर द्वारा रात्रि में उनका 06 टायरा ट्रक चोरी कर लिया गया है। मामले में तत्काल अभियोग पंजीकृत किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक ग्रामीण व पुलिस उपाधीक्षक रुड़की के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक द्वारा विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। 24 फरवरी 2026 को पुलिस टीम ने सालियर अंडरपास क्षेत्र से एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसकी पहचान विजय कुमार (20 वर्ष) पुत्र विपिन कुमार निवासी कुमराड़ी मस्जिद के पास, कोतवाली मंगलौर, जनपद हरिद्वार के रूप में हुई। आरोपी के कब्जे से चोरी गया ट्रक बरामद कर लिया गया। आरोपी कोन्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। पुलिस टीमप्रभारी निरीक्षक, कोतवाली गंगनहर मणि भूषण श्रीवास्तव, उ0नि0 पंकज कुमार, हेड कांस्टेबल इसरार अली, कांस्टेबल नितिन, शामिल रहे।

बत्रा ने मयूर विहार में सड़क निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। मयूर विहार क्षेत्र में चल रहे सड़क निर्माण कार्यों का आज विधायक प्रदीप बत्रा ने स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की गहन समीक्षा की तथा मौके पर उपस्थित विभागीय अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नरीक्षण के दौरान विधायक बत्रा ने स्थानीय नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण, जल निकासी व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें रखीं। विधायक ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप बत्रा ने कहा, "जन-समस्याओं का शीघ्र निस्तारण और विकास कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता है। निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्य निर्धारित समय सीमा में और तय मानकों के अनुरूप पूर्ण किए जाएं, यह सुनिश्चित किया जाए।

लेखपाल व अधिवक्ताओं के बीच विवाद अभी शांत, कार्य बहिष्कार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर तहसील में पिछले कुछ दिनों से लेखपालों और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा गतिरोध फिलहाल समाप्त हो गया है। दोनों पक्षों के बीच हुई मामूली कहासुनी के बाद शुरू हुआ धरना और कार्य बहिष्कार वापस ले लिया गया है, जिससे तहसील में कामकाज फिर से पटरी पर लौट आया है।विवाद की मुख्य वजह

जानकारी के अनुसार लक्सर तहसील में पिछले कुछ दिनों से लेखपालों और अधिवक्ताओं के बीच चल रहा गतिरोध फिलहाल समाप्त हो गया है। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष उदय पाल पंवार के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब एक अधिवक्ता अपने कार्य के सिलसिले में लेखपाल राणा के पास गए थे। आरोप है कि लेखपाल ने न केवल उनके साथ अभद्रता की, बल्कि कमरे से बाहर जाने को कहा। साथ ही, अधिवक्ता के साथ मौजूद अन्य व्यक्ति के खिलाफ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने और जान से मारने की धमकी देने के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं।गंभीर आरोपों के घेरे में लेखपालअध्यक्ष उदय पाल पंवार ने लेखपालों पर कई तीखे प्रहार किए हैं:हथियार का प्रदर्शन: आरोप है कि लेखपाल तहसील परिसर में पिस्तौल लेकर आते हैं, जिससे आम जनता और अधिवक्ताओं में भय का माहौल रहता है।संपत्ति की जांच की मांग: बार एसोसिएशन ने संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर लेखपालों की संपत्ति की जांच करने की मांग की है। उनका तर्क है कि वेतन के अनुपात में लेखपालों के पास अत्यधिक संपत्ति है।भ्रष्टाचार के आरोप: सूत्रों और एसोसिएशन का दावा है कि लेखपाल आम जनता की जायज पैमाइश के लिए समय नहीं निकालते, लेकिन श्नजी हितोंश के साधने पर अवैध पैमाइश को भी अंजाम दे देते हैं। प्रशासनिक हस्तक्षेप से सुलझा मामला-विवाद बढ़ने पर लेखपालों ने अधिवक्ताओं के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी थी, जिसके जवाब में एडवोकेट संगठन ने भी मोर्चा खोल दिया। एसपी देहात के हस्तक्षेप और आश्वासन के बाद अधिवक्ताओं ने फिलहाल अपना विरोध वापस लिया है।अभी कार्य बहिष्कार केवल स्थगित किया गया है। यदि अगले 15-20 दिनों के भीतर इस मामले का पूर्ण रूप से सम्मानजनक समाधान नहीं हुआ, तो अधिवक्ता संगठन आगे की रणनीति तैयार कर बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा-उदय पाल पंवार, अध्यक्ष, बार एसोसिएशन।

बदमाशों का युवक पर जानलेवा हमला, गंभीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। झबरेड़ा थाना क्षेत्र में देर शाम बेखौफ बदमाशों ने एक युवक पर जानलेवा हमला कर उसे मरणासन्न हालत में छोड़ दिया। घटना के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है और लोग खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, झबरेड़ा के कोटवाल आलमपुर गांव के पास तीन युवक एक ही बाइक पर सवार होकर कहीं जा रहे थे। बताया जा रहा है कि रास्ते में पहले से घात लगाए बैठे दर्जनों अज्ञात हमलावरों ने अचानक उन्हें चारों ओर से घेर लिया। हमलावरों के हाथों में धारदार हथियार थे, जिन्हें देखकर बाइक सवार युवकों के होश उड़ गए। हमले की अचानकता का फायदा उठाते हुए दो युवक किसी तरह मौके से जान बचाकर भागने में सफल रहे, लेकिन राहुल नामक युवक बदमाशों के चंगुल में फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हमलावरों ने राहुल पर धारदार हथियारों से ताबड़तोड़ वार किए। वार इतने बेरहमी से किए गए कि युवक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। उसकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण घटनास्थल की ओर दौड़े। भीड़ को अपनी ओर आता देख हमलावर युवक को मरणासन्न हालत में छोड़कर फरार हो गए। ग्रामीणों ने बिना समय गंवाए घायल राहुल को रुड़की के सिविल अस्पताल पहुंचाया। डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। फिलहाल वह जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा है। घटना की सूचना मिलते ही झबरेड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। पुलिस ने अज्ञात हमलावरों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश तेज कर दी है।

खानपुर पुलिस ने छात्राओं को सुरक्षा, साइबर जागरूकता व आत्मरक्षा के प्रति किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर/खानपुर। थाना खानपुर क्षेत्र में पुलिस द्वारा सामुदायिक सहभागिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार के निर्देशानुसार आयोजित किया गया, जिसमें आमजन को विभिन्न विषयों पर जागरूक करने, उनकी समस्याएं सुनने तथा सुझाव प्राप्त करने के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में दिनांक 24-02-2026 को थाना खानपुर पुलिस टीम द्वारा क्षेत्र के एक कन्या इंटर कॉलेज में 'गौरा शक्ति मिशन' के अंतर्गत विशेष बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं एवं शिक्षकगणों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं को उत्तराखंड पुलिस ऐप के उपयोग की प्रक्रिया, यातायात नियमों का पालन, साइबर अपराधों के विभिन्न प्रकार एवं उनसे बचाव के उपायों की विस्तृत जानकारी दी। साथ ही महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराध, मानव तस्करी, सोशल मीडिया के दुष्प्रभाव, बढ़ती नशे की प्रवृत्ति एवं उसके दुष्परिणामों पर भी प्रकाश डाला गया। छात्राओं को आपातकालीन सेवा डायल- 112 एवं साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी देते हुए किसी भी संदिग्ध गतिविधि या व्यक्ति की सूचना तत्काल पुलिस को देने हेतु प्रेरित किया गया। एटीएम/बैंक फ्रॉड से बचाव तथा सोशल

मीडिया पर सावधानी बरतने के संबंध में भी महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए गए। पुलिस अधिकारियों ने छात्राओं की समस्याएं सुनीं और उनके सुझाव प्राप्त कर उन्हें भरोसा दिलाया कि पुलिस हर समय उनकी सुरक्षा के लिए तत्पर है। थाना खानपुर पुलिस द्वारा 'गौरा शक्ति मिशन' सहित अन्य जन-जागरूकता अभियानों को व्यापक एवं प्रभावी बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे समाज में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण सुदृढ़ हो सके।

पुलिस ने दरगाह क्षेत्र में चलाया चेकिंग अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह साबिर पाक परिसर में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वालों के खिलाफ पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को पुलिस ने दरगाह परिसर में सघन चेकिंग अभियान चलाकर रील बनाने वालों को कड़ी चेतावनी दी।

पिरान कलियर निवासी मोईन साबरी ने दरगाह परिसर में कुछ लोग रील बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित किए जाने की शिकायत ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रुड़की से की थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कुछ असामाजिक तत्व धार्मिक स्थल की मर्यादा का उल्लंघन कर माहौल खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।शिकायत के बाद प्रशासन की ओर से दरगाह परिसर में चेतावनी बोर्ड लगवाए गए थे जिनमें रील और वीडियो बनाने पर कार्रवाई की चेतावनी दी गई थी। इसके बावजूद कुछ लोग लगातार वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर प्रसारित कर रहे थे।मंगलवार को एसआई उपेंद्र कुमार ने पुलिस टीम के साथ दरगाह परिसर में अभियान चलाया। इस दौरान रील बना रहे लोगों को सख्त हिदायत दी गई कि भविष्य में ऐसा करने पर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि ज्वाइंट

मजिस्ट्रेट के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि दरगाह की पवित्रता और जायरीनों की भावनाओं से किसी को खिलवाड़ नहीं करने दिया जाएगा। यदि कोई भी व्यक्ति धार्मिक स्थल की मर्यादा भंग करता पाया गया तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

बुधवार, 25 फरवरी 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

तीसरी वार्ता पर नजर

एक तरफ जहां गुरुवार से अमेरिका और ईरान के बीच जिन. `वा में तीसरे दौर की बातचीत होने जा रही है, तो वहीं दूसरी तरफ जिस तरह के हालात बन रहे हैं, वह बिल्कुल भी आश्वस्त करते दिखाई नहीं दे रहे हैं। अमेरिका-ईरान की ही बात करें, एक तरफ वे वार्ता के माध्यम से किसी हल पर पहुं. चने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ युद्ध की तैयारी में भी लगे हुए हैं। अमेरिका जहां ईरान को घेरने के लिए अपने सबसे बड़े बेड़े व आधुनिक युद्ध पोतों से ईरान को घेरे हुए है, तो वहीं ईरान भी किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार होने की बात कह रहा है। अब कोई भी समझ सकता है कि इस तरह के वातावरण में किसी भी वार्ता का क्या हल निकल सकता है। इसलिए लोग गुरुवार को होने वाली वार्ता के विषय में भी ज्यादा शांति की उम्मीद नहीं लगा रहे हैं। पश्चिम देश तो पहले से ही अपने नागरिकों को ईरान छोड़ने की नसीहत दे रहे हैं और अब भारत भी उन देशों में शामिल हो गया है, जिसको अपने नागरिकों की सुरक्षा की चिंता है। भारत ने भी कह दिया है कि जहां भी ईरान में भारतीय नागरिक हों, वे सुरक्षित स्थानों पर जमे रहें और संभव हो तो ईरान को तुरंत छोड़ दें। जाहिर है इस तरह की चेतावनियां तभी दी जाती हैं, जब हालातों के बिगड़ने का अंदेशा होता है। यूं तो अमनपसंद लोग यह चाहते हैं कि ईरान व अमेरिका के बीच परमाणु बेलेस्टिक मिसाइल को लेकर बढ़ता तनाव शांतिपूर्वक तरीके से कम हो जाए, अगर ऐसा नहीं होता, तो इसके बहुत विनाशकारी परिणाम सामने आ सकते हैं। अगर अमेरिका-ईरान के बीच टकराव होता है तो यह केवल दो देशों के बीच का टकराव नहीं होगा। अमेरिका के साथ जहां इजरायल व पश्चिमी देश खड़े दिखाई दे रहे हैं, तो वहीं ईरान के साथ रूस, चीन, उ. कोरिया जैसे देश ईरान को सहयोग देते दिखाई दे रहे हैं। रूस ने तो कह भी दिया है कि वह ईरान के साथ खड़ा है, तो वहीं चीन ने भी ईरान पर हमले की सूरत में गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। ऐसा नहीं है कि अमेरिकी राष्ट्रपति आज के समय की गंभीरता को नहीं समझते, अगर वह ऐसा न करते तो अब तक कभी का हमला कर चुके होते, लेकिन यहां दूसरी दिक्कत यह भी है कि दोनों ही पक्ष इतनी दूर तक आगे बढ़ चुके हैं जहां से पीछे लौटना इतना आसान भी नहीं है। हालांकि ईरान की इस बात के लिए प्रशंसा करनी होगी कि उसने तनाव कम करने के लिए परमाणु मुद्दों पर बात करने पर अपनी रजामंदी जाहिर की है और कहा है कि अगर उस पर से अमेरिका प्रतिबंध हटाता है तो वह यूरेनियम संवर्धन पर विचार कर सकता है। जबकि अमेरिका बेलेस्टिक मिसा. इल कार्यक्रम को बंद करने के लिए दबाव डाल रहा है। ईरान ने इससे साफ इन्कार कर दिया है, ऐसे में गेंद अब अमेरिका के पाले में है। वह शांति का रास्ता चुनता है या दुनिया को विनाश के रास्ते पर डालता है।

कांग्रेस डरने वाली नहीं है

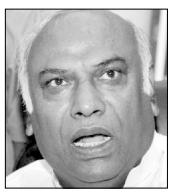

कांग्रेस और उसके कार्यकर्ता नहीं, बल्कि श्री मोदी खुद डरपोक हैं जो संसद की कार्यवाही में हिस्सा लेने से भी डरते हैं, उन्होंने अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर किसानों का नुकसान किया है और उसके खिलाफ जब युवा कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदर्शन करते हैं, तो उन्हें डराने के लिए गिरफ्तार किया जाता है, लेकिन कांग्रेस डरने वाली नहीं है, युवा आज नौकरी के लिए तड़प रहे हैं और देश का माहौल खराब हो चुका है, जिसके कारण मोदी जी के प्रति लोगों में भारी रोष है, श्री ट्रम्प के सामने उन्होंने घुटने टेक दिए, नाक रगड़कर उनकी सारी शर्तों को मान लिया, जिससे पूरा देश शर्मिंदा हो गया। जो काम हमारे किसानों की भलाई और मदद के लिए किया जाना चाहिए था, उसकी बजाय किसानों का नुकसान करने की बात. चीत की गई।

-मल्लिकार्जुन खड़गे, अध्यक्ष, कांग्रेस

कानूनी ब्लैक होल्स की धारणा

30 अप्रैल 2020 के दिन नासा ने तीन निजी कंपनियों को 2024 का चंद्र अभियान पूरा करने के लिए 96.7 करोड़ डॉलर का एक संयुक्त ठेका दिया था। नासा के प्रशासक जिम ब्राइडेनस्टोन ने दावा किया था कि यह वह अंतिम मोहरा है जिसकी जरूरत अमेरिका को चंद्रमा तक पहुंचने के लिए थी। इस बात को मीडिया में तो खूब प्रसा. रित किया गया था, लेकिन इस बात पर बहुत कम चर्चा हुई थी कि अंतरिक्ष अभियानों को लेकर जो मौजूदा कानून संधियां हैं वे निजी कंपनियों के उपक्रमों पर किस हद तक लागू होते हैं। दरअसल, कॉर्पोरेट जगत द्वारा धरती से बाहर कदम जमाने के चलते आशाओं और चिंताओं दोनों को हवा मिली है। चिंताएं और आशाएं अंतरिक्ष में बढ़ते पूंजीगत निवेश के संभावित लाभों को लेकर हैं।

1967 में राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि OST मंजूर की गई थी। यह यूएस के तथाकथित नव-अंतरिक्ष किरदारों के उदय के संदर्भ में विश्लेषण का एक ढांचा माना गया था। इस लेख का तर्क है कि बाह्य अंतरिक्ष में निजी कंपनियों की मौजूदगी को लेकर कई महत्वपूर्ण कानूनी अस्पष्टताएं हैं। इन खामियों की वजह से ही यूएस सरकार को यह गुंजाइश मिली है कि वह OST के अंतर्गत अपने दायित्वों को दरकिनार कर सके और साथ ही संरचना को परिवर्तित करके अंतरिक्ष की वैश्विक साझा संसाधन की धारणा को ठेस पहुंचा सके। OST के अंदर अंतरिक्ष के संसाधनों को लेकर निजी संपदा अधिकारों को लेकर विशिष्ट प्रावधान न होने के कारण यह जोखिम पैदा हो रहा है कि धरती के संसाधनों में जो गैर-बराबरी है वह, और अंतरिक्ष में यूएस का दबदबा दोनों अंतरिक्ष के संसाधनों पर भी लागू हो जाएंगे। इस तरह से, अंतरिक्ष के लाभ एक व्यापक विश्व समुदाय की बजाय मुट्ठीभर धनवान अमेरिकी निवेशकों के हाथों में सिमट जाएंगे।

इसके अलावा, OST में अंतरिक्ष निरीक्षण के नियमन को लेकर जो कमजोर प्रावधान हैं, उनके चलते यूएस उपग्रहों के नेटवर्क global panopticon को बढ़ावा मिलेगा। दोहरे उपयोग वाली टेक्नॉलॉजी के उभार की वजह से सैन्य और नागरिक अवलोकनों के बीच का अंतर धुंधला पड़ रहा है। इसके चलते यूएस द्वारा अंतरिक्ष-आधारित डैटा संग्रह की प्रकृति को लेकर गंभीर नैतिक चिंताएं पैदा हुई हैं और अंतिम बात कि निजी उपग्रहों की बढ़ती संख्या इस बात की संभावना बढ़ा रही है कि अंतरिक्ष में फैले मलबे के बीच भयानक टक्करें होंगी और भू-राजनैतिक तनाव बढ़ेंगे। इस तरह के विकास की वजह से अंतरिक्ष में ऐसे अपमिश्रण की आशंका भी कई गुना बढ़ गई है, जिसकी कल्पना OST में नहीं की गई थी।

राष्ट्र संघ बाह्य अंतरिक्ष संधि और नव-अंतरिक्ष किरदार

हालांकि OST 1967 में अस्तित्व में आई थी, लेकिन संभवत: आज भी यही एक प्रासंगिक उपकरण है जिसके तहत बाह्य अंतरिक्ष में राज्य तथा गैर-राज्य गतिविधियों का विश्लेषण किया जा सके। शीत युद्ध के चरमोत्कर्ष पर अंतरिक्ष के सैन्यकरण तथा राष्ट्रों द्वारा आकाशीय पिंडों पर कब्जे, दोनों की रोकथाम के संदर्भ में OST का प्रमुख स्थान है। 100 से ज्यादा राष्ट्रों ने इसका अनुमोदन किया है, जिनमें यूएस, रूस व चीन जैसे प्रमुख अंतरिक्ष यात्री राष्ट्र शामिल हैं और इस प्रकार से यह संधि एक अधिकारिक दस्तावेज के तौर पर व्यापक रूप से मान्य है और यही बाद में बनने वाली अन्य अंतरिक्ष संधियों का आधार रही है। यह संधि बाद के दस्तावेजों से इस मायने में भिन्न है कि कई देश इन पर हस्ताक्षर करने से कतराते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर 1972 की चंद्रमा संधि जिसका उद्देश्य चंद्र अभियानों और विकास में सहयोग को बढ़ावा देना है। बाह्य अंतरिक्ष के क्षेत्र में शामिल हो रहे अमेरिकी किरदारों में बहुत विविधता आई है। हालांकि ए 1950 के दशक से ही नासा के साथ काम करते रहे हैं, लेकिन तब व्यावसायिक उद्यम मूलत: रॉकेटों तथा अंतरिक्ष गतिविधियों से सम्बंधित अन्य पुर्जों का उत्पादन किया करते थे, लेकिन अपोलो 11 के चांद पर उतरने के बाद से नासा के बजट में कुल मिलाकर तेज गिरावट देखी गई और इसके साथ ही सरकारी कार्यों के निजीकरण की प्रवृत्ति भी बढ़ी। इसकी वजह से निजी अंतरिक्ष कंपनियों की क्षमताएं और नजरिया दोनों बदले हैं। एक ओर अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में विश्व स्तर पर विस्तार हो रहा है, वहीं 2012 से 2013 के दरम्यान सरकारों का खर्च 1.3 प्रतिशत कम हुआ है और व्यावसायिक क्षेत्र में लगभग 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। निजी अंतरिक्ष क्षेत्र में विस्तार का प्रमुख जोर तथाकथित 'नव-अंतरिक्ष' किरदारों से आया है। यह मूलत: यूएस स्थित उद्यमी हैं जो 30 से अधिक वर्षों से अंतरिक्ष को व्यावसायिक क्षेत्र बनाने का प्रयास करते आए हैं। अर्थव्यवस्था के उदारवादी नजरिए से चालित और अंतरिक्ष खोजबीन में नासा की ऐतिहासिक पकड़ के आलोचक यह किरदार स्वयं को 'अंतिम मोर्चे' के अग्रणि किरदार कहते आए हैं जो निजी वित्तपोषित अंतरिक्ष अभियानों के जरिए मानवता को विलुप्ति से बचाएंगे।

पृथ्वी के नजदीकी पिंड और संसाधन का खनन, अंतरिक्ष में यूएस की निजी संपत्ति

अपोलो अभियानों की मदद से प्राप्त चंद्रमा की चट्टानों के नमूनों में हीलियम-3 जैसे दुर्लभ तत्व हैं जो पृथ्वी पर पारंपरिक नाभिकीय परमाणु बिजली घरों की अपेक्षा ज़्यादा बिजली पैदा कर सकते हैं और इनमें कचरा भी कम पैदा होगा। ऐसे ही संसाधनों ने धरती से परे

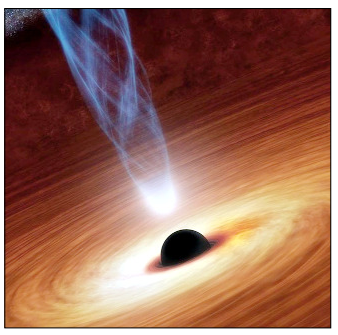

संसाधनों के खनन के लिए प्रलोभन-प्रोत्साहन प्रदान किया है। इस विचार को और बल मिला जब यह पता चला कि पृथ्वी के नजदीकी पिंडों (जैसे तथाकथित एंटेरॉस क्षुद्र ग्रह) में शायद पांच खरब डॉलर मूल्य का मैग्नीशियम सिलिकेट और एल्युमिनियम मौजूद है।

अंतरिक्ष-यात्री राष्ट्रों द्वारा अंतरिक्ष के संसाधनों पर कब्जा करने के ऐसे संभावित प्रयासों के मद्देनजर राष्ट्र संघ OST के अनुच्छेद II में घोषित किया गया था कि बाह्य अंतरिक्ष पर राष्ट्रीय संप्रभुता के आधार पर, कब्जा करके, उसका उपयोग करके या अन्य किसी तरीके से, अधिग्रहित करने की अनुमति नहीं है। राष्ट्रीय संप्रभुता के दावों पर जोर देने का मुख्य सरोकार उस समय जारी शीत युद्ध के माहौल से था, जब अंतरिक्ष गतिविधियां पूरी तरह सरकारी संस्थाओं का एकाधिकार थीं और इन्हें सैन्य वर्चस्व या राष्ट्रीय प्रतिष्ठा के उद्देश्य से शुरू किया जाता था। अलबत्ता, 1980 के दशक से अंतरिक्ष उद्योग के निजीकरण का अर्थ हुआ है कि उक्त कानून में अंतरिक्ष में संसाधनों के निजी दोहन के नियमन को लेकर कई कानूनी अस्पष्टताएं हैं और व्याख्या की गुंजाइश है। जैसा कि एम. शेयर ने दर्शाया है, अनुच्छेद आईआई इस समस्या को संबोधित करने में असफल रहता है कि अंतरिक्ष का दोहन वित्तीय लाभ के लिए करने पर या निजी उद्योग द्वारा उस पर अपना अधिकार जताने पर क्या किया जाएगा। बहरहाल, राष्ट्र संघ संधि का अनुच्छेद VI कहता है राष्ट्रीय अंतरिक्ष गतिविधियों के लिए राज्य जिम्मेदार होगा, चाहे वे गतिविधियां सरकारी एजेंसी द्वारा की जाएं या गैर-सरकारी एजेंसियों द्वारा। कई विशेषज्ञों का मानना है कि यह अनुच्छेद निजी अंतरिक्ष कॉर्पोरेशन्स की गतिविधियों पर काफी अंकुश लगा सकता है, क्योंकि इसके अंतर्गत निजी एजेंसियों की गतिविधियों का दायित्व भी राज्य पर होगा। अलबत्ता, यूएस सरकार ने हाल ही में एक कानून लागू किया है जिसमें इस अनुच्छेद का फायदा उठाया गया है ताकि अपने प्रतिबंधों को बायपास कर सके और अंतरिक्ष में यूएस के आर्थिक दबदबे को मजबूत कर सके। 2015 के यूएस अंतरिक्ष कानून के पारित होने से यूएस के नागरिकों को अंतरिक्ष से प्राप्त हुए संसाधनों को अपने पास रखने, उनके स्वामित्व, परिवहन और बिक्री का अधिकार मिल गया है अर्थात इसमें सावधानीपूर्वक राष्ट्रीय संप्रभुता के दावे को छोड़ दिया गया है। तो, चाहे वह कोई अमेरिकी निजी कंपनी हो या सार्वजनिक उद्यम हो, यूएस अपने भू-राजनैतिक हितों की पूर्ति कर रहा है जिसके लिए वह अमेरिकी लाभ के लिए अंतरिक्ष के संसाधनों को समेट रहा है। इस तरह से राष्ट्र की सॉफ्ट शक्ति में चीन जैसे अंतरिक्ष-यात्री देशों की कीमत पर इजाफा हो रहा है। दरअसल, नव-अंतरिक्ष किरदारों ने विधेयक के पारित होने से पहले इन सामरिक सरोकारों को चतुराई से उछाला था। जैसे अरबपति अंतरिक्ष उद्यमी रॉबर्ट बिजलो ने दावा किया था कि सबसे बड़ा खतरा चांद पर निजी उद्यमियों से नहीं है बल्कि इस बात से है कि अमेरिका सोता रहे, कुछ न करे जबकि चीन आगे आए। सर्वेक्षण करे और ख्वांद पर, दावा ठोंक दे।

यूएस सरकार द्वारा निजी कंपनियों को समर्थन से संभावना है कि संपदा में पृथ्वी-आधारित गैर-बराबरी को अंतरिक्ष में मजबूत किया जाएगा। कई नव-अंतरिक्ष किरदार अंतरिक्ष में अपनी दीर्घावधि महत्वाकांक्षाओं को मानवीय सुर में ढालते हैं। जैसे, वे यह वादा करेंगे कि वे मानव जाति को आसन्न विलुप्ति के खतरे से बचाने के लिए अंतरिक्ष में बस्तियां बनाएंगे। अलबत्ता, इस तरह का विमर्श शायद ही उनकी खालिस निजी प्रकृति को छुपा सके। वे यह कहते नजर आते हैं कि पूरे मामले में आम नागरिकों का हित जुड़ा है लेकिन हकीकत यह है कि ए अंतरिक्ष अग्रदूत वास्तव में एक छोटे से ब्रह्मांडीय आभिजात्य समूह के सदस्य हैं, Amazon.com, Microsoft, Pay Pal के संस्थापक और तरह-तरह के गेम डिजाइनर तथा होटल व्यवसाई। वास्तव में, निजी अंतरिक्ष उद्यमियों ने स्वयं सुझाव दिया है कि उन पर कोई दायित्व नहीं होना चाहिए कि वे अंतरिक्ष से प्राप्त खनिज संसाधनों को विश्व समुदाय के साथ साझा करें। यह बात नाथन इंग्राहम (टेकसाइट Engad.steroid mining के वरिष्ठ संपादक) के भाषण में साफ प्रतिबिंबित हुई थी। उन्होंने कहा था कि क्षुद्रग्रह खनन कैसा होगा यह इस बात पर निर्भर है कि हअमेरिका अंतरिक्ष में कैसे आगे बढ़ता है और अगली वेगास स्ट्रिप कैसे विकसित करता है। ऐसी टिप्पणियां उस चीज को रेखांकित करती हैं जिसे बीयरी 'स्केलर पोलिटिक्स' कहते हैं।

...साभार एस.एस.

कैसे बचना है एड्स से, बस यही जरूरी है

एड्स से बचाव

एड्स से बचाव के लिए सामान्य व्यक्ति को एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आने से बचना चाहिए। साथ ही साथ एड्स से बचाव के लिए निम्नलिखित सावधानियां बरतनी चाहिए। पीड़ित साथी या व्यक्ति के साथ योनि सम्बन्ध स्थापित नहीं करना चाहिए, अगर कर रहे हों तो सावधानीपूर्वक कंडोम का प्रयोग करना चाहिए, लेकिन कंडोम इस्तेमाल करने में भी कंडोम के फटने का खतरा रहता है और अपने जीवनसाथी के प्रति वफादार रहें, एक से अधिक व्यक्ति से यौन संबंध ना रखें। खून को अच्छी तरह जांचकर ही उसे चढ़ाना चाहिए। कई बार बिना जांच के खून मरीज को चढ़ा दिया जाता है जो कि गलत है। इसलिए डॉक्टर को खून चढ़ाने से पहले पता करना चाहिए कि कहीं खून एचआईवी दूषित तो नहीं है।

एड्स का मतलब है उपार्जित प्रतिरक्षा अपूर्णता सहलक्षण एड्स मानव प्रतिरक्षा अपूर्णता विषाणु से होता है। जो कि मानव की प्राकृतिक प्रतिरोधी क्षमता को कमजोर करता है। एचआईवी शरीर की रोग प्रतिरोधी क्षमता पर आक्रमण करता है, जिसका काम शरीर को संक्रामक बीमारियों, जो कि जीवाणु और विषाणु से होती हैं से बचाना होता है। एचआईवी रक्त में उपस्थित प्रतिरोधी पदार्थ लसीका-कोशो पर हमला करता है। यह पदार्थ मानव को जीवाणु और विषाणु जनित बीमारियों से बचाते हैं और शरीर की रक्षा करते हैं। जब एचआईवी द्वारा आक्रमण करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षय होने लगती है, तो इस सुरक्षा कवच के बिना एड्स पीड़ित लोग भयानक बीमारियों क्षय रोग और कैंसर आदि से पीड़ित हो जाते हैं और शरीर को कई अवसरवादी संक्रमण यानि आम सर्दी जुकाम, फुफ्फुस प्रदाह इत्यादि घेर लेते हैं। जब क्षय और कर्क रोग शरीर को घेर लेते हैं, तो उनका इलाज करना कठिन हो जाता है और मरीज की मृत्यु भी हो सकती है।

एड्स कैसे फैलता है

अगर एक सामान्य व्यक्ति एचआईवी संक्रमित व्यक्ति के वीर्य, योनि स्राव अथवा रक्त के संपर्क में आता है, तो उसे एड्स हो सकता है। आमतौर पर लोग एचआईवी पॉजिटिव होने को एड्स समझ लेते हैं, जो कि गलत है, बल्कि एचआईवी पॉजिटिव होने के 8-10 साल के अंदर जब संक्रमित व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता क्षीण हो जाती है। तब उसे घातक रोग घेर लेते हैं और इस स्थिति को एड्स कहते हैं। एड्स ज्यादातर चार माध्यमों से होता है।

पीड़ित व्यक्ति के साथ असुरक्षित योनि सम्बन्ध स्थापित करने से। दूषित रक्त से, संक्रमित सुई के उपयोग से, एड्स संक्रमित मां से उसके होने वाली संतान को।

एड्स के लक्षण

एचआईवी से संक्रमित लोगों में लम्बे समय तक एड्स के कोई लक्षण दिखाई नहीं देते। लंबे समय तक (3, 6 महीने या अधिक) एचआईवी का भी औषधिक परीक्षण से पता नहीं लग पाता। अधिकतर एड्स के मरीजों को सर्दी, जुकाम या विषाणु बुखार हो जाता है पर इससे एड्स होने का पता नहीं लगाया जा सकता। एचआईवी वायरस का संक्रमण होने के बाद उसका शरीर में धीरे-धीरे फैलना शुरू होता है। जब वायरस का संक्रमण शरीर में अधिक हो जाता है, उस समय बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं। एड्स के लक्षण दिखने में आठ से दस साल का समय भी लग सकता है। ऐसे व्यक्ति को, जिसके शरीर में एचआईवी वायरस हों पर एड्स के लक्षण प्रकट न हुए हों, एचआईवी पॉजिटिव कहा जाता है।

एड्स के कुछ प्रारंभिक लक्षण

वजन का काफी हद तक काम हो जाना, लगातार खांसी बने रहना, बार-बार जुकाम का होना, बुखार, सिरदर्द, थकान, शरीर पर निशान बनना, हैजा, भोजन से अरूचि, लसीकाओं में सूजन, ध्यान रहे कि ऊपर दिए गए लक्षण अन्य सामान्य रोगों के भी हो सकते हैं। अत: एड्स की निश्चित रूप से पहचान केवल और केवल, औषधीय परीक्षण से ही की जा सकती है व की जानी चाहिए। एचआईवी की उपस्थिति का पता लगाने हेतु मुख्यत:

एंजाइम लिंक्ड इम्यूनोएब्जॉर्बेंट एसेस यानि एलिसा टेस्ट किया जाता है।

एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां

बहुत सारे लोग समझते हैं कि एड्स पीड़ित व्यक्ति के साथ खाने, पीने, उठने, बैठने से हो जाता है जो कि गलत है। यह समाज में एड्स के बारे में फैली हुई भ्रांतियां हैं। सच तो यह है कि रोजमर्रा के सामाजिक संपर्कों से एचआईवी नहीं फैलता जैसे कि पीड़ित के साथ खाने-पीने से, बर्तनों की साझीदारी से, हाथ मिलाने या गले मिलने से, एक ही टॉयलेट का प्रयोग करने से, मच्छर या अन्य कीड़ों के काटने से, पशुओं के काटने से, खांसी या छींकों से, एड्स का उपचार, एड्स के उपचार में एंटी रेट्रोवाइ. रल थेरपी दवाइयों का उपयोग किया जाता है। इन दवाइयों का मुख्य उद्देश्य एचआईवी के प्रभाव को काम करना, शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना और अवसरवादी रोगों को ठीक करना होता है। समय के साथ-साथ वैज्ञानिक एड्स की नई-नई दवाइयों की खोज कर रहे हैं, लेकिन सच कहा जाए तो एड्स से बचाव ही एड्स का बेहतर इलाज है।

मानव पहले से इतना हिंसक था!

मानवविज्ञानियों के बीच यह बहस का विषय रहा है कि क्या मनुष्य सदा से इतना ही क्रूर और हिंसक था, या पहले कम हिंसक था और अब अधिक हो गया है और इस मामले में दो मत रहे हैं-पहला, खेती की शुरुआत होने के पहले तक मानव सभ्यताएं शांत-स्वभावी थीं और मैत्रीपूर्ण माहौल थाय दूसरा, कृषि के पहले मानव बस्तियां क्रूर थीं और लड़ने को तत्पर थीं, और जब उन्होंने मिल-जुल कर खेती करना शुरू किया तो शांतिपूर्ण हो गईं, लेकिन इनमें से किसी भी मत के पक्ष में ठोस सबूत नहीं मिले थे और दोनों ही मतों पर संदेह बना रहा। हालिया अध्ययन इसी सवाल पर कोई मत बनाने का प्रयास है और निष्कर्ष है कि इतिहास में मनुष्य की प्रवृत्ति को किसी एक खांचे, अधिक शांत या अधिक हिंसक, में नहीं रखा जा सकता। कोई मानव समाज कब-कितना हिंसक रहा इसे एक सीधी ऊपर जाती या सीधी नीचे उतरती रेखा से नहीं दर्शाया जा सकता है। बार्सिलोना विश्वविद्यालय के आर्थिक इतिहासकार जियोकोमो बेनाटी और उनके साथियों द्वारा नेचर ह्यूमन बिहेवियर में प्रकाशित नतीजों के अनुसार, दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग कारणों से कई बार हिंसा भड़की और शांति बनी। इन निष्कर्षों तक पहुंचने के लिए शोधकर्ताओं ने वर्तमान तुर्की, ईरान, इराक, सीरिया, लेबनान, इस्राइल और जॉर्डन में खुदाई में पाए गए कंकालों का विश्लेषण किया। अध्ययन में इन स्थानों पर 12,000 ईसा पूर्व से 400 ईसा पूर्व काल तक के 3500 से अधिक मानव कंकालों को देखा गया। उन्होंने पाया कि मानव समाज में सामाजिक-आर्थिक उथल-पुथल और बदलती जलवायु के दौर में पारस्परिक हिंसा अधिक दिखती है-मुख्य रूप से सिर पर आघात के मामले काफी मिलते हैं। फिर शोधकर्ताओं ने उन खोपड़ियों को ध्यान से देखा जो टोपी-किनारे की रेखा के ऊपर क्षतिग्रस्त हुई थीं। टोपी-किनारे की रेखा कपाल पर एक ऐसी काल्पनिक रेखा है जिसके आधार पर मानवविज्ञानी बताते हैं कि चोट किसी दुर्घटना के कारण लगी है या इरादतन प्रहार किया गया था। मसलन गिरने के कारण लगने वाली चोटें आंख, नाक और भौंह के आसपास लगती हैं, जबकि खोपड़ी के ऊपरी हिस्से पर चोट किसी प्रहार के कारण लगती है। इसके अलावा उन्होंने हथियार से संबंधी चोटों की पुष्टि के लिए कंकाल के अन्य हिस्सों की भी जांच की, जैसे कि घोंपने के निशान या बचाव करते समय हड्डी में आया फ्रैक्चर वगैरह। हालांकि, शोधकर्ताओं ने चोट के इन

निशानों पर कम भरोसा किया, क्योंकि इनमें यह पहचानना मुश्किल है कि यह निशान प्रहार के नतीजे हैं या दुर्घटना के। फिर भी विश्लेषण से यह पता चलता है कि प्राचीन मध्य पूर्व में हिंसा 6500 से 5300 साल पहले तक ताम्रपाषाण युग के दौरान चरम पर थी। इसके बाद प्रारंभिक और मध्य कांस्य युग के दौरान यह बहुत कम हो गई क्योंकि समूहों ने आक्रामक व्यवहार को नियंत्रित करने की अपनी क्षमता को मजबूत कर लिया था। लौह युग की शुरुआत में, करीब 3000 साल पहले, फिर से बढ़ गई थी।

मध्य पूर्वी क्षेत्र में ताम्रपाषाण काल एक संक्रमणकाल था। बस्तियां फैल रही थीं, राज्य बनने लगे थे, और लकड़ी व पत्थर के औजारों की जगह धातु के औजार लेते जा रहे थे। बढ़ती आबादी, अधिक हकदारी तथा बेहतर हथियारों के चलते हिंसा बढ़ने लगी। इसी तरह, लौह युग में हथियारों की गुणवत्ता कांस्य युग से बेहतर हो गई थी और असीरियन साम्राज्य के सत्ता में आने के साथ ही राजनैतिक पुनर्गठन भी हुआ था। और तो और, राजनैतिक और तकनीकी उथल-पुथल के अलावा यह क्षेत्र एक बड़े जलवायु परिवर्तन से भी गुजरा . करीब 300 साल लंबा सूखा पड़ा, जिसने हजारों लोगों को विस्थापित कर दिया और भीषण अकाल पड़ा। यह निष्कर्ष वर्तमान जलवायु परिवर्तन सम्बंधी चुनौती के लिए एक कड़ी चेतावनी देते हैं। कई विशेषज्ञों की चिंता है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ेगा, वैसे-वैसे मनुष्यों में हिंसक संघर्ष भी बढ़ेगा, लेकिन साथ ही शोधकर्ता अपने नतीजों के बारे मे आगाह भी करते हैं कि ए नतीजे समूह के व्यवहार को दर्शाते हैं, ए एक व्यक्ति के दूसरे व्यक्ति से बर्ताव के बारे में नहीं हैं। अलबत्ता, इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चरम जलवायु घटनाओं से संघर्ष उपज सकता है। लेकिन इस बात के भी प्रमाण हैं कि जब ऐसी संस्थाएं मौजूद होती हैं जो हिंसा को कम कर सकती हैं तो संघर्ष को कम किया जा सकता है। बहरहाल, इतिहास से सबक लेकर ऐहतियात बरतने और संघर्षों को टालने की योजना बनाने में कोई बुराई नहीं है।

आक्रामक नर मेंढक से बचाव

प्रजनन के लिए मेंढक प्रजातियों में नर दो में से किसी एक रणनीति उपयोग करते हैं - या तो वे किसी जगह बैठकर मादा को पुकारते हैं और उनके आने का इंतजार करते हैं, या वे लगातार मादा की तलाश करते हैं और कम समय में अधिक से अधिक मादाओं के साथ संभोग करने की कोशिश करते हैं। अधिक से अधिक मैथुन करने के प्रयास में अक्सर, एक ही मादा पर कई नर चढ़ जाते हैं जिससे मेंढकों का गुत्थमगुत्था सा ढेर बन जाता है, जो मादा को गंभीर रूप से घायल कर सकता है और उसकी जान तक जा सकती है। यूरोपीय मेंढक Rana temporaria संभोग के लिए यही दूसरी रणनीति अपनाते हैं। सर्दियों की लंबी शीतनिद्रा से जागने के बाद युरोपीय नर मेंढक संभोग के लिए मादाओं के पीछे भागते हैं, उन्हें डराते हैं और उन्हें संभोग के लिए मजबूर करते हैं। चूंकि नर मेंढकों की संख्या मादाओं से काफी अधिक होती है इसलिए हालात मादाओं के लिए और भी बुरे हो जाते हैं। वैज्ञानिकों को अब तक लगता था कि नर के इस संभोग हमले से बचने में मादा असहाय होती है, लेकिन रॉयल सोसायटी बी में प्रकाशित नतीजों से पता चलता है कि ए मादाएं इतनी भी असहाय नहीं होती और अवांछित संभोग से बचने के लिए वे कई युक्तियां अपनाती हैं-जैसे वे शरीर को घुमाकर नर के चंगुल से निकल भागती हैं, नर होने का स्वांग रचती हैं, यहां तक कि मरने का नाटक भी करती हैं। इस बात का पता वैकासिक और व्यवहार जीवविज्ञानी कैरोलिन डीट्रिच को तब लगा जब वे युरोपीय मेंढकों में एक अन्य बात की जांच कर रही थी . चूंकि बड़ी साइज की मादाएं अधिक अंडे दे सकती हैं तो क्या नर मेंढक संभोग के लिए शरीर की साइज के आधार पर मादा साथी चुनते हैं? शोधकर्ताओं को नर का किसी विशिष्ट डील-डौल वाली मादा के प्रति झुकाव तो नहीं दिखा, लेकिन उन्होंने पाया कि मादाएं अवांछित नर से बचने के लिए मुख्यत: तीन रणनीति अपना रही थीं। अधिकतर मामलों में वे पानी में नर के नीचे अपने शरीर को घुमाकर उसकी बाहों से निकलने का प्रयास कर रही थीं। मादाएं नर को मूर्ख भी बना रही थीं। वे इस बात का भी फायदा उठाती हैं कि नर संभोग-साथी के मामले में ज़्यादा नखरैल नहीं होते। अधिक से अधिक संभोग के चक्कर में युरोपीय नर मेंढकों का जिससे भी सामना होता है वे उसके साथ संभोग कर लेते हैं। यहां तक कि वे अन्य नरों के साथ, युरो. पीय मादा मेंढक की तरह दिखने वाले युरोपीय भेक यानी टोड के साथ, और यहां तक कि सर्वथा अलग प्रकार के उभयचरों के साथ भी संभोग कर लेते हैं। अब कोई नर मेंढक दूसरे नर पर चढ़ने की कोशिश करता है तो दूसरा मेंढक घुरघुराने की आवाज निकाल कर गलती का एहसास कराता है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान में सैन्य हेलीकॉप्टर हादसे में चार लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के इस्फहान प्रांत में मंगलवार सुबह सेना का एक हेलीकॉप्टर फल और सब्जी मंडी में दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे चार लोगों की मौत हो गई। अर्ध-सरकारी संवाद समिति फार्स ने यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार सुबह 9:09 बजे विमान बाजार के स्टाल से टकराया, जिससे पायलट, सह-पायलट और दो विक्रेताओं की मौत हो गई। प्रांतीय आपातकालीन चिकित्सा सेवा संगठन के प्रमुख अली नसीरी के हवाले से फार्स ने बताया कि घटना के तुरंत बाद चार एम्बुलेंस मौके पर भेजी गईं।

जापान में बस और कार की टक्कर, नौ बच्चों सहित 14 घायल

टोक्यो। जापान के फुकुओका प्रान्त में मंगलवार सुबह एक स्कूली बच्चों की बस और कार के बीच हुई भिड़ंत में 14 लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि यह हादसा ओन्गा शहर के एक चौराहे पर स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 9 बजे हुआ। इस दुर्घटना में घायल होने वालों में शुरूआती कक्षाओं में पढ़ रहे नौ बच्चे, स्कूल के 4 कर्मचारी और कार का चालक शामिल है। सभी घायलों को तुरंत पास के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है ताकि दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाया जा सके।

भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच 'वज्र प्रहार' अभ्यास कल से

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका की सैनिक टुकड़ियों के बीच बुधवार से हिमाचल प्रदेश के बकलोह स्थित स्पेशल फोर्स ट्रेनिंग स्कूल में शुरू होने वाले अभ्यास 'वज्र प्रहार' में हिस्सा लेने के लिए अमेरिकी दल भारत पहुंच गया है। तीन सप्ताह तक चलने वाले इस अभ्यास में भारतीय सेना की ओर से स्पेशल फोर्स इकाई के 45 सैनिक हिस्सा ले रहे हैं जबकि अमेरिका की ओर से वहां की स्पेशल फोर्स ग्रीन बेरेट्स के 12 सैनिक शामिल होंगे।

गर्लफ्रेंड का पीछा कर ड्रग माफिया तक पहुंची सेना

एल मेंचो की मौत से मेक्सिको के 20 राज्यों में भड़की हिंसा, अब तक 25 सैनिक समेत 25 की मौत

मेक्सिको सिटी। मेक्सिको में सेना ने रविवार को एक ऑपरेशन चलाकर देश के सबसे बड़े ड्रग माफिया सरगना एल मेंचो को मार गिराया। मेक्सिको के रक्षा मंत्री रिकार्डो ट्रेविला के मुताबिक मेंचो की लोकेशन का पता उसकी गर्लफ्रेंड के जरिए चला। सेना उसे लंबे समय से ट्रैक कर रही थी।

कई जगह रोडब्लॉक लगाए गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई

एल मेंचो की मौत के बाद भी हिंसक प्रदर्शन हुए। बीबीसी के मुताबिक मेंचो के समर्थकों ने 20 राज्यों में हिंसा फैला दी। कई जगह रोडब्लाक लगाए, गाड़ियों और 20 से ज्यादा सरकारी बैंक शाखाओं में आग लगा दी गई। जालिस्को में लॉकडाउन के हालात हैं। ये शहर फीफा 2026 के मेजबान शहरों में शामिल है। अलग-अलग शहरों में कम से कम 32 मौतें हुई हैं, जिसमें 25 सैनिक शामिल है। ऑपरेशन के दौरान सेना ने बख्तरबंद गाड़ियां और राकेट लान्चर सहित बड़ी संख्या में हथियार जब्त किए। सेना के ऑपरेशन के दौरान एल मेंचो घायल हो गया था। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। इस ऑपरेशन में मेंचो के अलावा अन्य 8 अपराधी भी मारे गए। ट्रेविला ने प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि खुफिया एजेंसियों ने एल मेंचो की गर्लफ्रेंड से जुड़े एक भरोसेमंद साथी की पहचान की थी। उसकी गतिविधियों पर नजर रखी गई। इसी व्यक्ति ने एल मेंचो की प्रेमिका को जालिस्को के पास एक कंपाउंड में पहुंचाया था, जिसका पीछा करते-करते सेना कैंपस तक पहुंच गई। जब महिला वहां से निकली तो अधिकारियों को यकीन हो गया कि भारी सुरक्षा के बीच एल मेंचो कंपाउंड के अंदर ही मौजूद है। इसके बाद सुरक्षाबलों ने तुरंत ऑपरेशन शुरू कर दिया और एक दिन बाद पूरे इलाके को घेर लिया। उन्होंने बताया कि सेना की घेराबंदी के दौरान मेंचो के वफादार बंदूकधारियों ने सेना पर फायरिंग शुरू कर दी। सेना ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें मेंचो घायल हो गया। उसके साथी उसे लेकर पास के जंगल में भाग गए। काफी मशक्कत के बाद सैनिकों ने उसे खोज निकाला। घायल माफिया को हेलिकाप्टर से मेडिकल सेंटर ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने और उसके दो बाडीगार्ड ने दम तोड़ दिया। न्यूयार्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एल मेंचो, जालिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का प्रमुख था। जालिस्को कार्टेल मेक्सिको में ड्रग्स बनाने और बेचने, स्थानीय कारोबारियों से वसूली करने और कई इलाकों में लोगों को डराकर रखने के लिए कुख्यात रहा है। इस कार्टेल की मौजूदगी अमेरिका के 50 राज्यों में है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो के ऊपर 136 करोड़ रुपये का इनाम रखा था। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प काफी समय से मेक्सिको पर एल मेंचो पर एक्शन लेने का दबाव बना रहे थे।

बारामूला। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आयोजित 'खेलो इंडिया विंटर गेम्स 2026' में महिलाओं की स्की पर्वतारोहण वर्टिकल सपर्धा के दौरान प्रतिभागी।

कंबोडिया ने 3541 वर्ग किलोमीटर जमीन से दबीं बारूदी सुरंगें हटाई

नाम पेन्ह। कंबोडिया ने बीते 33 वर्षों में बारूदी सुरंगों और युद्ध के विस्फोटक अवशेषों (ईआरडब्ल्यू) से भरी लगभग 3,541 वर्ग किलोमीटर भूमि को साफ करने में सफलता हासिल की है। प्रधानमंत्री हुन मानेट ने मंगलवार को यह जानकारी राष्ट्रीय बारूदी सुरंग जागरूकता दिवस के अवसर पर दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस अवधि के दौरान 12 लाख से अधिक बारूदी सुरंगों, 26700 टैंक रोधी सुरंगे और 32.4 लाख से अधिक ईआरडब्ल्यू खोजकर नष्ट किए गए हैं। उन्होंने बताया कि साफ की गई भूमि में से 78 प्रतिशत का उपयोग खेती के कामों के लिए, पांच प्रतिशत बुनियादी ढांचे और 17 प्रतिशत आवास, गांवों, स्कूलों और स्वास्थ्य केन्द्रों सहित अन्य उद्देश्यों के लिए किया गया है।

ट्रम्प के इमरजेंसी टैरिफ की वसूली आज से बंद

समझौते से पीछे हटने वाले देशों को ट्रम्प की धमकी, कहा: गेम मत खेलो, ऊंचे टैरिफ लगाऊंगा

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार आज से राष्ट्रपति ट्रम्प की तरफ से लगाए गए इमरजेंसी टैरिफ की वसूली बंद कर देगी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने टैरिफ समझौते से पीछे हटने वाले देशों को चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे। दरअसल, अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने 3 दिन पहले इन टैरिफ को गैरकानूनी बताया गया था।

ट्रेड डील के नाम पर यदि किसी देश ने अमेरिका के साथ 'गेम' खेलने की कोशिश की उसके नतीजे बुरे होंगे साथ ही और ऊंचे टैरिफ लगाए जाएंगे: ट्रम्प

अमेरिकी यूएस कस्टम एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन (सीपीबी) ने एक बयान में कहा कि1977 के कानून इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनामिक पावर्स एक्ट (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ की वसूली मंगलवार रात 12 बजकर 1 मिनट (भारतीय समयानुसार सुबह 10.30 बजे) से बंद कर दी जाएगी। एजेंसी ने इम्पोर्ट्स को निर्देश दिया है कि इन टैरिफ से जुड़े सभी कोड उसके पेन व्हार्टन बजट माडल के अर्थशास्त्रियों के मुताबिक कोर्ट से इस फैसले से अमेरिकी सरकार को 175 अरब डालर (15.75 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई वापस करनी पड़ सकती है। रायटर्स के मुताबिक, आईईईपीए के तहत लगाए गए टैरिफ से अमेरिका की हर दिन 50 करोड़ डालर (4,500 करोड़ रुपये) से ज्यादा की कमाई हो रही थी। अब इन्हें रद्द किए जाने के बाद कंपनियां रिफंड की मांग कर सकती हैं। ट्रुथ सोशल पर ट्रम्प ने कहा कि कई देशों ने अमेरिका को व्यापार में बरसों तक नुकसान पहुंचाया है। ट्रम्प का बयान ऐसे समय पर आया है, जब मंगलवार से भारत समेत सभी देशों पर 15 प्रतिशत टैरिफ शुरू हो जाएगा। दरअसल, कुछ देश 15 प्रतिशत टैरिफ का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प ने ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों से ट्रेड डील कर 10 प्रतिशत अमेरिकी बेस लाइन टैरिफ चुकाने पर सहमति जताई थी। अब 15 प्रतिशत टैरिफ चुकाना पड़ेगा। इन देशों का कहना है कि ट्रेड डील में जब 10 प्रतिशत टैरिफ पर करार हुआ है तो वे ज्यादा टैरिफ नहीं चुकाएंगे। इस पर ट्रम्प प्रशासन ने कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया है। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद कहा कि इस फैसले से उल्टा उनकी ताकत और बढ़ गई है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि सुप्रीम कोर्ट ने अनजाने में उन्हें पहले से ज्यादा अधिकार दे दिए हैं। ट्रम्प ने कहा कि मैं कुछ समय तक 'सुप्रीम कोर्ट' स्माल लेटर में लिखूंगा, क्योंकि मुझे इस फैसले का सम्मान नहीं रहा। उन्होंने फैसले को मूर्खतापूर्ण और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बांटने वाला बताया। इसके बावजूद ट्रम्प का कहना है कि इस फैसले ने यह साफ कर दिया है कि वह दूसरे कानूनों के तहत टैरिफ लगाने की अपनी ताकत का और ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं। कोर्ट ने बाकी बचे टैरिफ को कानूनीतौर पर मजबूत कर दिया है और अब वह उन्हें और ज्यादा सख्त तरीके से लागू कर सकते हैं। ट्रम्प ने यह भी कहा कि वह लाइसेंस जैसे तरीकों का इस्तेमाल करके देशों के खिलाफ कड़े कदम उठा सकते हैं। उन्होंने दावा किया कि कोर्ट ने बाकी सभी टैरिफ को मंजूरी दे दी है और ऐसे टैरिफ की संख्या काफी ज्यादा है। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के तीन दिन से ज्यादा समय बाद लागू किया जा रहा है। एजेंसी ने यह नहीं बताया कि इन तीन दिनों में टैरिफ क्यों वसूले जाते रहे। यह भी साफ नहीं किया गया है कि जिन लोगों से पैसा लिया गया है, उन्हें वह वापस मिलेगा या नहीं। यह आदेश सिर्फ आईईईपीए कानून के तहत लगाए गए टैरिफ पर लागू होगा। जबकि नेशनल सिक्टोरिटी के नाम पर 'सेक्शन 232' के तहत और अनफेयर ट्रेड केस के 'सेक्शन 301' के तहत लगाए गए टैरिफ जारी रहेंगे और उन पर इस फैसले का कोई असर नहीं पड़ेगा। सीपीबी ने कहा है कि वह व्यापार से जुड़े लोगों को आगे की जानकारी आधिकारिक संदेशों के जरिए देती रहेगी।

मुझे नहीं पता, कब तक जिंदा रहूंगा: ट्रम्प

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि मैं कब तक जिंदा रहूंगा, यह मुझे नहीं पता। मैं बहुत लोगों की गोली के निशाने पर हूं। ट्रम्प ने वाइट हाउस में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बात कही। ट्रम्प के इस बयान को दो दिन पहले उनके रिजार्ट में हुई घुसपैठ से जोड़ा जा रहा है।

बहुत लोगों के निशाने पर, दो दिन पहले अमेरिकी राष्ट्रपति के रिजार्ट में घुसा था शख्स

दरअसल, रविवार को एक शख्स डोनाल्ड ट्रम्प के मार-ए-लागो रिजार्ट में घुसने की कोशिश कर रहा था। सुरक्षाकर्मियों ने गोली मार दी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई है। घटना स्थानीय समयानुसार रविवार रात 1.30 बजे हुई। राष्ट्रपति की सुरक्षा करने वाली एजेंसी सीक्रेट सर्विस ने बताया कि युवक गैरकानूनी तरीके से सुरक्षित इलाके में घुसने की कोशिश कर रहा था। वह अपने साथ शाटगन और फ्यूल केन लेकर आया था। मारे गए युवक की उम्र 20 साल थी, वह नार्थ कैरोलीना का रहने वाला था। फिलहाल उसकी पहचान अभी सार्वजनिक नहीं की गई है। मामले की जांच जारी है। घटना के वक्त राष्ट्रपति ट्रम्प वाशिंगटन डीसी में वाइट हाउस में मौजूद थे। आमतौर पर वह वीकेंड पर मार-ए-लागो में समय बिताते हैं। अधिकारियों ने युवक से बरामद हुई शाटगन की एक तस्वीर जारी की है। इसमें एक लाल फ्यूल केन भी दिख रही है। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि रिजार्ट के नार्थ गेट से एक कार के बाहर निकल रही थी, इसी दौरान युवक ने अंदर घुसने की कोशिश की। उसके पास शाटगन और फ्यूल केन थी। सीक्रेट सर्विस के दो एजेंट्स ने उसे रोका और उससे हथियार और केन गिराने को कहा गया।

पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन आरएएन किया तैनात

वाशिंगटन। पलाऊ ने प्रशांत क्षेत्र में पहली बार ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क (ओपन आरएएन) तकनीक की राष्ट्रव्यापी तैनाती की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। पलाऊ नेशनल कम्युनिकेशंस कॉरपोरेशन (पीएनसीसी) ने इस परियोजना के लिए तीन अमेरिकी आपूर्तिकर्ताओं के चयन की घोषणा की है, जिससे यह प्रशांत क्षेत्र में इस तरह की पहली पहल बन गई है। यह उपलब्धि पलाऊ को प्रशांत द्वीप देशों में दूरसंचार नवाचार के अगुआ के तौर पर स्थापित करती है और सुरक्षित, विश्वसनीय तथा लचीले डिजिटल बुनियादी ढांचे के लिए एक क्षेत्रीय मानक तय करती है। प्रशांत क्षेत्र के पहले ओपन आरएएन नेटवर्क के रूप में यह पहल भौगोलिक रूप से बिखरे द्वीप राष्ट्रों में अगली पीढ़ी की कनेक्टिविटी को आगे बढ़ाने में पलाऊ की नेतृत्व भूमिका को दर्शाती है। नई नेटवर्क व्यवस्था से सुरक्षित 4जी और 5जी सेवाएं मजबूत होंगी, डिजिटल आपूर्ति श्रृंखला की लचीलापन बढ़ेगा और अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के लिए व्यावसायिक अवसरों का विस्तार होगा। ओपन आरएएन के जरिए विक्रेताओं में विविधता और बेहतर इंटरऑपरेबिलिटी संभव होगी।

भेड़ियों से मवेशियों की रक्षा के लिए किसान चला सकेंगे गोली

पेरिस। फ्रांस में भेड़ियों की बढ़ती आबादी और पालतू मवेशियों पर उनके बढ़ते हमलों को देखते हुए सरकार ने कहा है कि किसान अब हमलावर भेड़ियों को अपनी बंदूक का निशाना बना सकेंगे। कृषि मंत्री एनी जेनेवर्ड ने बताया कि सरकार ने इस मसले पर बना कानून अब बदल दिया है।

किसान अपने मवेशियों की हिफाजत के लिए भेड़ियों को गोली मार सकेंगे। किसान को तभी गोली दागने का अधिकार होगा, जब उसके पशु बाड़े में सुरक्षित हों या उसने दूसरे सुरक्षा उपाय अपना रखे हों। रेडियो फ्रांस इंटरनेशनल ने खबर दी है कि अब तक के नियमों के अनुसार, किसानों को भेड़ियों पर गोली चलाने की अनुमति तभी मिलती थी, जब उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हों। अब सरकार ने इसे 'हकीकत के साथ तालमेल' बताते हुए बदल दिया है। हालांकि, जो किसान इन छूटों का लाभ उठाएंगे, उन्हें एक साल के भीतर सुरक्षा प्रणाली स्थापित करने की प्रतिबद्धता देनी होगी। साल 2025 में फ्रांस में भेड़ियों के हमलों में लगभग 12,000 पालतू जानवर मारे गए। भेड़िए अब फ्रांस के 60 से अधिक इलाकों में फैल चुके हैं, जबकि पहले वे केवल 10 क्षेत्र तक सीमित थे। सरकार ने 2026 के लिए भेड़ियों को मारने का संख्या बढ़ाकर कुल तादाद (1082) का 21 प्रतिशत कर दिया है। इसका मतलब है कि इस साल लगभग 248 भेड़ियों को मारा जा सकेगा।

अमेरिका के न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर के टायलेट जाम

45 मिनट लाइन में लगना पड़ रहा, मरम्मत के लिए टेक्नीशियन और सैनिकों में झड़प

तेल अवीव। ईरान की तरफ बढ़ रहा अमेरिकी न्यूक्लियर एयरक्राफ्ट कैरियर यूएस जेराल्ड फोर्ड एक अलग ही संकट से जूझ रहा है। जहाज के ज्यादातर टायलेट जाम हो चुके हैं।

पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी

इससे 4500 से ज्यादा नौसैनिकों को रोज 45 मिनट तक लाइन में लगना पड़ रहा है। संकरी पाइपलाइन और वैक्यूम-बेस्ड सिस्टम की डिजाइन में खामी के चलते टायलेट बार-बार जाम हो रहे हैं। जहाज वैक्यूम-बेस्ड सीवेज सिस्टम पर चलता है, जिसमें एक वाल्व खराब होने से पूरे डिपार्टमेंट का टायलेट सिस्टम बंद हो जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, टेक्नीशियन और सैनिकों के बीच झड़प की भी खबर है, क्योंकि मरम्मत करने वाले इंजीनियर रोज लगभग 19 घंटे काम कर रहे हैं। पिछले साल मार्च में भी चार दिन में 205 टायलेट खराब होने की शिकायत सामने आई थी। यूएस जेराल्ड फोर्ड 600 से ज्यादा मौजूद है, जो 10 अलग-अलग जोन में बंटे हैं। यह एयरक्राफ्ट कैरियर बीते आठ महीने से समुद्र में है, लगातार आपरेशनल मूवमेंट की वजह से रूटीन मेंटेनेंस नहीं हो पाया है। करीब 13 बिलियन डालर की लागत से बना यह युद्धपोत दुनिया का सबसे महंगा माना जाता है। इस एयरक्राफ्ट कैरियर को 2017 में कमीशन किया गया था। सीवेज समस्या के पीछे जिस तकनीक का जिक्र हो रहा है, उसे वैक्यूम-बेस्ड वीसीएचटी सिस्टम कहा जाता है। यह आम घरों में इस्तेमाल होने वाले टायलेट सिस्टम से बिल्कुल अलग तरीके से काम करता है। वीसीएचटी का पूरा नाम वैक्यूम कलेक्शन, होल्डिंग एंड ट्रांसफर सिस्टम है। यह खास तरह का सीवेज मैनेजमेंट सिस्टम होता है, जो बड़े जहाजों और क्रूज शिप में लगाया जाता है। इसका मकसद कम पानी में टायलेट वेस्ट को इकट्ठा करना और सुरक्षित तरीके से स्टोर व ट्रांसफर करना होता है। घर के टायलेट में फ्लश करने पर पानी के दबाव और गुरुत्वाकर्षण (ग्रैविटी) से गंदगी नीचे सीवर में चली जाती है। लेकिन समुद्र में चलने वाले जहाजों पर ऐसा सिस्टम पूरी तरह कारगर नहीं होता वीसीएचटी सिस्टम में फ्लश दबाते ही पाइप में वैक्यूम (सक्शन) बनता है। यह सक्शन गंदगी को खींचकर पाइप के जरिए एक बड़े टैंक तक पहुंचा देता है।

लागोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आग लगने से छह घायल

लागोस। नाइजीरिया के शहर लागोस में मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एमएमआईए) के ओल्ड टर्मिनल-1 में सोमवार को आग लग गई, लेकिन एयरपोर्ट प्रबंधन ने बिना किसी बड़े नुकसान के इस पर काबू पा लिया और उड़ान परिचालन पूरी तरह बहाल कर दिया गया।

लागोस के एयरपोर्ट पुलिस कमान ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। कमान के जनसंपर्क अधिकारी एएसपी मोहम्मद अदेओला द्वारा जारी बयान में कहा गया कि 23 फरवरी को हुई इस घटना को सफलतापूर्वक नियंत्रित कर लिया गया। आग की घटना के कारण उड़ान परिचालन बाधित हुआ था, कई यात्री फंस गए थे और कुछ अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों को मोड़ना पड़ा था, क्योंकि इससे कंट्रोल टावर की गतिविधियां प्रभावित हुई थीं। आग बुझाने के दौरान टर्मिनल के कुछ हिस्सों से घना धुआं उठता देखा गया और दमकलकर्मियों को कई घंटों तक मशक्कत करनी पड़ी। कमान ने बताया कि उसी दिन बाद में स्थिति को स्थिर कर लिया गया। बयान में कहा गया कि एयरपोर्ट पुलिस कमान, इकेजा, लागोस, जनता को सूचित करते हुए प्रसन्नता व्यक्त करता है कि मुर्तला मुहम्मद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के ओल्ड टर्मिनल-1 भवन में लगी आग को सफलतापूर्वक काबू में कर लिया गया है। अदेओला ने कहा कि ओल्ड टर्मिनल भवन के एक हिस्से में लगी आग को सभी संबंधित एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से पूरी तरह बुझा दिया गया।

चीन ने 2020 में छिपकर न्यूक्लियर टेस्ट किया: अमेरिका

वॉशिंगटन ने कहा: 6 साल में 400 परमाणु हथियार बनाए

वाशिंगटन। अमेरिका और चीन के बीच परमाणु हथियारों को लेकर तनाव फिर से बढ़ गया है। अमेरिकी अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि चीन ने छह साल पहले 2020 में एक सीक्रेट न्यूक्लियर टेस्ट किया था।

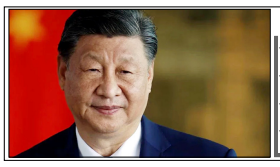

2030 तक 1000 से ज्यादा होंगे, चीन का आरोप-अमेरिका खुद परीक्षण शुरू करना चाहता है

अमेरिकी विदेश विभाग के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने कहा कि 22 जून 2020 को चीन के पश्चिमी इलाके में स्थित लोप नूर में अंडरग्राउंड न्यूक्लियर टेस्ट सेंटर पर एक विस्फोट हुआ था। यह विस्फोट 2.75 तीव्रता का था, जिसकी जानकारी पड़ोसी देश कजाकिस्तान के स्टेशन से मिली। येव ने इसे एक परमाणु विस्फोट बताया। उन्होंने कहा कि भूकंप माइनिंग विस्फोट से अलग थे। यह एक सिंगल फायर एक्सप्लोजन की तरह था, जो परमाणु परीक्षण की निशानी है। येव ने कहा कि चीन ने जानबूझकर अपनी परमाणु ताकत बढ़ाई है। उन्होंने बताया कि 2020 से अब तक चीन के परमाणु हथियार 200 से बढ़कर 600 से ज्यादा हो गए हैं। अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या 1000 से ऊपर पहुंच जाएगी। यह दावा ऐसे समय में आया है जब इस महीने अमेरिका और रूस के बीच का आखिरी बड़ा परमाणु समझौता न्यू स्टार्ट संधि खत्म हो गया है। इस संधि के खत्म होने के साथ ही दुनिया की दो सबसे बड़ी परमाणु शक्तियों के हथियारों पर लगी सीमाएं हट गई हैं, जिससे नए न्यूक्लियर हथियारों की दौड़ की आशंका बढ़ गई है। अमेरिका अब चीन और रूस से पारदर्शिता और खतरनाक हथियारों को सीमित करने की मांग कर रहा है, जबकि चीन इन आरोपों को बेबुनियाद बता रहा है। येव ने जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र समर्थित निरस्त्रीकरण (हथियारों का त्याग) कान्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि न्यू स्टार्ट समझौते की सबसे बड़ी कमी यह थी कि इसमें चीन के तेजी से बढ़ते और गोपनीय परमाणु कार्यक्रम को शामिल नहीं किया गया। पिछले कुछ सालों में परमाणु हथियारों को लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कई विवाद हुए हैं। 2010 में अमेरिका और रूस ने न्यू स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए थे, जो दोनों देशों के रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या को सीमित करती थी। इस संधि के तहत दोनों देशों को अपने परमाणु वारहेड्स को 1550 तक सीमित रखना था और मिसाइलों और बाम्बर्स की संख्या पर भी पाबंदी थी। इस संधि में रूस के गैर-रणनीतिक परमाणु हथियारों, जैसे छोटी दूरी के हथियारों को शामिल नहीं किया गया था। ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में अमेरिका, रूस और चीन के बीच तीन तरफा परमाणु समझौते की कोशिश की थी, लेकिन यह असफल रही।

भारत-जर्मनी के उद्योग जगत के बीच बाधाओं को दूर करता आईजीएसटीसी: डॉ. कुसुमिता

नई दिल्ली। भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र (आईजीएसटीसी) की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

भारत-जर्मन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र ने आज यहां 'एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन' पर रणनीतिक सम्मेलन 2026 का आयोजन किया। इस अवसर पर आईजीएसटीसी की निदेशक डॉ. कुसुमिता अरोरा ने कहा कि यह सम्मेलन प्रमुख हितधारकों यानी सरकारी क्षेत्र की हस्तियों, संरक्षण विशेषज्ञों, अकादमिक अनुसंधानकर्ताओं और उद्योग जगत के विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है। आईजीएसटीसी भारत और जर्मनी दोनों के शिक्षाविदों और उद्योग जगत को एकजुट करके विभिन्न क्षेत्रों के बीच की बाधाओं को दूर करता है।

यह अनूठा सहयोग सुनिश्चित करता है कि अनुसंधान केवल जर्नलों तक सीमित न रहे, बल्कि सीधे औद्योगिक समाधानों और सार्वजनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में परिवर्तित हो। भारत का जलपुरुष के रूप में विख्यात डॉ. राजेंद्र सिंह ने सामुदायिक नेतृत्व वाले जल संरक्षण मॉडल और जल संचयन में पारंपरिक ज्ञान पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने नदियों के जीर्णोद्धार, पारंपरिक जलाशयों के पुनरुद्धार और स्थानीय समुदायों को जल संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए सशक्त बनाने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि जल प्रशासन जन-केंद्रित होना चाहिए।